मूल्य-20

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

अंगिराऽसि जंगिडः

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

श्री विश्वकर्मणे नमः

वर्षः 118, अंकः 09, सितम्बर-2025 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

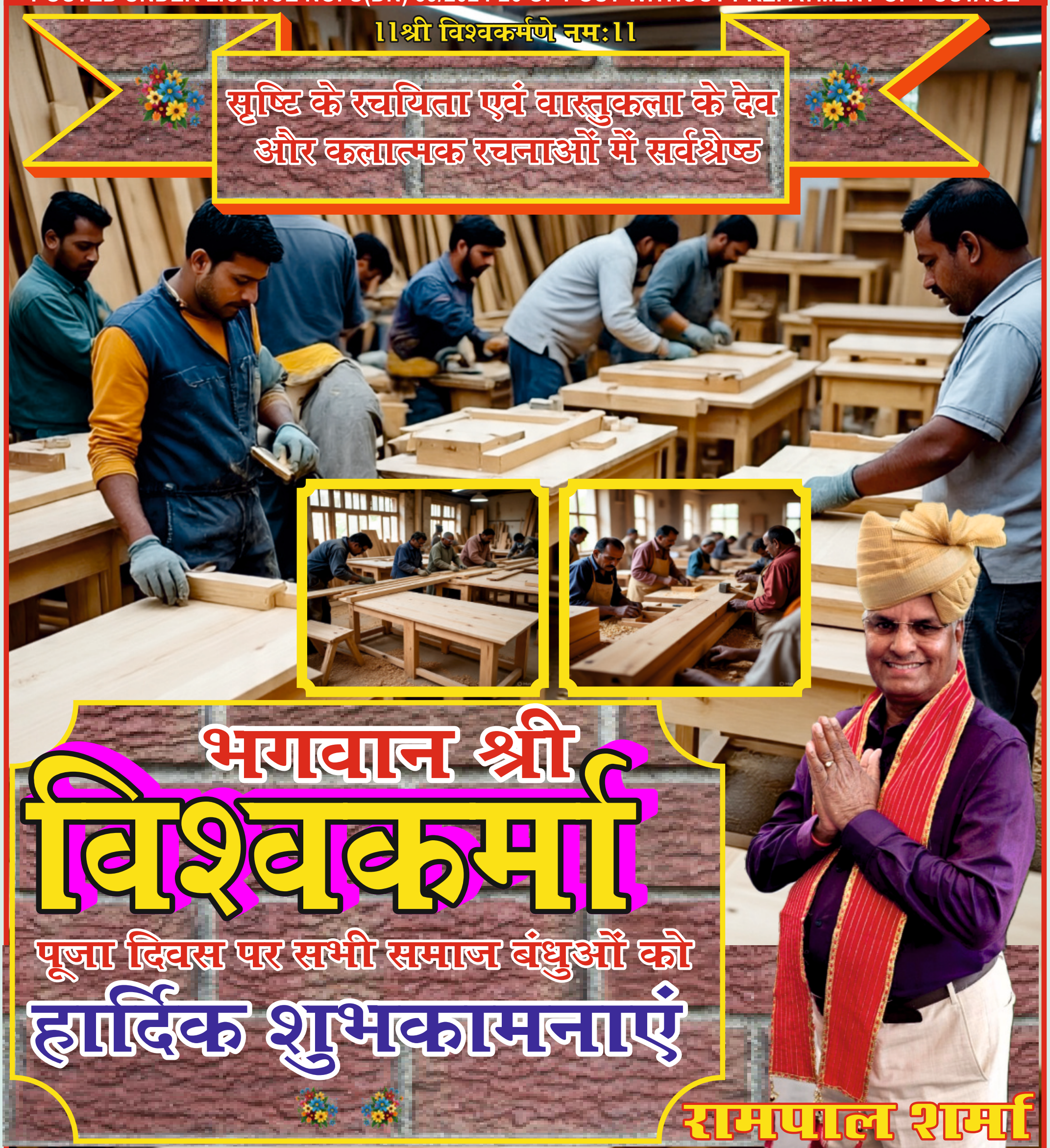

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

सम्पादक- रामभगत शर्मा

जांगिड ब्राह्मण समाज सेवा समिति कर्नाटक बैंगलुरु द्वारा 17 सितम्बर को भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस मनाया गया। उसकी मनोहारी चित्रावली

जयपुर में 2 सितंबर 2025 को राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा युवा प्रेरणा सम्मेलन आयोजित किया गया। उस सम्मेलन का विहंगम दृश्य

INTERIO CRAFT

MERGER OF **ROYAL, SG AND KRISHNA INTERIORS**

Our Management Team

Rampal Sharma

Deepak Sharma

Jagmohan Sharma

Amith Sharma

With its existence over three and half decades,we have carved a niche in the segment of providing complete interior solutions to various corporates houses, retail stores & residences pan India.

OUR STRENGTHS

- QUALITY OF WORK
- SERVICE COMMITMENT
- ON TIME COMPLETION
- PRICING

Our Sister Concerns:

- Krishna Ventures
- Krishna Retails
- SG Ventures
- NR Retails

Our Franchise Stores

- N R Retails, Uspolo Store, Kammanahalli, BANGALORE
- Uspolo Store, Vega City Mall, BANGALORE
- Krishna Retails, Uspolo Store, USPA-Forum Sujana Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM-Forum, Sujana Mall, HYDERABAD
- Uspolo Kids, USPA kids-Sarat City Mall, HYDERABAD
- Uspolo Denim, USPA Denim - Sarat City Mall, HYDERABAD
- Flying Machine, FM -Sarat City Mall, HYDERABAD
- Krishna Ventures, Mega Mart, Mega Mart - Kotputli, JAIPUR
- Third Wave Coffee, Bel Road, BANGALORE
- Wrogn Store, L&T Mall, HYDERABAD
- Swish Salon, BANGALORE

OUR SERVICES

ON SITE

- Carpentry
- Painting
- Tiling
- Marble Work
- Electrical & Lighting
- Civil
- Plumbing...

OFF SITE

- Production of Furniture
- Metal Works

WE ARE TURNKEY INTERIOR SOLUTION PROVIDERS

WE MAKE THEM LOOK AESTHETICALLY RICH AND BEAUTIFUL

Reach us:

Corporate Office: No 13/14 Royal Chambers, 3rd Floor, Dodda Banaswadi, Outer Ring Road, Near Vijaya bank Colony, Bengaluru, Karnataka 560043

080 2542 6161

projects@interiocraft.com

www.interiocraft.com

Some of our Valuable Clients

FLYING MACHINE, U.S. POLO ASSN., AEROPOSTALE, ARROW, LP, PETER ENGLAND, NAUTICA, GAP, trueblue, GANT, Allen Solly, VAN HEUSEN, lifestyle, max, homecentre, ZOYA, TANISHQ, TANEIRA, TITAN, Helios, fastrack, TITAN eyeplus, Mia, MELORRA, CENTRO, BIRKENSTOCK, THIRD WAVE COFFEE, SWAYAMVAR, SHOPPERS STOP, BLUESTONE, SBEAUTY, SWISH, TASVA, Manyavar

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाष:- 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड'' - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड'' - 09414003411

सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड'' - 09814681741

सह सम्पादक-प.प्रहलाद राय शर्मा ''जांगिड''- 08140229679

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)
कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

02. जांगिड समाज सेवा समिति कर्नाटक बैंगलुरू..
03. युवा प्रेरणा सम्मेलन जयपुर की चित्रावली..
07. सम्पादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. श्री बाबूलाल शर्मा, निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित
12. श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा, निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित
13. सूर्य नमस्कार में संदीप आर्य जांगिड ने......
16. महासभा के अंतर्गत कार्यरत इकाइयों की....
17. गोवा, पंजाब, तेलंगाना, तमिलनाडू चुनाव....
25. जयपुर में 2 सितम्बर को आयोजित युवा..
28. सृष्टि के रचयिता और विज्ञान और....
29. 17.09.2025 सींकर में विश्वकर्मा पूजन दिवस
31. कोर कमेटी मीटिंग के मिनट्स...
33. प्रदेशसभा मध्यप्रदेश कार्यकारिणी की मीटिंग..
36. म.प्रदेश जिलाध्यक्ष पद हेतु चुनाव अधिसूचना..
38. बानसूर में जिला सभा कोटपूतली-बहरोड....
40. महावीर प्रसाद जांगिड, एच सी एस से....
41. जांगिड ब्राह्मण सामुदायिक जन सेवा ट्रस्टें
42. जांगिड ब्राह्मण शाखा सभा फरीदाबाद....
43. विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड राजस्थान...
44. बेहतर समाज के लिए सबको सोचना होगा..
46. प्रेरणा और प्रयास द्वारा परिणाम तक.....
47. चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद-झुन्झुनूं...
48. 7 सितम्बर, मुंडका में महासभा भवन पहली.
50. जीवन में संघर्ष, निष्ठा तथा समर्पण...
53. करौली जिला की कार्यकारिणी का शपथ...
54. बांदीकुई तहसील के अध्यक्ष श्रीमान रमेशचंद्र..
55. ब्रह्मर्षि अंगिरा की जयंती राष्ट्रीय अंगिराधाम.
57. पुणे में राजस्थान फाउंडेशन चैप्टर की....
58. वैवाहिक विज्ञापन....
58. विभिन्न जिलो के नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष..
59. सह सम्पादक की नियुक्ति...
59. शोक संदेश
61. जिलासभा कोटपूतली-बहरोड, शपथ ग्रहण....

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

कृष्णा इंटीरियर

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय.....

मानव जीवन में करुणा और श्रद्धा ही जीवन को सकारात्मक दिशा दे सकते हैं।

सम्पादक, रामभगत शर्मा।

इस जीवन में करुणा एक ऐसा अनुपम उपहार है, जिसकी अनुभूति बाहर नहीं अपितु अपने अन्तःकरण में खोजने की जरूरत है। मानव जीवन में करुणा, और विश्वास तथा ऐसे मनोभाव हैं, जिसको आत्मसात करने से न केवल एक व्यक्ति का जीवन बदल सकता है, अपितु उस व्यक्ति की करुणा और श्रद्धा तथा दया की भावना से ओत-प्रोत होकर, उसके आस पास का वातावरण भी सुखद और आनन्दित हो जाता है। वास्तव में जिस भी व्यक्ति को इस जीवन में करुणा का वास्तविक अर्थ समझ आ जाता है, तो वह धन्य हो जाता है और उसमें करुणा की तरंगे उठती रहती हैं, क्योंकि करुणा की तरंगे अन्तर्मन में परमात्मा की अनुकम्पा से ही प्रस्फुटित और पल्लवित और पुष्पित होती हैं। इसलिए भगवान को भी दयानिधान, करुणानिधान और कृपालु कहा जाता है।

जिस समय एक व्यक्ति का अन्त-करण किसी की व्यथा और पीड़ा को समझ लेता है तो उसका मन सहज रूप से ही करुणा से भर जाता है और द्रवित हो उठता है और वह करुणा और दया के भावों से परिपूर्ण व्यक्ति अपने करुणा के सहज स्वभाव के कारण ही वह उस व्यथित व्यक्ति के साथ सहज रूप से ही अपना तादात्म्य स्थापित कर लेता है । जिस समय भगवान बुद्ध को सत्य का अहसास हुआ तो उसकी आंखों से करुणा के आंसू बह निकले और उनके अन्तःकरण में जिस समय करुणा के मनोयोग के भाव प्रबल हो उठे तो, वह इस धरती को नतमस्तक होकर प्रणाम करने लगे और उनके अन्त करण में करुणा के बीज फलित हुए तो वह भगवान के रूप में पूजनीय हो सके।

महात्मा बुद्ध का मानना है कि जीवन में शक्ति चाहिए तो, ज्ञान हासिल करो और सम्मान चाहिए तो चरित्र हासिल करो और करुणा की किरणों का उदय उन्हीं महानुभावों के अन्तःकरण में होगा, जिनका चरित्र महान है। करुणा की भावना वास्तव में हमारे भीतर ही मौजूद है। जिस समय कोई भी संवेदनशील व्यक्ति, किसी भी व्यथित प्राणी के प्रति करुणा और दयालुता के भाव दिखलाता है, तो उस समय न केवल उस व्यक्ति को अपने अन्तःकरण में करुणा की ऊर्जा का अनुभव होता है, अपितु करुणा करने वाले के दिल पर भी उसका गहरा प्रभाव पड़ता है और जिसके प्रति करुणा और दया दिखलाई गई है वह भी उस करुणा की ऊर्जा से अभिभूत हो जाता है और इतना ही अपितु, उस समय उसके आसपास मौजूद दर्शकों या आसपास में मौजूद अनजान व्यक्तियों तक भी निर्बाध रूप से पहुंचती है । एक अध्ययन के द्वारा करुणा रुपी मनोवृत्ति के बारे में, यह स्पष्ट परिलक्षित हुआ है कि करुणा से न केवल दर्शकों के मनोभावों को भी सुधरा जा सकता है, अपितु उनमें उदारता, सकारात्मक तथा दयाभाव के गुणों की क्षमता भी बढ़ाई जा सकती है और इस प्रकार के करुणामय वातावरण में ही इस जीवन में सामाजिक समरसता और मेल मिलाप की भावना का उद्गम होता है। करुणा के माध्यम से, जहां पर आपसी सहयोग और विश्वास की भावना का विश्वास सुदृढ़ होती है, वहीं एक व्यक्ति में सकारात्मक भावना का विकास होने के साथ ही उसके सात्विक चरित्र में करुणा की भावना सहज रूप से परिलक्षित होने लगती है।

इसलिए कहा गया है कि आपकी एक छोटी सी करुणा की तरंग शांति लाने के साथ-साथ आपके आसपास में सकारात्मक ऊर्जा भरने के साथ ही इसकी तरंग दूर दूर तक फैल कर चेतन मन पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं और करुणा रुपी मोती बचपन से लेकर आजीवन, विश्वास सामाजिक स्रोतों से सचेत या अवचेतन रूप से समाहित होती रहती है। यहां पर एक महत्वपूर्ण प्रश्न उत्पन्न होता है कि, करुणा का स्वरूप कैसा होना चाहिए और वास्तव में करुणा की वास्तविक रूप क्या है और यह कैसी होनी चाहिए । करुणा का

दायरा बहुत ही विस्तृत और इसकी समुचित रूप से व्याख्या नहीं की जा सकती है, लेकिन जो व्यक्ति चरित्रवान और उदार हृदय का होगा और जिस पर भगवान की विशेष अनुकंपा होगी, वह किसी के साथ भी अन्याय होने पर उसके साथ करुणा और प्रेम के साथ व्यवहार करेगा तथा अपने करुणा पूर्ण व्यवहार के माध्यम से उसकी वेदना और परेशानी को दूर करने का प्रयास करेगा और यही करुणा ही प्रयास करने की पृष्ठभूमि तैयार करती है और इसमें व्यक्ति के संस्कार सबसे बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं।

इसी प्रकार से अगर हम करुणा के साथ ही अगर श्रद्धा की बात करें, तो श्रद्धा और विश्वास तथा आस्था जीवन के वह मूल बिंदु हैं जो हमारे मन की आन्तरिक भावनाओं पर आधारित हैं और हमारा जीवन भी इन्हीं के आसपास घूमता है। एक अबोध बच्चे की भगवान के प्रति श्रद्धा और आस्था किस समय बढ़ेगी, जिस समय उस बच्चे की मनोवृत्ति को श्रद्धा और आस्था के ज्ञान के माध्यम से पोषित किया जाएगा। जिस समय मनुष्य को परमात्मा के संसार में मानव के कल्याण के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों का ज्ञान होगा तो उसका सिर श्रद्धा से अपने आप ही झुक जाएगा। जिस समय आप एक मंदिर के सामने से गुजरते हैं, तो स्वाभाविक रूप से ही आपका शीश मन्दिर के सामने सहज रूप से ही झुक जाता है, क्योंकि उस मन्दिर में भगवान श्री राम, भगवान श्री कृष्ण और देवों के देव महादेव की प्रतिमा स्थापित की हुई है और इन प्रतीमाओं के प्रति आपकी अगाध श्रद्धा, आस्था और विश्वास तथा समर्पण की भावना है।

गोस्वामी संत तुलसीदास ने रामायण में, श्रद्धा के बारे में बड़े ही सुंदर ढंग से उल्लेखित किया गया है जाने बिनु न होई परतीति अर्थात वास्तविक वास्तु ज्ञान के बिना वास्तविक श्रद्धा नहीं हो सकती है। इसी प्रकार भगवान श्रीकृष्ण भी गीता के माध्यम से उपदेश देते हैं कि इस संसार में दिव्य ज्ञान के समान और कुछ भी शुद्ध नहीं है, वह अर्जुन को दिव्य ज्ञान की नाव में सवार होकर जीवन मृत्यु के भवसागर से पार करने का का उपदेश देते हैं । इसका मूल अभिप्राय यह है कि जब तक राम में प्रीति नहीं होगी और प्रतिति के बाद ज्ञान होगा और फिर आपकी श्रद्धा और विश्वास बढ़ेगा। इसलिए कहा गया है कि भगवान में अगाध आस्था और श्रद्धा रखो यही श्रद्धा उन्हें भ्रम के मोहजाल से निकाल कर जीवन जीने का सही रास्ता प्रशस्त करेगी। जब हमारी श्रद्धा दिव्य ज्ञान के स्रोत से आलोकित होती है तो, वह श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण करती है और यही श्रद्धा मनुष्य को जीवन-जीने की प्रेरणा देती है। इसी तरह हमारे वेदों शास्त्रों ग्रन्थों, रामायण श्री मद्भागवत गीता में हमारे जीवन के मार्गदर्शक हैं और इन सभी मूल्यांकन ग्रंथों में, मानवता के कल्याण के लिए श्रद्धा और शाश्वत ज्ञान और मूल्यों के असंख्य मणि और मोती तथा रतन समाहित है और जिस समय हमारी श्रद्धा इस दिव्य ज्ञान को के स्रोत को आत्मसात कर लेती है तो यह अद्भुत है तो यह एक श्रेष्ठ चरित्र का निर्माण करती है, जो हमें वास्तविक जीवन जीने की प्रेरणा देती है और वह जीवन सफल ही नहीं अपितु ऐसा जीवन पावन भी होता है ।

इस प्रक्रिया में हम यह अनुभव करते हैं की वास्तविक श्रद्धा कभी भी अंधी नहीं हो सकती है और वह श्रद्धा दृष्टि से परे देखती है और कहीं अधिक गहराई और स्पष्टता के सत्य को पहचानती है और यह सत्य ही है कि हम दृष्टि से नहीं अपितु श्रद्धा से चलते हैं। वास्तव में हमारे जीवन का प्रत्येक निर्णय इस बात पर आधारित होता है कि हमारा विश्वास किस में है और यही विश्वास हमें जीवन की दिशा तय करने में सहायता करता है। यदि हमारी श्रद्धा धन और यश में है तो हमारी ऊर्जा उन्ही में लगती है और अगर हमारा विश्वास ईश्वर में है, तो हमारे अधिकतर निर्णय आत्मिक शुद्धि के प्रति समर्पित होते हैं। देखें तो श्रद्धा कोई निष्क्रिय नहीं है बल्कि एक प्रबल शक्ति है जो हमारे विचारों मूल्यों कार्यो और नियति को अहर्निश प्रभावित करती रहती है। आज के इस आधुनिक जीवन में तनाव बहुत अधिक बढ़ गया है। विश्वास से ही ऊर्जा मिलती है, इसलिए जीवन में साधना करें और उससे आपकी आंतरिक शक्ति बढ़ेगी और जीवन में प्रेम और करुणा के गुणों को आत्मसात करें, जिसके हृदय में प्रेम और करुणा की भावना नहीं है उसका जीवन उसका जीवन अधूरा है। आज के इस तनाव मुक्त जीवन में लोग एक दूसरे के प्रति प्रेम और करुणा व्यक्त नहीं कर पा रहे हैं। जीवन में ईश्वर साधना और सेवा के माध्यम से ही तनावमुक्त हो सकते हो । यह शरीर नश्वर है जिस दिन आपको यह समझ आ गया तो चिंता स्वयं ही मिट जाएगी और जीवन आनंदमय बन जाएगा। विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

प्रधान की कलम से ---

महासभा के 4 प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव निर्विरोध करके समाज ने, एक सकारात्मक संदेश दिया है।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा

सबसे पहले तो मैं, धर्म और आस्था के प्रतीक और आदिशक्ति के विभिन्न रूपों की पूजा का द्योतक, आस्था और श्रद्धा के प्रतीक नवरात्रों का पावन त्यौहार, और बुराई पर अच्छाई का प्रतीक दशहरा और 17 सितंबर को हर्षोल्लास पूर्वक देश भर में मनाए गए, सृष्टि के रचयिता और ज्ञान विज्ञान के देवता, **भगवान विश्वकर्मा दिवस**, विश्व प्रोढ़ शिक्षा दिवस और संकट मोचन चतुर्थी के अवसर पर महासभा रुपी परिवार को अपने अन्त:करण से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

मुझे आज भी याद है कि आपने जिस भावना के साथ मुझे, जनवरी 2022 समाज के मुख्य सेवक का दायित्व सौंपा था और मैंने उसी समय यह संकल्प लिया था कि मैं निस्वार्थ भाव से कार्य करते हुए समाज की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करुंगा और परमात्मा ने मुझे शक्ति दी और समाज के लोगों ने साथ दिया और सबसे पहले भामाशाहों और दानदाताओं के सहयोग से महासभा के भवन निर्माण का संकल्प पूरा किया और महासभा के कार्यो में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ऑनलाइन सदस्यता की शुरुआत की और इसके बड़े ही सार्थक परिणाम सामने आए हैं।

मुझे याद है कि गुजरात के सूरत में जनवरी 2023 में हुई महासभा की त्रैमासिक बैठक में, मैंने मैं समाज के प्रबुद्ध लोगों से हाथ जोड़कर विनती की थी, कि आज इस समाज को एकता के सूत्र में बांधने का केवल एक ही रास्ता है और वह है, जितने भी प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, तहसील अध्यक्ष या ब्लॉक अध्यक्ष के चुनाव हो उन सभी में, चुनाव करवाने की अपेक्षा, उनमें सर्वसम्मति से करवाने के प्रयास किए करके अध्यक्ष बनाने के स्तुत्य प्रयास किए जाए और इससे न केवल समाज में, मनमुटाव कम होगा, अपितु एक दूसरे के साथ मिलकर आपसी सहयोग और समर्थन से हम समाज को आगे ले जाने में सफल होंगे । मुझे यह कहते हुए गर्व महसूस हो रहा है कि इस विनती का प्रभाव आज देखने को मिल रहा है। जिस प्रकार से पहले, मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला को दूसरी बार निर्विरोध रूप से प्रदेश सभा का अध्यक्ष बनाया गया और सबसे बड़ी बात यह है कि मध्यप्रदेश में जितने भी जिला अध्यक्ष बने हैं, वह सभी सर्वसम्मति से बनाए गए हैं।

अब हाल ही में चार प्रदेशों के, प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव हुए हैं जिनमें से उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ के चुनाव, 16 अगस्त को हुए और गुजरात और कर्नाटक प्रदेश सभा के चुनाव इस महीने 6-7 सितंबर को हुए हैं। लेकिन मुझे खुशी है कि चारों प्रदेशों के अध्यक्ष निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए हैं और यह एक प्रकार से समाज में जागृति का ही परिणाम है कि इस प्रक्रिया के माध्यम से उम्मीदवारों के अनावश्यक रूप खर्च होने वाले पैसों की जहां पर बचत हुई है वहीं आपसी सौहार्द और आपसी भाईचारे की भावना बलवती हुई है और हम सभी को, एक साथ मिलकर ही, इस परंपरा को आगे बनाए रखने के भी प्रयास जारी रखने चाहिए। हालांकि ऐसे मामलों में कई बार कई अनेक परेशानियों का भी सामना करना पड़ता है, लेकिन मैं समझता हूं कि वह परेशानी सर्वसम्मति से चुनाव की अपेक्षा कम हैं। जैसा कि मैंने पहले भी कहा था कि निर्विरोध चुनाव करवाने से महासभा को आर्थिक नुकसान होता है, क्योंकि महासभा के साथ अधिक सदस्य नहीं जुड़ पाते हैं और चुनाव होने की हालत में उम्मीदवार अपने-अपने ढंग से नए सदस्यों को महासभा के साथ जोड़ने का अभियान चलाते हैं और महासभा परिवार को बढ़ाने का काम करते हैं। लेकिन मुझे खुशी है कि उस आर्थिक नुकसान से कहीं अधिक मूल्यवान आपसी प्रेम सहयोग और सौहार्द की भावना है जो, पैसे के बजाय समाज को, एकता, प्यार, आपसी सद्भाव और प्रेम के सूत्र में बांधने का काम करती है और यह प्यार और आपसी सौहार्द जो पैसे से कहीं अधिक मूल्यवान है ।

आपको मालूम है कि दिसम्बर 2024 में हुए महासभा के प्रधान पद के चुनाव में भी सर्वसम्मति बनाने के लिए किस प्रकार से मशक्कत करनी पड़ी थी और मैंने, पहले भी उन सभी पांचों उम्मीदवारों का, जिन्होंने, मेरे समर्थन में

अपना नाम वापस लेकर, सर्वसम्मति बनाने के लिए रास्ता प्रशस्त किया था, उनका आभार व्यक्त किया था और **मैं पुन: आज भी उन सभी का आभार व्यक्त करता हूं और यही कारण है कि उन्होंने एक मिसाल कायम करते हुए पिछले 30 साल का रिकॉर्ड तोड़कर एक नया रिकॉर्ड बनाया और मुझ जैसे, व्यक्ति को दोबारा, मुख्य सेवक बनाकर, समाज सेवा करने का अवसर प्रदान किया है।** सर्वसम्मति से चुनाव करवाने का केवल एक ही उद्देश्य होता है कि समाज में आपसी एकता और भाईचारे की डोर और अधिक मजबूत हो और हमारा भाईचारा, स्नेह और प्यार बना रहे और मुझे अपार खुशी है कि यह समाज आज आपसी एकता की तरफ बढ़ रहा है।

इसके साथ ही मैं, उन सभी चारों प्रदेश अध्यक्षों कर्नाटक के बाबूलाल शर्मा, गुजरात के राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, छत्तीसगढ़ के भोलाराम शर्मा और उत्तराखंड के नरेंद्र कुमार शर्मा, को अपनी तरफ से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि जिस उम्मीद और आशा के साथ, प्रदेश के लोगों ने आपमें विश्वास व्यक्त करते हुए अध्यक्ष पद पर सुशोभित किया है इसकी गरिमा को बनाए रखते हुए काम करेंगे। इससे आपका दायित्व और जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ गई है। इसलिए आप समाज को आगे ले जाने के लिए हमेशा सतत् प्रयास करते रहेंगे। मैंने अपने जीवन में हमेशा एक ही चीज सीखी है कि जिस भी व्यक्ति में जो भी अच्छाई हो, उसको सहज रूप से ही स्वीकार कर लेना चाहिए और यह इस जीवन का कटू सत्य भी है कि अगर आपमें-**स्वीकार करने की हिम्मत** और सुधार करने की नीयत हो, दृढ़ संकल्प, उदात्त दृष्टिकोण और आगे बढ़ने की जिजीविषा हो तो **इन्सान इस जीवन में और बहुत कुछ, सीख सकता है।** मैंने भी अपने जीवन में हमेशा ही यही प्रयास किया है कि जीवन में सकारात्मकता को आत्मसात करते हुए आगे बढ़ने का काम किया है और इससे मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं और परेशानियां का समाधान, सहज रूप से ही, निकाला जा सकता है।

प्रधान पद पर, आसीन रहते हुए, मुझे भी इस दौरान अनावश्यक रूप से अनेक खट्टे-मीठे अनुभवों का सामना करना पड़ा है, लेकिन मैं उनसे कभी भी विचलित नहीं हुआ, अपितु जहां पर भी मुझ से गलती हुई है, उसको मैंने सहजता से स्वीकार करते हुए, उसमें सुधार करने का हमेशा ही स्तुत्य प्रयास किया है । **वैसे तो इस जीवन में कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता है। वह गलतियों का पुतला है, लेकिन व्यक्ति की महानता इसी में निहित है कि वह अपनी महत्वाकांक्षाओं पर, किसी को बलि न चढ़ाएं ।**

भविष्य में भी **इस महासभा में अनेक प्रधान आएंगे और चले जाएंगे, लेकिन यह इतिहास केवल उन्ही को याद रखेगा, जो अपने अंहम को तिलांजलि देकर समाज के कार्यो को सर्वोच्च्व प्राथमिकता देंगे।** जीवन में कठिन कुछ नहीं होता है और मुश्किलें ही जीवन की वह सीढ़ियाँ हैं, जिन पर चढ़कर ही, सफलता की ऊंचाइयों पर चढ़ा जा सकता है"। **जीवन में कभी-कभी चुनौतियाँ इतनी कठिन लगती हैं कि, हम हार मानने के करीब होते हैं। परंतु, यदि हम इन कठिनाइयों को अवसरों के रूप में देखें, तो हम असंभव को भी संभव बना सकते हैं। लेकिन जो लोग अपनी आत्मशक्ति और आत्मविश्वास को कायम रखते हैं और धैर्य और साहस के साथ आगे बढ़ते हैं, वही सफलता का वरण करते हैं। आपके सामने भी अनेक चुनौतियां आएगीं, लेकिन उन सभी चुनौतियों का मुकाबला सभी के सक्रिय सहयोग और समर्थन से ही किया जा सकता है।** अत: मेरी सभी नवनिर्वाचित, प्रदेश अध्यक्षों से विनम्र प्रार्थना और अनुरोध है कि जिस प्रकार से अपने प्रदेश के लोगों द्वारा **आप पर विश्वास व्यक्त करते हुए, आपके कंधों पर जो यह दायित्व डाला गया है, इससे आपकी जिम्मेदारी और भी अधिक बढ़ गई है और अब आपकी यह जिम्मेदारी बनती है कि आप उनके आंसू पोंछने के साथ ही उनकी आशाओं और आकांक्षाओं पर भी खरा उतरने का हर संभव प्रयास करेंगे और प्रदेश में, आपस में प्रेम और सद्भाव का वातावरण बनाए रखते हुए समाज की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान देंगे ।**

मैं आप सभी नवनिर्वाचित चारों प्रदेश अध्यक्षों को पुन: बधाई देते हुए आशा करता हूं कि आप अपने-अपने राज्य के लोगों की भावनाओं को शिरोधार्य करते हुए, समाज को आगे बढ़ाने के लिए, आगे आएंगे ताकि आप और हम सभी मिलकर इस समाज को एक नई दिशा और दशा तथा एक नई रोशनी दे सकें और आने वाली संतानों का भविष्य उज्ज्वल बना सके और इसी आशा और उम्मीद के साथ आप सभी का पुन: आभार व्यक्त करता हूं और धन्यवाद देता हूं। विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

प्रदेश सभा कर्नाटक के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव मे

श्री बाबूलाल शर्मा

निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा कर्नाटक के **प्रदेशाध्यक्ष** पद के चुनाव हेतु जारी चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम के (क्रमांक 2603/2025 दिनांक 23 जून 2025) अनुसार नामांकन प्रक्रिया 6 एवं 7 सितंबर 2025 शनिवार एवं रविवार को नामांकन स्थल **श्री जांगिड ब्राह्मण समाज ट्रस्ट, विनी मिल रोड बैंगलोर कर्नाटक** पर निर्धारित समयानुसार संपन्न हुई।

नामांकन प्रक्रिया में नाम वापसी के पश्चात केवल एक ही नामांकन पत्र रहने के कारण **"श्री बाबूलाल शर्मा सुपुत्र श्री राम अवतार शर्मा निवासी बेंगलुरु** को प्रदेश सभा कर्नाटक के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

प्रदेश सभा गुजरात के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष **"श्री बाबूलाल शर्मा"** को बहुत-बहुत बधाई एवं यशस्वी कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं ....।

जिन समाज बंधुओ ने नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया उन सभी के प्रति धन्यवाद....आभार...

सांवरमल जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा	मनोहर लाल जांगिड	रामजीलाल जांगिड
नोडल अधिकारी	मुख्य चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी

प्रदेश सभा गुजरात के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव मे
श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा
निर्विरोध प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभा गुजरात के **प्रदेशाध्यक्ष** पद के चुनाव हेतु जारी चुनाव अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम के (क्रमांक 2603/2025 दिनांक 23 जून 2025) अनुसार नामांकन प्रक्रिया 6 सितम्बर 2025 शनिवार को नामांकन स्थल **जांगिड समाजवाड़ी, उमा शिक्षण संस्थान नरोडा अहमदाबाद** पर निर्धारित समयानुसार संपन्न हुई।

नामांकन प्रक्रिया में नाम वापसी के पश्चात केवल एक ही नामांकन पत्र रहने के कारण **"श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा सुपुत्र श्री गोवर्धन लाल शर्मा निवासी डभाण (गुजरात)"** को प्रदेश सभा गुजरात के प्रदेशाध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया।

प्रदेश सभा गुजरात के नवनिर्वाचित प्रदेशाध्यक्ष **"श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा"** को बहुत-बहुत बधाई एवं यशस्वी कार्यकाल की अनंत शुभकामनाएं ....।

जिन समाज बंधुओ ने नामांकन प्रक्रिया में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया उन सभी के प्रति धन्यवाद....आभार...

सांवरमल जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा	शंकर जांगिड	प्रहलाद राय दूजोद	मनोहर लाल शर्मा,(दूरदर्शन)
नोडल अधिकारी	मुख्य चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी	चुनाव अधिकारी	चुनाव समन्वयक

सूर्य नमस्कार में संदीप आर्य जांगिड ने लगातार 37 घंटे सूर्य नमस्कार करके छठी बार वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया और लंदन बुक व अमेरिका बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज हुआ।

संदीप जांगिड को यूएसए बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और लन्दन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टिफिकेट मिला।

हरियाणा, हिसार जिले के एक छोटे से गांव फरीदपुर में एक सामान्य जांगिड परिवार में पिता धर्मपाल जांगिड और माता श्रीमती कृष्णा जांगिड के घर 31 अक्टूबर सन् 1995 में पैदा हुए, संदीप जांगिड, ने अपनी उत्कट जिजीविषा और दृढ़ संकल्प, निरन्तरता, आत्मबोध और इच्छा शक्ति के साथ-साथ कठोर परिश्रम और सतत् पुरुषार्थ किया है, जिसके के परिणामस्वरूप ही उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक ऐसा अनुकरणीय और अनूठा कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसको आने वाले समय में किसी भी युवा द्वारा इस रिकॉर्ड को तोड़ना न केवल एक चुनौती भरा काम होगा, अपितु यह एक असम्भव कार्य भी होगा। उन्होंने 7 मई 2025 को, सूर्य मंदिर मोढेरा में, सूर्य नमस्कार चैम्पियनशिप में 37 घंटे लगातार 20,000 हज़ार बार सूर्य नमस्कार करके 6वीं बार वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है और यह किसी भी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के किसी भी खिलाड़ी का यह पहला अद्वितीय चमत्कार भी है, जिसके परिणामस्वरूप, अमेरिका बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और लन्दन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में उनका नाम दर्ज करके एक अनूठे इतिहास की रचना की गई।

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने शुभकामनाएँ बधाई दी

ऐसे ही प्रतिभा के धनी और जांगिड रत्न, संदीप जांगिड का जन्म 1995 में हुआ था और संदीप के पिता धर्मपाल जांगिड मजदूरी का काम करते हैं और संदीप मां, का प्यार मिलने में, बड़ा ही दुर्भाग्यशाली रहा है, जिस समय वह केवल मात्र 10 साल का था उस समय बचपन में ही सन 2006 में उनके सिर से मां का साया उठ गया था और ऐसे हालात में उसको चारों और अंधेरा ही अंधेरा नजर आने लगा और उनके लालन-पालन का दायित्व उनके नाना रामजीलाल और नानी रामबाई सुथार ने पूरा किया और फिर उसे अपने लक्ष्य पर ध्यान देते हुए उसे, हासिल करने के लिए हमेशा ही प्रोत्साहित किया। संदीप ने सूर्य नमस्कार में जो अविस्मरणीय उपलब्धि हासिल की है, उस उपलब्धि को हासिल करने के लिए ही, उन्होंने कठिन परिश्रम अथक साधना और सतत् पुरुषार्थ और संकल्प के माध्यम से इस असंभव कार्य को संभव करके दिखलाया है। हिसार के छोटे से गांव फरीदपुर में पैदा हुए संदीप जांगिड को, अब तक अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड और पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। इससे पहले उन्होंने पांचवीं बार वर्ल्ड रिकार्ड, नांदेड़ महाराष्ट्र में सन् 2024 में 36 घंटे 21 मिनट तक लगातार 15000 सूर्य नमस्कार करके विश्व रिकॉर्ड बनाया था और उसके बाद अब सूर्य मंदिर मोटेरा गुजरात में 37 घंटे लगातार 20,000 सूर्य नमस्कार करके एक बार फिर नया इतिहास रचा है और इसके अतिरिक्त इसमें 2 लाख से अधिक सूर्य नमस्कार दंड बैठक भी शामिल है। संदीप द्वारा विश्व रिकार्ड बनाने पर अमेरिका से आई हुई वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम ने भी उनको वर्ल्ड रिकॉर्ड का सर्टीफिकेट देकर सम्मानित भी किया था ।

जहां तक इस अनुकरणीय उपलब्धि के लिए पुरस्कार और सम्मान हासिल करने का प्रश्न है, इसकी एक बहुत बड़ी लंबी फेहरिस्त है। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उतर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्य नाथ, गुजरात के राज्यपाल और योगगुरु बाबा रामदेव सहित अनेक महान विभूतियां और अनेक सामाजिक संस्थाएं शामिल हैं। संदीप जांगिड ने सूर्य नमस्कार के बारे में अपनी विशिष्ट उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि सन् में 2017 का दिन मेरे लिए एक ऐतिहासिक दिन था, उस दिन मेरे मन में एक विचार आया कि मुझे सूर्य नमस्कार में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना है और सूर्य नमस्कार का अभ्यास करना शुरू किया और लगातार 10 घंटे सूर्य नमस्कार करना बड़ा ही मुश्किल लग रहा था क्योंकि इससे पहले का सूर्य नमस्कार में केवल 8 मात्र घंटे का वर्ल्ड रिकॉर्ड था। लेकिन परमात्मा ने मुझे असीम शक्ति प्रदान की और दृढ़ इच्छा शक्ति और मजबूत इरादों के साथ सूर्य नमस्कार का अभ्यास करना शुरू किया और सबसे पहले 100 सूर्य नमस्कार करने का अभ्यास किया और फिर धीरे-धीरे 1000 सूर्य नमस्कार हर रोज करने लगा और फिर एक बार हौसला टूट गया और पूरे शरीर में दर्द होने लगा और यह फिर से मैडिटेशन करनी शुरू की और देश के महान क्रांतिकारियों की जीवनी पड़ी और अपने आप को मजबूत किया।

उन्होंने कहा कि परमात्मा की अनुकंपा से वह शुभ दिन एक दिन आ गया और वह शुभ दिन था 21 जून 2018 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मैंने लगातार 17 घंटे 30 मिनट में 10000 बार सूर्य नमस्कार करके

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संदीप को शुभकामनाएँ बधाई दी

करके पहली बार वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया और एक प्रकार से यह बहुत बड़ा रिकॉर्ड बन चुका था और इस रिकॉर्ड के नजदीक में भी कोई भी नहीं था। क्योंकि उससे पहले यह सूर्य नमस्कार का रिकॉर्ड केवल 8 घंटे का ही था और मैंने पहले प्रयास में ही दोगुना से अधिक कर दिया। उसके बाद हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और योग ऋषि स्वामी रामदेव ने बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की थी, जिससे मेरा उत्साह और अधिक बढ़ गया। संदीप ने कहा कि जिंदगी में जो भी परिश्रम करता है, उसका फल परमात्मा कभी न कभी अवश्य ही देता है और मुझे इस बात का परम संतोष है कि मैं बार-बार अपना रिकॉर्ड खुद ही तोड़ने में सक्षम रहा हूं ।

अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने की धुन में, फिर कुछ महीने के बाद एक दिन फिर मन में विचार आया कि और अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने का संकल्प करते हुए अपने आप को और अधिक मजबूत किया और फिर प्रैक्टिस करनी शुरू कर दी और 16 दिसंबर सन 2019 में फिर लगातार 24 घंटे 12000 सूर्य नमस्कार करके वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। लेकिन मेरा दुर्भाग्य यह रहा कि मेरे घुटने का लिगामेंट टूट गया वह शरीर की समस्या बढ़ती जा रही थी और ऐसे में मन में नकारात्मक सोच पैदा हो गई और मन में आया कि भविष्य में फिर कभी भी सूर्य नमस्कार का अभ्यास नहीं करूंगा और उसके बाद योगाभ्यास शुरू किया धीरे-धीरे दर्द खत्म हुआ । फिर इस पागल मन में नए-नए विचार कौंधने लगे कि क्यों न अपना पुराना रिकॉर्ड एक बार फिर तोड़ दिया जाए और फिर उसके बाद फिर अभ्यास करना शुरू किया और धीरे-धीरे प्रैक्टिस शुरू की और सन 2020 में लखनऊ कैंट में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाना शुरू हुआ और जिस समय 25 घंटे तक पहुंचा तो पूरा शरीर में दर्द बढ़ गया और 30 घंटे तक पहुंचा तो घुटने का लिगामेंट फिर टूट गया और हाथ की नली ब्लॉक हो गई, लेकिन मैंने हिम्मत नहीं हारी और अभ्यास जारी रहा, स्वामी दयानंद सरस्वती जी की जीवनी पढ़ी और उससे पुनः हिम्मत हुई और उस समय 36 घंटे 21 मिनट लगातार सूर्य नमस्कार करके पुनः विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया और उसके पश्चात बेहोश हो गया कुछ समय बाद होश आया तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंद बेन पटेल और भारत के गृहमंत्री अमित शाह, हरियाणा के तत्कालीन खेल मंत्री संदीप सिंह और हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर सभी ने मेरा हौसला बढ़ाते हुए शुभकामनाएं दी और मुझे सम्मानित किया गया। उन सभी नेताओ ने स्पष्ट कहा कि मुझ में, दुख और पीड़ा सहन करने की क्षमता बहुत अधिक है और यही कारण है कि मैं बार-बार व्यवधान उत्पन्न होने के बावजूद भी अपने उद्देश्य में सफल रहा हूं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता संदीप जांगिड को सम्मानित करती हुई वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने पर शुभकामनाएँ बधाई दी

1. उन्होंने कहा कि कैसी विडंबना है कि हरियाणा सरकार द्वारा उनको सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन न तो कोई नौकरी ही दी गई और ना कोई आर्थिक सहायता प्रदान की गई हरियाणा सरकार द्वारा हिमालय की चोटी पर झंडा फहराने वाली एक महिला को हरियाणा पुलिस में अधिकारी की नौकरी दे सकती है, लेकिन उस युवक के लिए हरियाणा सरकार के पास कोई नौकरी नहीं जिसने अब तक सूर्य नमस्कार में 6 बार वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया और प्रदेश का नाम गौरवान्वित। उन्होंने अपना जीवन यापन करने के लिए स्कूल-कॉलेजों में युवाओं के लिए मोटिवेशन कार्यक्रम शुरू किया है, जिससे युवा बहुत अधिक प्रभावित हो रहे हैं।

इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए संदीप आर्य का नाम लन्दन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में 6 मई 2024 और अमेरिका बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में 7 जून 2025 को दर्ज हुआ है और संदीप आर्य को लंदन बुक और अमरीका से सर्टीफिकेट प्राप्त हुआ पूरे गाँव फरीदपुर में खुशी मनाई गई है और संदीप आर्य के इस उपलब्धि पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंदर भाई पटेल ने उनको 1 जून को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी दिल्ली में मुख्यमंत्री आवास पर बुलाकर 25 जुलाई को सम्मानित किया और बधाई दी है और हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम और कैबिनेट मंत्री अरविंद शर्मा ने भी 16 जून को बधाई दी है और इसके साथ ही हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने भी चंडीगढ़ में 17 जुलाई को सम्मानित किया और बधाई दी है ।

हरियाणा के मुख्य मंत्री ने अपने बधाई संदेश में कहा है कि संदीप जांगिड का अपने लक्ष्य के प्रति संकल्प

और दृढ़इच्छाशक्ति ने उसको वह सम्बल प्रदान किया, जिसके आधार पर वह अपना बनाया हुआ रिकॉर्ड स्वयं ही हर बार तोड़ने में सफल रहे हैं और मुझे विश्वास है कि वह भविष्य में भी अपनी प्रतिभा और दक्षता का परिचय देते हुए सूर्य नमस्कार के बारे में नए-नए विश्व रिकॉर्ड कायम करेंगें। मै संदीप जांगिड के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

इसी प्रकार गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने भी उनको 1 जुलाई, 2025 को गुजरात राजभवन में सम्मानित किया और बधाई दी और कहा कि संदीप आर्य की यह अनूठी और अनुकरणीय उपलब्धि है। संदीप आर्य ने 37 घंटे लगातार सूर्य नमस्कार करके विश्व में इतिहास रच दिया है। संदीप देश के युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। संदीप के माध्यम से पूरे देश और विश्व को सूर्य नमस्कार करने की प्रेरणा मिलेगी देश की युवा खेल और फ़िटनेस से जुड़ेंगे और नशे से दूर रहेंगे।

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र भाई पटेल संदीप जांगिड को 1 जून को सम्मानित करते हुए

इस विश्व रिकॉर्ड हासिल करने का उल्लेख करते हुए संदीप जांगिड ने बताया कि वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रतियोगिता में एक सप्ताह पहले ही उसने भोजन बंद किया और निरन्तर 6 से 8 घंटे सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया और इस विश्व रिकॉर्ड के बाद उनका 15 किलो वज़न कम हो गया और इसकी प्रेरणा उसको स्वामी दयानंद सरस्वती की पुस्तक पढ़ कर मिली है।

सबसे बड़ी आश्चर्य की बात यह है कि हर बार संदीप ने अपना बनाया हुआ ही वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने आप ही तोड़ा है और यह उनके दृढ़ निश्चय और संकल्प तथा इच्छा शक्ति और आत्मविश्वास का द्योतक है। संदीप ने बताया कि वह 2010 से लगातार सूर्य नमस्कार और योग का अभ्यास कर रहे और उनका सपना था कि सूर्य नमस्कार के क्षेत्र में जाकर पूरे विश्व में अपने गाँव अपने माता पिता अपने देश का नाम रोशन करना और इस लक्ष्य में मुझे आशातीत सफलता मिली है। इन सभी उपलब्धियों को उन्होंने अपनी मां को समर्पित किया है। यद्यपि उसकी मां उसकी आंखों के सामने नहीं थी, लेकिन उनके आशीर्वाद और अपने पुत्र की सफलता की भावना ने मुझे हमेशा ही प्रोत्साहित किया। मेरी मां आज भी मेरी प्रेरणा पुंज और शक्ति बन कर मेरे पीछे खड़ी हुई है। मैं अपनी मां के प्रति कृतज्ञता और श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं, जो हमेशा ही आगे बढ़ने के लिए मेरे सपनों में आकर मुझे चुपके से आशीर्वाद देती रहती है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार में आने वाली कठिनाइयों को मजबूत इरादों से दूर किया और सबसे बड़ी समस्या आर्थिक रही है और मेरी पिताजी मजदूरी करके मेरा पालन पोषण करते रहे हैं।

संदीप आर्य ने अपने द्वारा सूर्य नमस्कार में बनाए गए अद्वितीय रिकॉर्ड और उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि पहला वर्ल्ड रिकॉर्ड 23 साल की आयु में, सन् 2018 में 5 हजार बार लगातार सूर्य नमस्कार करके बनाया और 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड लगातार 20,000 सूर्य नमस्कार करके बनाया है और मुझे सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि पिछले 7 साल से, मैं अपने ही बनाए हुए वर्ल्ड रिकॉर्ड को ध्वस्त कर रहा हूं और मुझे मेरी मां के रूप में अदृश्य शक्ति है जो मुझे आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित करती रहती है। मेरी मनस्कामना है कि भगवान की असीम अनुकम्पा इस दास पर हमेशा ही इसी प्रकार से सदैव ही बनी रहे ताकि भविष्य में और वर्ल्ड रिकॉर्ड बनते रहें।संदीप आर्य ने बताया कि वह लगभग 10 हजार स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सूर्य नमस्कार का मोटिवेशनल कार्यक्रम कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मुझे ज्ञात हुआ है कि पोलैंड के वैज्ञानिक भी इस अनुकरणीय उपलब्धि को देखते हुए मेरी इन उपलब्धियों पर रिसर्च करने के लिए भारत आ रहे हैं और इस पर विस्तृत अनुसंधान करेंगे कि, किस प्रकार से एक व्यक्ति लगातार 37 घंटे तक बिना खाना और पानी के बिना सूर्य नमस्कार कर सकता है। युवाओं को अपने संदेश में संदीप जांगिड ने कहा कि देश का युवा खेल और योग को अपने जीवन शैली से जोड़ और नशे से दूर रहे और कठिन परिश्रम साधना और लक्ष्य को निर्धारित करके जीवन में आगे बढ़े तो उसे जीवन में निश्चित रूप से ही सफलता मिलेगी। भविष्य में अपने लक्ष्य का उल्लेख करते हुए, संदीप जांगिड ने कहा कि मैं फिटनेस, योग और सूर्य नमस्कार की एकेडमी खोलकर और खिलाड़ियों को तैयार करना चाहता हूं। हमारे देश में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, कमी है तो केवल उनकी खोज करने की और मैं यह प्रयास करुंगा कि ऐसी प्रतिभाओं को खोज कर आगे लाया जाए और इस दिशा मे, मैं सार्थक प्रयास करने का स्तुत्य प्रयास करूंगा।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

☆☆☆

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

अंगिराऽसि जांगिड

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2716/2025 **दिनांक : 10/09/2025**

प्रेषित,

सम्माननीय समस्त प्रदेशाध्यक्ष / प्रदेश प्रभारी,
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा -दिल्ली

विषय :- महासभा के अंतर्गत कार्यरत इकाईयों की कार्यकारिणी को भंग करने संबंधी दिशा निर्देश।

महोदय,

उपरोक्त विषया अंतर्गत लेख है कि महासभा संविधान के **नियम 8 (क) उपनियम 6** के अनुसार महासभा अंतर्गत **कार्यरत किसी भी इकाई / सभा** में महासभा **संविधान के विरुद्ध यदि कोई संवैधानिक अनियमितता** पाई जाती है तो **महासभा प्रधान** द्वारा उस सभा की कार्यकारिणी को भंग किया जा सकता है और तदर्थ समिति का गठन करके नए चुनाव कराए जा सकते हैं। परंतु संविधान के **विशेष नियम 12 के उपनियम 4 एवं 12 के अनुसार** किसी भी इकाईयों की शिकायत के समाधान हेतु उचित सभा के माध्यम से महासभा में **प्रधान के समक्ष** रखना आवश्यक होगा। अतः महासभा संविधान के उपरोक्त नियमों तथा उप नियमों के संदर्भ में **किसी भी इकाई / सभा के** विरुद्ध प्राप्त शिकायतों के पूर्ण सत्यापन उपरांत उसकी कार्यकारिणी को भंग करने हेतु अधीनस्थ इकाईयों द्वारा निम्न प्रक्रिया का पालन किया जाना अति आवश्यक हैं :-

1. **शाखा या तहसील या ब्लॉक सभा** की कार्यकारिणी को भंग करने का प्रस्ताव **मय पूर्ण दस्तावेजों एवं शिकायतों** के साथ **जिला सभा** द्वारा अपनी अनुशंसा के साथ सम्बन्धित **प्रदेश सभा** को भेजा जायेगा और सम्बन्धित **प्रदेशाध्यक्ष अपनी सिफारिश** के साथ उक्त प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लेने के लिए **महासभा प्रधान** को प्रेषित किया जायेगा।

2. **जिला सभा** की कार्यकारिणी को भंग करने का प्रस्ताव **मय पूर्ण दस्तावेजों एवं शिकायतों** के साथ **प्रदेश सभा** द्वारा तैयार करके **प्रदेश अध्यक्ष** की अनुशंसा के साथ उक्त प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लेने के लिए महासभा प्रधान को प्रेषित किया जायेगा।

3.किसी भी **प्रदेश सभा** की कार्यकारिणी को भंग करने का प्रस्ताव **मय पूर्ण दस्तावेजों एवं शिकायतों** के साथ **महासभा कोर कमेटी में निर्णय लेकर** महासभा **प्रधान द्वारा** प्रदेश कार्यकारिणी को भंग की जा सकेगी। परन्तु उक्त निर्णय के तुरंत बाद आयोजित होने वाली महासभा **कार्यकारिणी** की मीटिंग में उक्त निर्णय का अनुमोदन करवाना अति आवश्यक होगा।

4. यदि महासभा को अधीनस्थ इकाई में महासभा संविधान के विरुद्ध किसी भी संवैधानिक अनियमितता की शिकायत प्राप्त होती है और महासभा द्वारा अधीनस्थ इकाईयों को लिखने के बाद भी उस शिकायत पर कोई कार्यवाही नही करती है तो महासभा ऐसी शिकायत पर स्वयं संज्ञान लेकर **उक्त निर्देश 3 के अनुसार** कार्यवाही करते हुए उस सभा की कार्यकारिणी को भंग कर सकती है।

5. यदि महासभा प्रधान, महासभा के अधीनस्थ कार्यरत किसी भी सभा की कार्यकारिणी को भंग करने के प्राप्त प्रस्ताव से सहमत नही हो तो उनको उक्त मामले में महासभा संविधान अनुसार **अपना स्वतंत्र निर्णय** लेने का अधिकार होगा।

उपरोक्तानुसार किसी भी सभा को भंग करने का अंतिम अधिकार महासभा प्रधान को है। सभा भंग होने के पश्चात तदर्थ समिति का गठन करके नए चुनाव कराए जाएंगे। तथा नये चुनाव **"चुनाव निर्देशिका 2024"** में उल्लिखित नियमों एवं दिशा निर्देशों के अनुसार ही होंगे।

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री – महासभा

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

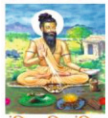

अंगिराऽसि जांगिड

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड	प्रवीण कुमार शर्मा
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	मुख्य चुनाव अधिकारी
9844026161	9414003411	9810988553	9300905141

क्रमांक :-अ.भा.जा.ब्रा.म./प्र.अ.चु./अधिसूचना/2722/2025 **दिनांक:-20 सितंबर 2025**

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत प्रदेश सभाओं के

"प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव की अधिसूचना एवं चुनाव कार्यक्रम"

****

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली की इंदौर (मध्य प्रदेश) में दिनांक 22 जून 2025 को आयोजित त्रैमासिक मीटिंग में प्रदेश सभाओ के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु प्रस्ताव पारित कर निर्धारित दिनांक पर चुनाव कराने का निर्णय लिया गया था। महासभा कार्यकारिणी के निर्णय एवं महासभा प्रधान श्री रामपाल जी शर्मा के निर्देशानुसार **गोवा, पंजाब, तेलंगाना एवं तमिलनाडु** प्रदेश सभाओं के **प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव** कराने हेतु **चुनाव अधिसूचना** जारी की जाती है। चुनाव अधिसूचना के परिपेक्ष्य में उपरोक्त सभी प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार जारी किया जाता है।

*** चुनाव कार्यक्रम ***

****

*अधिसूचना दिनांक: -	20 सितंबर 2025 शनिवार
*सदस्यता की अंतिम दिनांक :--	28 अक्टूबर 2025 मंगलवार
*सदस्यता सूची प्रकाशन की दिनांक :--	08 नवंबर 2025 शनिवार
*सदस्यता सूची में संशोधन की दिनांक :--	15 नवंबर 2025 शनिवार
*संशोधित सूची का प्रकाशन :--	22 नवंबर 2025 शनिवार
*नामांकन प्रक्रिया :-	29 नवंबर 2025 शनिवार को नामांकन 30 नवंबर 2025 रविवार को नाम वापसी
***चुनाव दिनांक :-**	**28 दिसम्बर 2025 रविवार**

प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव में महासभा के पत्रिका रहित ₹ 500/- वाले सरक्षक सदस्य भी चुनाव लड़ सकेंगे। इसके अतिरिक्त **"चुनाव निर्देशिका 2024"** में दिये गए नियम, सूचनाएं एवं दिशा-निर्देश लागू होंगे और गुप्त मतदान प्रक्रिया द्वारा पारदर्शिता तथा निष्पक्षता से चुनाव संपन्न होंगे।

प्रवीण कुमार शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी

महासभा अंतर्गत गोवा, पंजाब, तेलंगाना एवं तमिलनाडु प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव 2025 हेतु

-:: नामांकन कार्यक्रम::-

(1) नामांकन स्थल:-

1. **गोवा प्रदेश सभा** के'' प्रदेशाध्यक्ष पद'' चुनाव हेतु नामांकन स्थल **"श्री विश्वकर्मा मन्दिर, कोल्वाले महाप्सा, उतरी गोवा** मे रहेगा।"
2. **पंजाब प्रदेश सभा के**'' प्रदेशाध्यक्ष पद'' चुनाव हेतु नामांकन स्थल **"महासभा कार्यालय, रानीखेड़ा रोड, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास, मुंडका, नई दिल्ली** मे रहेगा।"
3. **तेलंगाना प्रदेश सभा के**'' प्रदेशाध्यक्ष पद'' चुनाव हेतु नामांकन स्थल **"श्री विश्वकर्मा जांगिड सुथार भवन, सुचित्रा, लक्ष्मीगुढा, हैदराबाद तेलंगाना** मे रहेगा।"
4. **तमिलनाडु प्रदेश सभा के** ''प्रदेशाध्यक्ष पद'' चुनाव हेतु नामांकन स्थल **"श्री जांगिड ब्राह्मण समाज, श्री विश्वकर्मा मंदिर, नंबर 1, गांधीनगर मेन रोड, विलगाडूपक्कम चेन्नई** मे रहेगा।"

(2) नामांकन की समय सीमा:- नामांकन की समय सीमा चुनाव दिनांक से 1 माह पूर्व रहेगी। परिस्थिति अनुसार इस समय सीमा में कमी या वृद्धि की जा सकेगी। जिस पर किसी को आपत्ति का अधिकार नहीं रहेगा।

(3) नामांकन अवधि एवं समय:-

1. अवधि:- प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन प्रक्रिया दो दिवसीय शनिवार एवं रविवार को होगी। प्रथम दिवस नामांकन पत्र भरे जाएंगे तथा द्वितीय दिवस नाम वापसी पश्चात प्रत्याशी घोषित होंगे।

2. दिनांक एवं समय :- सभी प्रदेश सभाओं के ''प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव'' हेतु नामांकन दिनांक एवं समय निम्नानुसार रहेगा::-

***नामांकन प्रस्तुति:-**	**29 नवंबर 2025 शनिवार प्रातः 10 बजे से सांय 3 बजे तक**
***नामांकन पत्रों की जांच दिनांक-**	**29 नवंबर 2025 शनिवार सायं 3 बजे से सांय 3.30 बजे तक**
***प्रत्याशी सूची का प्रकाशन दिनांक-**	**29 नवंबर 2025 शनिवार सायं 4 बजे तक**
***नाम वापसी दिनांक-**	**30 नवंबर 2025 रविवार प्रातः 9 बजे से दोप. 2 बजे तक**
***प्रत्याशियों की घोषणा दिनांक-**	**30 नवंबर 2025 रविवार, सायं 2.30 बजे**
***चुनाव चिन्ह आवंटन दिनांक -**	**30 नवंबर 2025 रविवार, सायं 3 बजे**

विशेष :- चुनाव निर्देशिका के नियम एवं निर्देशानुसार प्रदेशाध्यक्ष पद हेतू नामांकन प्रक्रिया दो दिवसीय निर्धारित है। (शनिवार को नामांकन पत्र प्रस्तुत करना एवं रविवार को नाम वापसी)

परंतु प्रत्याशीयों की अंतिम सूची प्रकाशन के उपरांत यदि समस्त प्रत्याशीगण एवं उपस्थित समाज बंधु नामांकन प्रस्तुत करने की दिनांक को ही नाम वापस लेना चाहते हैं तो प्रत्याशी एवं उपस्थित समाज बंधुओ के हस्ताक्षर से आवेदन देने पर चुनाव अधिकारी प्रथम दिवस पर ही नामांकन प्रक्रिया समाप्त कर सकेंगे। ऐसा तभी किया जा सकेगा जब **नामांकन निर्विरोध** हो रहा हो।

(4) नामांकन आवेदन पत्र का शुल्क :- नामांकन आवेदन पत्र का शुल्क प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु ₹500/-रूपये रहेगा जो नकद या डिमांड ड्राफ्ट से जमा कराया जा सकता है।

(5) नामांकन हेतु चुनाव व्यवस्था शुल्क:- प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को नामांकन आवेदन पत्र के साथ **चुनाव व्यवस्था शुल्क 21000/- रूपये (इक्कीस हज़ार रुपए)** अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के नाम से डिमांड ड्राफ्ट द्वारा जमा करना आवश्यक होगा। बिना इस शुल्क (राशि) के नामांकन आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जावेगा। चुनाव व्यवस्था शुल्क केवल डिमांड ड्राफ्ट द्वारा ही स्वीकार होगा। यह किसी भी दशा में नगद, चेक, आरटीजीएस, पेटीएम, फोनपे, गुगल पे एवं अन्य किसी भी इलेक्ट्रानिक माध्यम, आनलाईन या मोबाइल आदि से स्वीकार नहीं होगा।

(6) चुनाव व्यवस्था शुल्क वापसी योग्य नहीं:-
प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव में नामांकन आवेदन पत्र के साथ जमा किया गया चुनाव व्यवस्था शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं किया जावेगा। अतः प्रत्याशी इसका ध्यान रखते हुए ही नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करें।

(7) नामांकन आवेदन पत्र की उपलब्धता:-
प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु नामांकन आवेदन पत्र नामांकन दिनांक को निर्धारित शुल्क जमा करने पर नामांकन पदाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराया जावेगा।

(8) नामांकन दाखिल करते समय आवश्यक दस्तावेज:-
प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करते समय पूर्ण रूप से भरे हुए तथा उस पर पासपोर्ट साइज की फोटो लगाकर निम्नलिखित दस्तावेज संलग्न करना अत्यंत आवश्यक है-

1. नोड्यूज प्रमाण पत्र	मूल प्रति
2. शपथ पत्र	मूल प्रति
3. त्यागपत्र या घोषणा पत्र	मूल प्रति
4. चुनाव व्यवस्था शुल्क राशि की रसीद	प्रतिलिपि
5. स्वयं का महासभा पहचान पत्र	प्रतिलिपि
6. स्वयं का शासकीय पहचान पत्र	प्रतिलिपि
7. प्रस्तावक एवं अनुमोदक के महासभा पहचान पत्र	प्रतिलिपि
8. प्रस्तावक एवं अनुमोदक के शासकीय पहचान पत्र	प्रतिलिपि
9. प्रत्याशी का आयु प्रमाण हेतु दस्तावेज	प्रतिलिपि
10. निरंतर 2 बार से अधिक अध्यक्ष पद पर नहीं रहने का घोषणा पत्र	(मूल प्रति)

उपरोक्त सभी दस्तावेजों की मूल प्रति अपने साथ रखना आवश्यक है जिससे आवश्यकतानुसार सत्यापन किया जा सके। सभी दस्तावेज स्वयं प्रत्याशी द्वारा प्रमाणित करने आवश्यक होंगे उपरोक्त दस्तावेजों के अभाव में नामांकन आवेदन पत्र निरस्त कर दिया जावेगा जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की रहेगी और इस विषय पर किसी प्रकार का वाद - विवाद नहीं होगा।

(9) नोड्यूज प्रमाण पत्र:- प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु नामांकन पत्र दाखिल करने वाले प्रत्याशी को **महासभा के प्रधान/महामंत्री से नामांकन दिनांक से 7 दिवस पूर्व नोड्यूज प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।** नोडयूज प्रमाण पत्र नामांकन आवेदन पत्र के साथ अनिवार्य रूप से संलग्न करना होगा।

(10) अपने पद का त्याग पत्र:-

प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने वाले प्रत्याशी यदि महासभा की किसी भी इकाई में किसी भी पद पर हैं तो उन्हें अपना स्वीकृत त्यागपत्र नामांकन पत्र के साथ दाखिल करना होगा। त्यागपत्र का स्वीकार होना आवश्यक है।

(11) किसी पद पर न होने की घोषणा:-

प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशी यदि महासभा से संबंधित किसी भी सभा/संस्था मे पदाधिकारी नहीं है तो उन्हें सादे कागज पर घोषित करना होगा कि ''मैं महासभा या इससे संबंधित किसी भी सभा में पदाधिकारी नहीं हूं''। यह घोषणा नामांकन पत्र के साथ संलग्न करनी होगी।

(12) नामांकन हेतु शपथ पत्र:-

प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु नामांकन आवेदन पत्र के साथ प्रत्याशी को स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित ₹500/-रूपयें के स्टांप पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। शपथ पत्र में यह उल्लेख होगा कि ''यदि मैं आवेदित पद पर निर्वाचित होता हूँ तो अपने स्वयं के 3 वर्षीय कार्यकाल उपरांत आने वाले नये प्रदेशाध्यक्ष को एक माह के भीतर प्रभार (चार्ज) सौंप दूंगा तथा मेरे कार्यकाल के दायित्वों की जवाबदारी भी मेरी ही होगी। मैं अपने कार्यकाल का दायित्व आगामी प्रदेशाध्यक्ष को नही दूंगा।"

(13) पात्रता संबंधित नियम:-

1. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी को महासभा का न्यूनतम (पत्रिका सहित या रहित) संरक्षक सदस्य होना आवश्यक है।
2. महासभा के पत्रिका रहित ₹500/- के सदस्य यदि चुनाव जीत जाते हैं तो उन्हें चुनाव दिनांक से एक माह के भीतर 1600/- रुपए जमा करके 2100/- रुपए का पत्रिका वाला सदस्य बनना अनिवार्य होगा।
3. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु चुनाव दिनांक से 60 दिवस पूर्व बने हुए सदस्य या चुनाव अधिसूचना/ कार्यक्रम में वर्णित सदस्य बनने की अंतिम दिनांक तक बने हुए सदस्य ही पात्र होंगे।
4. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन दाखिल करते समय संबंधित प्रदेश की मतदाता सूची मैं प्रत्याशी का नाम होना आवश्यक है।
5. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन दिनांक को प्रत्याशी की आयु न्यूनतम 40 वर्ष या अधिक होना आवश्यक है।
6. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु प्रत्याशी को न्यायालय द्वारा अपराधिक मामलों में दंडित, मानसिक रोग तथा लाईलाज बीमारी से ग्रसित एवं महासभा से निष्कासित नहीं होना चाहिए अन्यथा वे पात्र नहीं होंगे।

(14) नामांकन से संबंधित सामान्य नियम:- प्रदेशाध्यक्ष पद के नामांकन हेतू नामांकन से संबंधित सामान्य नियम निम्नानुसार हैः-

1. प्रदेशाध्यक्ष पद के नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने, नाम वापसी या किसी भी प्रकार की घोषणा आदि जारी अधिसूचना में दर्शाई गई है।
2. जारी अधिसूचना में स्थान परिवर्तन, समय परिवर्तन, समयावधि परिवर्तन आदि का संपूर्ण अधिकार मुख्य चुनाव अधिकारी का रहेगा।
3. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु प्रस्तावक एवं अनुमोदक को महासभा का न्यूनतम संरक्षक सदस्य (SS या WP) होना आवश्यक है।
4. प्रत्याशी के प्रस्तावक एवं अनुमोदक केवल एक ही नामांकन आवेदन पत्र में हो सकेंगे। किसी अन्य नामांकन आवेदन पत्र में नहीं। ऐसा होने की स्थिति में बाद में प्राप्त होने वाले नामांकन आवेदन पत्र को रद्द कर दिया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की होगी।
5. प्रत्याशी स्वयं किसी अन्य प्रत्याशी का प्रस्तावक एवं अनुमोदक नहीं हो सकेंगे। ऐसा होने की स्थिति में प्रत्याशी का स्वयं का नामांकन आवेदन पत्र रद्द कर दिया जाएगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की रहेगी।
6. नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करते समय प्रत्याशी को स्वयं उपस्थित रहना होगा साथ ही प्रत्याशी का एक प्रस्तावक एवं दो अनुमोदक जो कि नामांकन आवेदन पत्र में दर्शाये गये हैं उनको भी स्वयं उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।
7. प्रत्याशी, प्रस्तावक व अनुमोदक को अपने पहचान पत्र की मूल प्रति नामांकन के समय सत्यापन हेतु दिखानी होगी। नामांकन के समय प्रत्याशी, प्रस्तावक एवं अनुमोदक को परिचय के लिए महासभा द्वारा जारी परिचय पत्र के साथ ही सरकार द्वारा जारी पहचान पत्र (ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड अथवा अन्य कोई फोटो युक्त पहचान पत्र) की फोटो प्रति नामांकन पत्र के साथ संलग्न करना आवश्यक है। चुनाव अधिकारियों द्वारा मांगने पर मूल प्रति भी दिखाना आवश्यक है।
8. प्रत्याशी एक अथवा एक से अधिक नामांकन आवेदन पत्र दाखिल कर सकता है। एक से अधिक नामांकन आवेदन पत्र जमा होने की स्थिति में किसी भी एक सही नामांकन आवेदन पत्र को मान्यता देते हुए शेष को रद्द कर दिया जाएगा तथा जमा चुनाव व्यवस्था शुल्क वापस नहीं होगा। प्रत्याशी द्वारा यदि 1 से अधिक नामांकन आवेदन पत्र दाखिल किया जाता हैं तो प्रत्येक के साथ चुनाव व्यवस्था शुल्क एवं आवश्यक दस्तावेज पृथक-पृथक जमा करना आवश्यक होगा।
9. नामांकन प्रक्रिया में अंतिम प्रत्याशी एक ही रहने की स्थिति में चुनाव अधिकारी द्वारा उसे संबंधित प्रदेश सभा का प्रदेशाध्यक्ष घोषित करते हुए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जावेगी।
10. नामांकन प्रक्रिया में एक से अधिक प्रत्याशी अंतिम रहने की स्थिति में उन्हें चुनाव चिन्ह आंवटित कर दिए जाएंगे। चुनाव चिन्ह अंग्रेजी के अलफावेट के अनुसार आंवटित होंगें।
11. प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटन के समय चुनाव अधिकारियों के समक्ष स्वयं उपस्थित रहना अनिवार्य है। यदि चुनाव चिन्ह आवंटन के समय प्रत्याशी स्वयं उपस्थित नहीं रहते हैं तो उनका नामांकन आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा और इस पर कोई तर्क वितर्क नहीं हो सकेगा। अतः चुनाव चिन्ह आवंटन के समय प्रत्याशी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।

(15) नामांकन आवेदन पत्र रद्द होने के प्रमुख कारण:-

1. नामांकन पत्र में कोई भी सूचना अपूर्ण होने पर।

2. प्रत्याशी, प्रस्तावक एवं अनुमोदक की सदस्यता संख्या का मिलान नहीं होने पर।

3. नामांकन नियमानुसार आवश्यक दस्तावेज नहीं होने पर।

4. प्रत्याशी, प्रस्तावक एवं अनुमोदक का उस क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर।

5. प्रत्याशी द्वारा महासभा प्रधान पद पर दो कार्यकाल पूर्ण कर निरंतर तीसरी बार नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने पर।

6. नामांकन आवेदन पत्र में गलत सूचना दर्शाए जाने पर।

7. प्रत्याशी की पात्रता नियमानुसार नहीं होने पर।

8. नामांकन आवेदन पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजों में बदलाव करने अथवा काट छांट करने पर।

9. प्रत्याशी द्वारा नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करने और सही पाए जाने के पश्चात भी यदि उसके विरुद्ध लिखित शिकायत प्रमाण सहित प्राप्त होती है तो उस स्थिति में किसी भी स्तर उसे अयोग्य घोषित किया जा सकेगा। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं प्रत्याशी की होगी। अतः प्रत्याशी सत्यता के आधार पर ही नामांकन आवेदन पत्र दाखिल करें।

(16) निरंतर का नियम:-

महासभा का कोई भी सदस्य निरंतर (लगातार) 2 बार से अधिक प्रदेशाध्यक्ष नहीं बन सकेगा। यदि कोई सदस्य तीसरी बार निरंतर प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु नामांकन करता है तो उसका नामांकन निरस्त कर दिया जाएगा। यदि कोई सदस्य संबंधित प्रदेश सभा का तीसरी बार प्रदेशाध्यक्ष बनना चाहता है तो उसे एक सत्र का गैप (ब्रेक) देना होगा।

(17) मतदाता सूची संबंधित नियम:-

1. प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु निर्धारित दिनांक तक मतदाता सूची में संशोधन लिखित पत्र द्वारा एवं ईमेल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर संभव हो सकेगा।अधिसूचना जारी होने के बाद सदस्यता स्थानांतरण का निवेदन मान्य नहीं होगा।
2. प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव हेतु मतदाता सूची का प्रकाशन चुनाव कार्यक्रम अनुसार निर्धारित दिनांक को महासभा की वेबसाइट पर किया जावेगा।
3. अंतिम संशोधित मतदाता सूची जारी होने के पश्चात किसी भी प्रकार का संशोधन एवं आपत्ति मान्य नहीं होगी और किसी भी न्यायालय में परिवाद हेतु वैद्य नहीं मानी जावेगी।
4. नामांकन के समय घोषित अंतिम सूची के प्रत्याशियों को केवल डिजिटल मतदाता सूची निशुल्क दी जाएगी।
5. यदि किसी को मतदाता सूची की हार्ड कॉपी की आवश्यकता है तो सशुल्क रुपए 3/-प्रति पृष्ठ अनुसार महासभा कार्यालय से व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर प्राप्त की जा सकती है।

(18) आवश्यक सूचियों का प्रकाशन:-

प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु मतदान केंद्र एवं मतदान स्थल सहित बूथ प्रभारियों की सूची पत्रिका/वेबसाईट/अन्य माध्यम से समयानुसार प्रकाशित की जावेगी।

(19) बूथ निर्धारण:-

बूथ निर्धारण नामांकन पूर्व किया जाना प्रस्तावित है लेकिन देरी होने की अवधि में बूथ अनुसार मतदाता सूची तैयार करने मे भी समय लग सकता है। मतदाता सूची बूथ अनुसार तैयार होते ही सार्वजनिक कर दी जावेगी साथ ही प्रत्याशी की मांग पर उन्हे अलग से भी दी जाएगी।

(20) मतपत्र का नमूना:- प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव हेतु मतपत्र का नमूना महासभा की पत्रिका में प्रकाशित किया जावेगा।

(21) प्रदेशाध्यक्ष पद का कार्यकाल:- प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद का कार्यकाल उनके चुने जाने की दिनांक से 3 वर्ष का रहेगा।

(22) नामांकन दिनांक के बाद एवं चुनाव दिनांक के पूर्व:-

1. कोई प्रत्याशी अपना नाम किसी अन्य प्रत्याशी के पक्ष में वापस ले लेता है, तब भी मत पत्र पर उसका नाम प्रकाशित होगा। चाहे उसने चुनाव अधिकारी को इसकी सूचना दी हो या नहीं।
2. यदि चुनाव में सभी प्रत्याशी किसी एक प्रत्याशी के समर्थन में अपना नाम वापस ले लेते है या चुनाव लडना नहीं चाहते हैं तो इसकी लिखित सूचना रुपये 500/- के स्टाम्प पर नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र के साथ संबंधित चुनाव अधिकारी को दी जावेगीं। ऐसी परिस्थिति में चुनाव में शेष रहे एक प्रत्याशी को चुनाव से पूर्व ही निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया जावेगा और चुनाव दिनांक को चुनाव नहीं होंगे। चुनाव नहीं लडने या किसी अन्य प्रत्याशी के पक्ष के नाम वापस लेनें की उपरोक्तानसुार सूचना मतदान प्रारम्भ होने के समय से 7 दिवस पूर्व देना आवश्यक होंगा अन्यथा सूचना पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

(23) चुनाव अधिसूचना:- प्रदेशाध्यक्ष पद की चुनाव अधिसूचना एक बार जारी होने के बाद विशेष परिस्थितियो को छोडकर किसी भी दशा में बीच में नहीं रोकी जा सकेगी।

(24) आदर्श आचार संहिता:-

1. चुनाव हेतु अधिसूचना जारी होने की दिनांक से आदर्श आचार संहिता लागू मानी जावेगीं और सम्बन्धित पदाधिकारी तथा सभा द्वारा कोई नीतिगत निर्णय नहीं लिया जा सकेगा ओर ऐसा कोई कार्य नही किया जाएगा जिससे चुनाव प्रभावित होते हो या चुनाव में व्यवधान उत्पन्न होता हो।

2. सम्बन्धित पदाधिकारियों द्वारा मुख्य चुनाव अधिकारी एवं चुनाव अधिकारीयो को सहयोग नहीं करना भी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन माना जाएगा।

(25) नामांकन प्रस्तुति के समय प्रत्याशी सहित अधिकतम 7 व्यक्ति ही चुनाव अधिकारीयो के समक्ष उपस्थित हो सकेंगे जिससे नामांकन स्थल पर अनावश्यक भीड़ न हो तथा शांत वातावरण बना रहे और नामांकन कार्य में व्यवधान उत्पन्न ना हो।

(26) प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशी नामांकन से पूर्व चुनाव संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश, सूचना एवं नियमो का भली भांति अवलोकन एवं अध्ययन कर लेवे।

(27) प्रदेशाध्यक्ष पद के प्रत्याशियों की सुविधा के लिए "चुनाव निर्देशिका 2024" महासभा की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

(28) शिकायत एवं संशय:-

प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव से संबंधित शिकायत एवं संशय का निराकरण अंतिम रूप से महासभा के प्रधान एवं मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा किया जाएगा। महासभा प्रधान एवं मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया निर्णय अंतिम,सर्वसम्मत और सभी के लिए सर्वमान्य एवं बंधन कारी होगा।

(29) अन्य सूचना,दिशा- निर्देश एवं नियम:-
प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव से संबंधित उपरोक्त के अतिरिक्त तात्कालिक परिस्थितियों को देखते हुए और भी दिशानिर्देश, सूचना तथा नियम हो सकते हैं जो चुनाव प्रक्रिया के अनुक्रम में समयानुसार जारी किए जा सकेंगे। ऐसी सूचना तथा नियम भी निर्देशिका के भांति ही लागू एवं मान्य होगे।

(30) चुनाव संपन्न कराने हेतु महासभा महामंत्री श्री सांवरमल जांगिड नोडल अधिकारी रहेंगे।

(31) न्याय क्षेत्र:- प्रदेशाध्यक्ष पद चुनाव के संबंध में किसी भी विवादित मामले के लिये न्याय क्षेत्र दिल्ली रहेगा।

(32) समाज की प्रतिष्ठा को बनाए रखते हुए, प्रजातांत्रिक, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्षता से प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न कराने हेतु निम्नानुसार **चुनाव अधिकारी** मनोनीत किए गए हैं।

1.प्रदेश सभा गोवा:-

1. श्री प्रहलाद राय जांगिड,	**सीकर**	**8140229679**
2. श्री रामजी लाल जांगिड,	**जयपुर**	**9829654360**

2.प्रदेश सभा पंजाब:-

1. श्री बलराम सिलक	**दिल्ली**	**9893185440**
2. श्री ऋषि प्रकाश पपरावट	**दिल्ली**	**9910131230**

3.प्रदेश सभा तेलंगाना:-

1. श्री मनोहर लाल शर्मा (दूरदर्शन)	**जयपुर**	**9414405658**
2. श्री शंकर लाल जांगिड	**जयपुर**	**9468584094**

4.प्रदेश सभा तमिलनाडु:-

1. श्री शेर सिंह दलोता	**बेंगलुरू**	**9845693051**
2. श्री मुकेश कुमार शर्मा	**बेंगलुरू**	**9845715000**
3. श्री मनमोहन शर्मा	**बेंगलुरू**	**9880735040**

****

प्रवीण कुमार शर्मा
मुख्य चुनाव अधिकारी
महासभा-दिल्ली

जयपुर में 2 सितंबर को आयोजित युवा प्रेरणा सम्मेलन, सफलता के नए आयाम स्थापित करने में सफल रहा।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा

प्रधान रामपाल शर्मा, रामगोपाल सुथार और डॉ. समित शर्मा दीप प्रज्ज्वलित करके समारोह की शुरुआत करते हुए।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा 2 सितंबर 2025 को बिरला ओडीटोरिरम जयपुर में आयोजित किए गए, प्रेरणा और प्रयास से सफलता नामक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह दिन मेरे लिए एक बहुत ही ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि अगर आज मैं, इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होता तो, इसकी कमी मुझे हमेशा ही खलती रहती। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह अपने जीवन में सपने देखे और उन सपनों को मूर्त रूप देने के लिए परिश्रम, संकल्प और आत्मविश्वास की सीढ़ी बनाते हुए उस पर चढ़ कर अपने सपनों को पूरा करें। लेकिन जहां समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने का प्रश्न है इसके बारे में महासभा सतत प्रयत्नशील है और शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए और इस कार्य में महासभा की सहायता करने के लिए अनेक दानदाता और भामाशाह आगे आ रहे हैं, जिन्होंने सहायता करने की घोषणा की है और इसके अतिरिक्त कुछ भामाशाहों और दानदाताओं ने कुछ विद्यार्थियों को गोद भी लिया है ।

वह युवाओं के लिए आयोजित युवा प्रेरणा सम्मेलन नामक कार्यक्रम में बोल रहे थे। प्रेरणा और प्रयास से परिणाम नामक इस कार्यक्रम का आयोजन 2 सितंबर को बिरला ऑडिटोरियम जयपुर में राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा आयोजित किया गया था और इस कार्यक्रम का स्पोंसर सूरत के उधोगपति राजिल जांगिड द्वारा किया गया था और इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को जीवन में आगे बढ़ने में आने वाली चुनौतियों के बारे में अवगत करवाना था। कार्यक्रम से पहले भगवान विश्वकर्मा और विद्या देवी मां सरस्वती की आराधना और पूजा अर्चना की गई और सभी सम्मानित अतिथियों को इस अवसर पर स्मृति चिह्न, शॉल और पगड़ी पहनकर सम्मानित किया गया।

प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों को उच्च शिक्षा देने के उद्देश्य से, मैंने, अपने परिवार की तरफ से एक छोटी सी घोषणा भी की है कि मेरे परिवार द्वारा, आजीवन, महासभा को 2 लाख 51 हजार रुपए की राशि दान स्वरूप दी जाएगी। उन्होंने राजस्थान प्रदेश सभा के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा से आग्रह किया कि वह, भविष्य में जब भी उनके द्वारा इस प्रकार का कोई कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा तो उसमे, मेरी तरफ से भी यथासंभव सहयोग दिया जाएगा। इसके साथ ही इस सुंदर कार्यक्रम के आयोजन के लिए मैं, आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं और यहां से इन तीनों मोटिवेशनल स्पीकर द्वारा जो भी सफलता के मूल मंत्र दिए जाएंगे, वह उनके, जीवन को बदलने और सफलता के आयाम स्थापित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। इसी आशा और आकांक्षा के साथ मैं ,देश की भावी पीढ़ी के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

श्री विश्वकर्मा कौशल बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने इस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों के लिए एक अमृत के समान सिद्ध होगा और आज का यह दिवस वास्तव में एक उत्साहित करने वाला गौरव और उत्सव का दिन है और मुझे विश्वास है कि आज यहां से आज बच्चे मोटिवेट होकर, अपने जीवन की दिशा बदलने और सुधारने का संकल्प लेकर जाएंगे । उन्होंने कहा कि कि आज शिक्षा के साथ-साथ स्किल भी जरूरी है और जीवन में वही व्यक्ति आगे बढ़ेगा जिसके स्किल और हुनर होगा, क्योंकि ऐसा युवा कहीं न कहीं पर भी जाकर, अपनी स्किल के माध्यम से अपना पद और प्रतिष्ठा हासिल कर सकता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह शिक्षा के साथ-साथ स्किल को भी आत्मसात करें और जो भी सपने देखते हो उनको पूरा करने के एक विजन के साथ काम करें आपके सपने अवश्य ही पूरे होंगे । आज आपको मोटिवेशनल स्पीकर अपने सपनों को मुहूर्त रूप देने के बारे में बताएंगे इसके साथ ही मैं सभी के उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करता हूं।

युवा प्रेरणा सम्मेलन के प्रायोजक राजील जांगिड 2 सितंबर को समारोह को संबोधित करते हुए।

राजस्थान प्रदेश की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अधिकारी डॉ. समित शर्मा ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने 26 जनवरी को मेरे से जो भी वायदा किया था, उन्होंने अपना वायदा पूरा किया है और उन्होंने यहां पर इतने विद्यार्थियों को एकत्रित करके समाज को को आगे बढ़ाने के लिए एक नया रास्ता प्रशस्त किया है। मुझे उम्मीद है कि यहां से समाज के युवा होनहार नए सपने लेकर जाएंगे और उनका पूरा करने के लिए जीवन पर्यन्त प्रयास करेंगे ताकि वह सफलता की नए आयाम आयाम स्थापित कर सकें।

मोटिवेशनल स्पीकर और प्रसिद्ध उद्योगपति राधे श्याम चोयल ने कहा कि कि आज यहां पर घनश्याम शर्मा और उसकी टीम द्वारा जो कार्यक्रम आयोजित किया गया है, उनके प्रति अपने अंतर्मन से कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। इस कार्यक्रम को खूबसूरत बनाने में इन्होंने बहुत मेहनत की है। इससे बच्चों का लाभ होगा क्योंकि जो भी यहां पर मोटीवेटर हैं वह प्रोफेशनल नहीं है, अपितु उनको जीवन का वास्तविक अनुभव है इसलिए वह अपने अनुभव के आधार पर युवा पीढ़ी के इन बच्चों को मोटिवेट करेंगे।

इस कार्यक्रम के स्पोंसर राजिल जांगिड ने कहा कि प्रेरणा से प्रयास और परिणाम तक यह सम्मेलन समाज को दिशा देने में मिल का पत्थर साबित होगा। उन्होंने युवाओं से कहा कि बहुत से लोग सोचते हैं कि सरकारी नौकरी से जीवन सुरक्षित हो जाता है, लेकिन असली कैरियर आपका पेशन, डिजायर, आपका टैलेंट और इनको समाज के साथ जोड़कर जो परिणाम आता है वह सही मायने में आपका कैरियर हैस उन्होंने कहा कि बैकअप प्लान भी रखना जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है और जिस समय आप अपने आप को मूल्यवान बनाएंगे तो नौकरियां अपने आप आपके कदमों में आएगी। उन्होंने कहा कि असफल होना तो एक शुरुआत है उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए बताया।

राजील जांगिड ने कहा कि,कभी सूरत से जयपुर का किराया भी मेरे पास नहीं हुआ करता था स मैं प्रापर्टी डीलर का कार्य करता था, प्लॉट बेचता था, मैंने एक ब्लॉक लिया और पहले महीने में जब मैं प्लॉट बेचने शुरू किये, एक महीने बाद में परिणाम आया जीरो प्लॉट्स बिक्री, दूसरे महीने भी फिर प्रयास

किए परिणाम आया जीरो,तीसरे महीने प्लॉटों की बिक्री का परिणाम आया जीरो, तीन महीने की असफलता, अपने आप में एक निराशा का भाव ले आती है, लेकिन मैंने हार नहीं मानी मैंने अपने अंदर कमियां ढूंढने का प्रयास किया कि, क्या मैं मार्केटिंग ठीक कर रहा हूं मैं लोगों से बोलता भी ठीक से हूं, और भी सब चीज ठीक है, फिर मैं कहां गलती कर रहा हूं। मैंने कमियों को तलाश करना शुरू किया स उन पर काम किया, और चौथे महीने में मैंने 50 प्लॉट बेच दिए। फिर मैंने सोचा मैं अपनी खुद की कंपनी शुरू करूं और मैंने 10 बीघा जमीन से अपना कार्य शुरू किया, हालांकि मेरे पास 10 बीघा जमीन के भी पैसे नहीं थे, लेकिन इधर-उधर से लेकर मैंने कार्य शुरू किया। आज 10 साल बाद मेरे पास में 750 एकड़ जमीन है, लगभग 8500 एम्पलाई विश्व भर में हमारी कंपनियों से जुड़े हुए हैं। यह मेरी कंपनी की शुरुआत है। इसलिए मैं कहना चाहता हूं । कभी भी निराशा नहीं आने दो जीवन में लक्ष्य जो बना लिया है, उसकी ओर बढ़ते रहो, सफलता निश्चित रूप से मिलेगी।

आर आर ए एस अधिकारी आशीष शर्मा ने कहा कि यहां पर दसवीं 12वीं और पोस्ट ग्रेजुएशन के विद्यार्थी आए हुए हैं। अब मुख्य प्रश्न यह है कि इन सिद्धांतिक बातों से आगे चलकर 10वीं, 12वीं और स्नातक में कौन-कौन से पड़ाव आते हैं, इसके बारे में जानकारी हासिल करेंगे और वास्तविकता में कौन सी बाधाएं हैं जिनका सामना, इस दौरान करना पड़ सकता है उसके बारे में हम विस्तार पूर्वक विचार करेंगे।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कहा कि युवाओं को सपने देखना और उनको अंजाम तक पहुंचाने का प्रयास करना चाहिए। व्यक्तित्व विकास और प्रतिकूल परिस्थितियों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कैसे करते हैं इस बारे में इस सभी मोटीवेटर आपको अवगत करवाने कार्य करेंगे। मैं प्रदेश सभा की तरफ से इन सभी का और समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वाले प्रधान रामपाल शर्मा, सहित सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं और इस युवा प्रेरणा सम्मेलन में सहयोग देने के लिए भामाशाह राजील जांगिड का भी हृदय से आभार व्यक्त करता हूं और इसके साथ ही महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रेनू जांगिड ने भी बहुत बेहतरीन तरीके से बच्चों को आगे बढ़ाने के गुरु मंत्र दिया है यह दिया है और मैं इसके साथ ही साथ ही सभी जिला अध्यक्षों का और विशेष कर पाली और भीलवाड़ा जिला के अध्यक्षों का विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूं, जो बच्चों को बसों में लेकर आए और अपने उद्बोधन में डॉ. समित शर्मा, राधेश्याम चोयल और आशीष शर्मा ने चार चांद लगा दिए। मैं उन सभी का भी प्रदेश सभा की तरफ से आभार व्यक्त करता हूं और आशा करता हूं कि भविष्य में भी उन सभी का इसी प्रकार से सहयोग जारी रहेगा।

राजस्थान प्रदेश सभा के महामंत्री कैलाश शर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम के प्रायोजक सूरत के राजिल जांगिड ने भरोसा दिलाया है कि वह भविष्य में भी शिक्षा के क्षेत्र में समाज के गरीब बच्चों के लिए अपने संसाधनों से जो भी बन पाएगा वह करेंगे। हमारे समाज के बच्चे प्रगति करेंगे तो, समाज अपने आप ही प्रगति करेगा। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों को बेहतर संस्कार और शिक्षा प्रदान करें। शिक्षा ही वह मूलाधार है, जिस पर भविष्य की इमारत खड़ी की जा सकती है।

इस अवसर को द्विगुणित करने वालों में जांगिड सुथार समाज के प्रतिष्ठित महानुभाव, राजस्थान प्रदेश, जिला और तहसील कार्यकारिणी के सदस्य और भारी संख्या में मातृशक्ति शामिल थी।

मंच का बेहतरीन ढंग से संचालन महामंत्री कैलाश शर्मा साली वाले ने किया।

विपुल धन्यवाद। ....

सृष्टि के रचयिता और विज्ञान और प्रौद्योगिकी के जनक भगवान विश्वकर्मा युवाओं के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का सबसे पहले वास्तुकार, इंजीनियर, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी का जनक माना जाता है, जिन्होंने इस ब्रह्मांड की रचना की और दुनियां में भगवान विश्वकर्मा ही केवल मात्र एक ऐसे देवता हैं, जिनकी पूजा अर्चना एक साल में तीन बार की जाती है और आज 17 सितंबर को उनकी पूजा प्रत्येक वर्ष **'भगवान विश्वकर्मा की पूजा दिवस** के रूप में की जाती हैं और देश के अधिकतर हिस्सों में 17 सितम्बर को यह दिवस विश्वकर्मा पूजा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। हमारे वेदों, शास्त्रों और पुराणों में ऐसी मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा ही, एक मात्र ऐसी पूजा है, जिनको अधिकतर श्रमिक कलाकार और तकनीकी विशेषज्ञ, अपने काम में अभिवृद्धि और प्रगति करने के उद्देश्य से ही करते हैं। इस दिन अधिकतर लोग और श्रमिक अपने कारोबार से जुड़े सभी प्रकार की मशीनों, औजारों और कंप्यूटर अथवा ऐसी वस्तु जो कार्य में पूरा करने में सहभागी है उसकी पूजा अर्चना की जाती है।

यह उद्गार महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने बैंगलुरू में जांगिड ब्राह्मण समाज सेवा समिति द्वारा आयोजित भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस के अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर समाज के प्रतिभावान सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें समाज के 80 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के साथ ही मानवता के कल्याण के लिए चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया।

प्रधान रामपाल शर्मा ने सभी लोगों को भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस की अन्त:करण से बधाई देते हुए कहा कि हमारा समाज सौभाग्यशाली है, क्योंकि उन पर भगवान विश्वकर्मा का विशेष आशीर्वाद और अनुकम्पा है और यही कारण है कि हमारे बच्चे जन्म जात ही इंजीनियर पैदा होते हैं। आज यहां पर आप सभी ने, वास्तुकला के जनक भगवान विश्वकर्मा का पूजा दिवस मनाया है और यह पूजा दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जिस समय अभिभावक अपने बच्चों को उच्च शिक्षा देने के साथ ही प्रोधौगिकी के क्षेत्र में भी पारंगत करेंगे और आज यहां पर जिन प्रतिभावान बच्चों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया जा रहा है उन सभी को भी बधाई देने के साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं और उम्मीद है कि बच्चे भविष्य में, पढ़ाई के साथ-साथ स्किल भी हासिल करेंगे और शिक्षा और स्किल का सामंजस्य स्थापित करते हुए अपने जीवन में सफलता हासिल करेगें। आज आपने यहां पर समाज के लोगों ने जिस आपसी सौहार्द और एकता का परिचय दिया है, उसकी मैं भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूं।

जांगिड ब्राह्मण समाज सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. मुकेश शर्मा ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि भगवान विश्वकर्मा को भगवान श्रीराम और भगवान श्री कृष्ण के समय में बनाए गए विशाल प्रसादों और अस्त्र शस्त्रों का वास्तुकार माना जाता है। आज भी जांगिड सुथार समाज के लोग भगवान विश्वकर्मा के प्रति अपनी अगाध आस्था और विश्वास रखते हुए अपना गुरु मानते हुए उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। इस अवसर पर समाज की मेधावी और प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के साथ ही एक चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया ताकि समाज के जरूरतमंद लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए उनकी सहायता की जा सके।

कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा ने, भगवान विश्वकर्मा को दुनिया का सबसे पहले वास्तुकार और इंजीनियर बताते हुए कहा कि उन्होंने विभिन्न युगों में विभिन्न रचनाओं के माध्यम से अपनी शिल्प कला का परिचय भी दिया। शिल्प कला और इंजीनियरिंग का देवता भी माना जाता है जिन्होंने देवताओं के लिए अस्त्र-शस्त्र महल और अन्य उपकरण बनाए। उन्होंने प्रदेश के लोगों का निर्विरोध रुप से अध्यक्ष बनाने पर सभी महानुभावों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज जिस प्रकार से समाज एकता के सूत्र में बंधा हुआ है, क्रम भविष्य में भी इसी प्रकार से जारी रहना चाहिए।

भगवान विश्वकर्मा जांगिड ब्राह्मण समाज सेवा समिति बैंगलोर के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, कर्नाटक प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष जगत राम भदरेचा, दक्षिण भारत प्रभारी रमेश शर्मा, समिति के पूर्व अध्यक्ष ताराचंद शर्मा, महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतलाल शर्मा, समिति के सभी पदाधिकारी गण, पूर्व कमेटी के सदस्य रवि जांगिड, उधोगपति नरेश शर्मा, गिरिराज शर्मा, रतिराम, व जांगिड समाज ट्रस्ट के अध्यक्ष किरता राम, पूर्व अध्यक्ष तेजस लूँजा, कर्नाटक प्रदेश सभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सवाई राम, कोषाध्यक्ष कैलाश एवं समाज के हज़ारों की संख्या में समाज बंधु एवं मातृ शक्ति एवं युवा शक्ति शामिल हैं।

विपुल धन्यवाद। ....

17-09-2025, सीकर श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर के तत्वावधान में सृष्टि के निर्माता भगवान श्री विश्वकर्मा जी के पूजा दिवस का पर्व धूमधाम से मनाया गया।

सृष्टि के निर्माता भगवान श्री विश्वकर्मा जी का पूजा दिवस **सिद्धि विनायक विवाह स्थल सीकर** में बड़ी ही धूमधाम और हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया, जिसमें श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार एवं आदमपुर (हिसार) हरियाणा के विधायक चंद्र प्रकाश जांगड़ा एवं अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड मुख्य आतिथी थे एवं जांगिड रत्न शंकर लाल लदोया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भंवर लाल सुतोद, मनोहर लाल दूरदर्शन, उपप्रधान एवं चुनाव अधिकारी महासभा, भागीरथ मल गोविन्दपुरा, डॉ. दयाशंकर जांगिड नवलगढ़, नवनीत जांगिड जयपुर, रूपेश जांगिड, नागर मल जांगिड बिड़ोदी, मोती राम पार्षद रींगस, मूलचंद अध्यक्ष मंदिर समिति रींगस, बनवारी लाल खण्डेलसर, हरिनारायण जिला अध्यक्ष सीकर, रामनिवास गोवाला ट्रस्ट सुल्ताना, रतनलाल गढ़ टकनेत उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा मंचस्थ रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना तथा भगवान श्री विश्वकर्मा जी की विधिवत पूजा एवं सामूहिक आरती से हुई। तत्पश्चात कल्याण समिति के पदाधिकारियों द्वारा आगंतुक सभी अतिथियों का स्वागत करने के बाद स्मारिका का विमोचन किया गया ।

आगंतुक सभी मेहमान भामाशाहों, समाज बंधुओं एवं बच्चों का स्वागत, समिति अध्यक्ष राम कृपाल जांगिड ने स्वागत भाषण से करते हुये समिति के कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से बताया। भंवर लाल सुतोद ने समाज को राजनीति में आगे बढ़ने की अपील की वहीं विश्वनाथ जी पनलावा ने समाज में व्याप्त कुरीतियों एवं उनके उन्मूलन के बारे में विस्तार से उल्लेख किया। सेवा निवृत्त अधिशाषी अभियंता भंवर लाल जांगिड नवलगढ़ ने बच्चों को शिक्षा व करियर के क्षेत्र में सफलता के मूल मन्त्रों से अवगत कराया। महासभा महामंत्री सांवर मल जांगिड ने शिक्षा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुये महासभा द्वारा शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु समाज में चल रहे प्रयासों व भावी नीतियों के बारे में सदन को अवगत कराया साथ ही महासभा की ओर से समाज सुधार के लिए समाज में व्याप्त बुराइयों के सम्बन्ध में जानकारियां सदन को अवगत करवाई।

इस कार्यक्रम में समाज की 251 प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया जिन्होंने 80 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त कर सफलता प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया। 12वीं कला संकाय में जिले में टॉप करने वाली छात्रा कु. अवनी जांगिड बासनी लक्ष्मणगढ़ का सम्मान मुख्य अतिथियो के द्वारा साफा पहना समृति चिह्न भेट कर किया गया, साथ ही 11000 रुपए का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया जिसका पूरे सदन ने तालियो की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान 110 यूनिट ब्लड समाज के युवा रक्तदाताओ के द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान किया गया। रक्त संग्रह श्री कल्याण हॉस्पिटल सीकर एवं मित्तल अस्पताल सीकर की टीमों द्वारा किया

गया । समारोह में श्री विश्वकर्मा कौशल कला विकास बोर्ड राजस्थान के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने सदन को केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुये इनका भरपूर फायदा लेने की अपील की तथा विश्वास दिलाया कि उनके विभाग द्वारा यथासंभव मदद दिलाने में वो हमेशा तैयार है। समाज के लोगों से उन्होंने अपना स्वयं का उद्यम स्थापित कर अधिक से अधिक लोगों को रोज़गार देने की नीति पर बल दिया।

आदमपुर हरियाणा के विधायक एवं पूर्व IAS चंद्र प्रकाश जांगिड ने बालिका शिक्षा के साथ ही बालको के शिक्षा एवं संस्कार पर विशेष जोर दिया, साथ ही राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की आवश्यकता भी जताई। अपने अनुभव को बताते हुये उन्होंने बच्चों को बताया कि किसी भी फील्ड में सफलता, टारगेट तय कर पूरे जज्बे के साथ कड़ी मेहनत से हासिल की जा सकती है। सकारात्मक माहौल में रहना ही आगे बढ़ने का रास्ता सुगम होता है थोड़ी से नकारात्मकता अपना आगे का रास्ता भटका सकती है।

आज के आयोजन में मंच का संचालन कर रहे राधेश्याम जी मांडण ने जब बताया कि आयोजन के लिये अपना मैरिज गार्डन निःशुल्क उपलब्ध कराने वाले परमेश्वर जांगिड कोलीड़ा वाले (बालाजी टेंट हाउस सीकर) अपना सम्मान करवाने मंच पर आने मे भी सकुचाते हैं, तो उनकी इस दरियादिली एवं सादगी को सदन ने तालियों की भारी गड़गड़ाहट से नमन किया।

क्षेत्र में समाज के प्रथम डॉक्टर एवं कल्याण समिति के प्रथम अध्यक्ष स्व. डॉ. बी. पी. जांगिड के सुपुत्र डॉ. अजय जांगिड ने बच्चों को मोटिवेशन एवं संस्कार समृद्ध करने हेतु गीता सार की बुक उपलब्ध कराई और अपनी समाजसेवी भावना को समाज को समर्पित किया। डॉ अजय जी ने एक घोषणा भी की कि अपने स्वर्गीय माता पिता की स्मृति में प्रतिवर्ष की भांति 27 अक्टूबर 25 को सांवली आरोग्य सदन सीकर में निःशुल्क आँखों का कैंप लगाया जायेगा जिसका ज्यादा से ज्यादा लाभ समाज को लेना चाहिये।

गोकुलपुरा के उद्योगपति ओमप्रकाश जी जांगिड ने सभी बच्चों एवं समाज बन्धुओं के लिये अपने उद्योग का प्रोडक्ट इकोफ्रेंडली कैरी बैग उपलब्ध कराया। सभी समाजसेवी भामाशाहों का समिति की ओर से धन्यवाद किया गया वहीं उपस्थित सदन ने भी भारी करतल ध्वनि से इनका स्वागत किया।

कार्यक्रम में समाज के सैकड़ो प्रबुद्ध बन्धुओं व मातृ शक्ति ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में हरिनारायण जांगिड जिला अध्यक्ष सीकर ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया और सामाजिक कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी निभाने रहने की अपील की।

इस दौरान शिक्षाविद बाबूलाल पालड़ी पूर्व प्राचार्य, हीरालाल जांगिड पूर्व प्राचार्य, एन.एल. जांगिड सर पालड़ी पूर्व प्राचार्य, हरीराम सनवाली पूर्व अध्यक्ष जांगिड छात्रावास, बशेसरलाल अध्यक्ष जांगिड ब्राह्मण संस्थान बेरी-नवलगढ़, इंजीनियर भंवरलाल जांगिड अध्यक्ष श्री अंगिरा सेवा समिति नवलगढ़, सांवरमल लदोया अध्यक्ष जांगिड ब्राह्मण संस्थान गोल्याना लोहार्गल एवं समिति के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल चोयल, लालचंद सबलपुरा, शिवदयाल भादवासी सहित केदार खाटूश्यामजी, विनोद अजाड़ीकला, देवीदत्त सबलपुरा, सुरेश खेड़ी राड़ान, सुनील पलसाना कोषाध्यक्ष श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति, हरिप्रसाद गोकुलपुरा, रामदेव सिगडोला, ओमप्रकाश देवगांव अध्यक्ष तहसील सभा नवलगढ़, सुभाष चन्द्र डुंडलोद उपाध्यक्ष बेरीधाम, रामनिवास लदोया, राजेश उदयपुरा, कैलाश बरसिंगपुरा, मक्खन कोटडी, बोदूराम दीनारपुरा, ओमप्रकाश गोकुलपुरा, कन्हैया लाल रींगस, रामेश्वर लाल सुलियावास, कजोड़ नरोदड़ा, बलराज लक्ष्मणगढ़, दुर्गा जुलियासर, रामनिवास तिडोकी सहित अनेक गणमान्य बंधु उपस्थित रहे।

विश्वकर्मा जी के जोरदार जयकारे के बाद सामूहिक प्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया ।

राधेश्याम मांडण

प्रवक्ता, श्री विश्वकर्मा कल्याण समिति सीकर

जय श्री विश्वकर्मणे नमः
पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

अंगिरासि जांगिड

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा
प्रधान
9844026161

सांवरमल जांगिड
महामंत्री
9414003411

अरुण कुमार जांगिड
कोषाध्यक्ष
9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2698/2025 दिनांक 01/09/2025

*** कोर कमेटी मीटिंग के मिनट्स ***

महासभा प्रधान जी के निर्देशानुसार महासभा पत्रांक **अ.भा.जां.ब्रा.म.-2683/2025 दिनांक 29/08/2025 के तहत** महासभा प्रधान श्री रामपाल शर्मा जी की अध्यक्षता में कोर कमेटी की **ऑन लाइन ऑडियो मीटिंग दिनांक 30/08/2025 को** सायं **4 बजे** निर्धारित की गई थी। जिसमें सभी सदस्यों को ऑन लाइन ऑडियो मीटिंग में जुडकर **श्री माल चंद जांगिड अहमदाबाद** को प्रदेश सभा गुजरात के अध्यक्ष पद के चुनाव में भाग लेने हेतु महासभा से **अनापत्ति / अदेयता प्रमाण पत्र** जारी करने बाबत चर्चा करके निर्णय किया जाना प्रस्तावित था।

परन्तु समस्त प्रयासों के बावजूद आज **दिनांक 30/08/2025 को सायं 4 बजे** महासभा कोर कमेटी के समस्त सदस्यों की ऑन लाइन ऑडियो मीटिंग मोबाइल नेटवर्क में आई तकनीकी कठिनाई आने के कारण आयोजित करना सम्भव नही हो सका। इस कारण महासभा प्रधान जी के निर्देशानुसार एवं महासभा के मुख्य सलाहकार की सलाह अनुसार कोर कमेटी के सदस्यों से मीटिंग के एजेंडा बिंदु पर मोबाइल कांफ्रेंस काल के जरिये एक-एक सदस्य से उनके सुझाव एवं निर्णय लिए जाने का निश्चित किया।

मोबाइल कांफ्रेंस कॉल के जरिए आयोजित मीटिंग में मैंने सभी सदस्यों को अनुरोध किया कि आप सभी को ज्ञात होगा कि पिछली कोर कमेटी मीटिंग दिनांक 02/07/2025 को आयोजित की गई थी उसके एजेंडा बिंदु 4 के तहत महासभा सदस्यों द्वारा किसी भी पदाधिकारी के खिलाफ सोशल मिडिया पर पोस्ट की गई कोई भी पुरानी टिप्पणी / पोस्ट को बार बार सोशल मिडिया ग्रुप्स में डाल कर समाज को गुमराह करते हुए महासभा के पदाधिकारी या भामाशाहों की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाकर समाज में बदनाम करने एवं महासभा की गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश करने वाले सदस्यों के खिलाफ (जिसमें मुख्य रूप से श्री मालचंद जांगिड अहमदाबाद एवं श्री अशोक शर्मा प्रदेश अध्यक्ष उतरप्रदेश) अविलम्ब कार्यवाही करने के सम्बन्ध में चर्चा करते हुए सभी ने सर्व सम्मति से यह निर्णय किया गया की महासभा के ऐसे सदस्यों के खिलाफ तुरंत प्रभाव से कड़ी से कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जानी चाहिए साथ ही यदि महासभा प्रधान को आवश्यक लगे तो उनके खिलाफ कोर्ट केस करने का भी कोर कमेटी द्वारा अनुमोदन किया गया था।

श्री मालचंद जांगिड अहमदाबाद के खिलाफ महासभा के कई पदाधिकारियों की व्यक्तिगत शिकायतें प्राप्त होने के कारण महासभा द्वारा श्री माल चंद जांगिड अहमदाबाद को अपने पत्रांक-अ.भा.जां.ब्रा.महासभा-2552/2025 दिनांक 18/04/2025 को एक कारण बताओं नोटिस तो पहले ही जारी किया जा चुका था तथा कोर कमेटी द्वारा दिनांक 02/07/2025 को लिए गये निर्णयानुसार कार्यवाही करते हुए महासभा द्वारा पत्रांक अ.भा.जां.ब्रा.म.-2637/2025 दिनांक 18/07/2025 के तहत महासभा एवं महासभा के अधीनस्थ संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं भामाशाहों के विरुद्ध दुष्प्रचार करने के उद्देश्य से सोशल मिडिया पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए निराधार, मनघडंत, बेबुनियाद पोस्ट डाल कर समाज को गुमराह करने एवं उनकी व्यक्तिगत छवि को धूमिल करने तथा महासभा की गरिमा को ठेस पहुचाने का दोषी मानते हुए उनको फिर दूसरा कारण बताओं नोटिस जारी किया गया था। परन्तु उन्होंने महासभा द्वारा जारी किये गये कारण बताओं नोटिसों का संतोषप्रद जबाब देने या अपनी गलती मानने या ऐसी गलती पुनः नही करने के लिखित आश्वासन के स्थान पर महासभा को दोषी करार देते हुए कुतर्क करने लगे और कुतर्क के आधार पर ही अपने जवाब प्रेषित किए। उनके इस प्रकार के जवाब से महासभा प्रधान बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हुए।

चूँकि अब प्रदेश सभा गुजरात में प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव प्रक्रियाधीन है तथा श्री माल चंद जांगिड अहमदाबाद ने प्रदेश सभा गुजरात के अध्यक्ष पद के चुनाव में भाग लेने हेतु महासभा से अनापत्ति / अदेयता प्रमाण पत्र जारी करने के लिए दिनांक 22/08/2025 को आवेदन किया था। इस पर कार्यवाही करते हुए महासभा द्वारा पत्रांक अ.भा.जां.ब्रा.म.-2687/2025 दिनांक 30/08/2025 के तहत पूर्व के कारण बताओं नोटिसों को ध्यान में रखते हुए उनको यह लिखा गया कि आप गुजरात प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष पद के चुनाव में भाग लेना चाहते हैं तो महासभा द्वारा निम्नानुसार आपको सशर्त अनापत्ति / नोड्यूज प्रमाण पत्र जारी किया जायेगा।

यदि आप ₹ 500/- के स्टांप पेपर पर नोटरी द्वारा प्रमाणित शपथ पत्र इस आशय का प्रस्तुत करते है कि "मैं भविष्य में सोशल मिडिया पर महासभा एवं अधीनस्थ संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं भामाशाहों की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने, झूठी, बेबुनियाद, तथ्यहीन पोस्ट डाल कर दुष्प्रचार करने जैसा कोई कार्य नहीं करूंगा ओर शपथपत्र प्रस्तुत करने के पश्चात भी यदि उक्त कृत्य करता हूँ तो महासभा तत्काल मेरी प्राथमिक सदस्यता को समाप्त कर सकती है। जिसकी समस्त जवाबदारी मेरी होगी और महासभा के विरुद्ध, मैं कोई कार्रवाई नहीं कर सकूंगा। परन्तु उन्होंने महासभा को शपथ पत्र देने की बजाय उल्टा महासभा पर ही शोषण करने एवं परेशान करने जैसे आरोप लगाते हुए महासभा के विरुद्ध क़ानूनी कार्यवाही करने की धमकी तक लिखते हुए जबाब भेजा है। इस परिस्थिति मे उनको महासभा से अनापत्ति / अदेयता प्रमाण पत्र जारी करने बाबत चर्चा करके अविलम्ब निर्णय किया जाना अति आवश्यक है। उक्त निर्णय लेने हेतु आप सबके सुझाव एवं विचार आमंत्रित है :-

1. श्री मोहन लाल दायमा, नासिक
2. श्री बजरंग लाल जांगिड,
3. श्री पी. डी. शर्मा, देवास
4. श्री गंगादीन जांगिड, दिल्ली
5. श्री सांवर मल जांगिड, गोवा
6. श्री ओम प्रकाश शर्मा, साद नगर, दिल्ली
7. श्री विद्या सागर जांगिड, गुडगाँव
8. श्री पूना राम बरनेला, जोधपुर
9. श्री बाबूलाल शर्मा, गाँधी नगर
10. श्री सुरेन्द्र वत्स, दिल्ली
11. श्री प्रदीप शर्मा,(मंडावाले), इंदौर

अत: मैंने व्यक्तिगत रूप से कोर कमेटी के एक-एक सदस्य से मोबाइल पर उपरोक्त एजेंडा बिंदु पर चर्चा करके उनके सुझाव मांगे तब सभी सदस्यों ने एक ही सुझाव देते हुए अपने-अपने निर्णय से अवगत कराया कि नैतिक एवं सामाजिकता के विरुद्ध होने के कारण श्रीमाल चंद जांगिड अहमदाबाद को गुजरात प्रदेश के चुनाव में भाग लेने के लिए अनापत्ति / अदेयता प्रमाण पत्र जारी नही किया जाना चाहिए।

परंतु कई सदस्यों ने यह भी सुझाव दिया कि किसी भी सदस्य को चुनाव में भाग नहीं लेने देना उसके मौलिक अधिकारों का हनन है। अतः श्री माल चंद जांगिड अहमदाबाद को एक अवसर और देते हुए 1 सितंबर 2025 को सायंकाल 5:00 बजे तक का समय दिया जाए। यदि इस समय में वे महासभा द्वारा अपेक्षित शपथ पत्र प्रदान कर देते हैं तो उन्हें अनापत्ति / अदेयता प्रमाण पत्र जारी कर दिया जाए। चूंकी चुनाव अधिसूचना एवं कार्यक्रम के अनुसार 30 अगस्त 2025 सायंकाल 5:00 बजे तक अनापत्ति / अदेयता प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु अंतिम तिथि निश्चित है परन्तु श्री माल चंद जांगिड अहमदाबाद के मामले में पत्राचार और समुचित निर्णय में समय लगने के कारण बढी हुई अवधि में भी इनका नामांकन पत्र स्वीकार किया जाए तथा महासभा प्रधान जी द्वारा इस आशय का एक पत्र मुख्य चुनाव अधिकारी महासभा को जारी किया जाए जिससे इन्हें नामांकन पत्र की पात्रता हो सके।

यदि श्री मालचंद जांगिड़ अहमदाबाद निर्धारित समय अवधि 1 सितंबर 2025 को सायंकाल 5:00 बजे तक वांछित शपथ पत्र महासभा मे पेश नहीं करते हैं तो उन्हें अनापत्ति/ अदेयता प्रमाण पत्र किसी भी स्थिति में जारी नहीं किया जाए। साथ ही यह भी सुझाव दिया की ऐसे सदस्यों के खिलाफ पूर्व मीटिंग दिनांक 02/07/2025 में लिए गये निर्णयानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही जारी रखते हुए अगली महासभा की त्रैमासिक मीटिंग में निर्णय करके उन सभी सदस्यों की प्राथमिक सदस्यता हमेशा के लिए समाप्त कर दी जाए।

अंत में महासभा प्रधान ने कोर कमेटी के सभी सदस्यों द्वारा मीटिंग के एजेंडानुसार अपने-अपने विचार एवं सुझाव से अवगत करवाने के लिए धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया एवं कमेटी सदस्यों द्वारा दिए गये सुझावों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय किया गया कि श्री माल चंद जांगिड अहमदाबाद को गुजरात प्रदेश के चुनाव भाग लेने के लिए अनापत्ति / अदेयता प्रमाण पत्र जारी नही करना है। साथ ही महासभा महामंत्री को यह भी निर्देशित किया कि महासभा के ऐसे सदस्य जिनके खिलाफ कोर कमेटी की पूर्व मीटिंग दिनांक 02/07/2025 में अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के निर्णय लिए गए हैं उन सभी की महासभा की प्राथमिक सदस्यता हमेशा के लिए समाप्त करने के प्रस्ताव को आगामी त्रैमासिक मीटिंग में अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाए।

प्रतिलिपि:-
सम्माननीय समस्त कोर कमेटी सदस्यों को सूचनार्थ

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री – महासभा

प्रदेश सभा मध्यप्रदेश कार्यकारिणी की 24 अगस्त को सेंधवा (बडवानी) में त्रैमासिक मीटिंग आयोजित की गई।

मध्य प्रदेश के अध्यक्ष, प्रभु दयाल बरनेला ने कहा कि इस मीटिंग का मुख्य उद्देश्य, ऐजेंडा के अलावा, समाज की महिलाओं को संगठित करने के साथ-साथ देश की भावी पीढ़ी युवाओं के, उज्ज्वल भविष्य के लिए उनमें संस्कार पैदा करने के साथ ही उनमें, समाज के सांस्कृतिक मूल्यों और धार्मिक कार्यो की मुख्य धारा से भी जोड़ना है और इसके साथ इस समाज को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं को उच्च शिक्षा प्रदान करने की भी महत्ती आवश्यकता है।

यह उद्गार प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने, प्रदेश सभा की पद्मावती रिजोर्ट सेंधवा जिला बड़वानी में, आयोजित मध्यप्रदेश सभा की त्रैमासिक बैठक की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए। बैठक का श्रीगणेश करने से पहले सृष्टि के रचयिता आराध्य देव भगवान श्री विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की गई । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष दिनेश जांगिड़ की टीम ने मंचासीन गणमान्य महानुभावों को केसरिया अंगवस्त्र पहनाकर और वाकपुष्पो से भावभीना स्वागत, हार्दिक अभिनंदन और आभार व्यक्त किया।

प्रदेश अध्यक्ष प्रभुदयाल बरनेला ने, सबसे गत मीटिंग में लिए गए निर्णय का अनुमोदन करवाने के लिए कार्यवाही को पढ़कर सुनाया और सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने हाथ उठाकर और तालिया के गड़गड़ाहट के बीच इसका अनुमोदन किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने, विगत 22 जून 2025 को इन्दौर में हुई, महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी कि ऐतिहासिक त्रैमासिक मीटिंग के लगभग 22 लाख रुपए के खर्च का भी विस्तृत लेखा-जोखा भी बैठक में प्रस्तुत किया। इस भव्य मीटिंग के आयोजन में भामाशाहों ने अपनी नेक कमाई में से दिल खोलकर दान दिया। भामाशाह और महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश चन्द्र बरनेला द्वारा दो दिन के भोजन प्रसादी की सम्पूर्ण सुव्यवस्थित व्यवस्था की गई थी, जिसकी पधारे हुए सभी अतिथियों ने भूरि-भूरि प्रशंसा और सहराना की।

प्रदेश अध्यक्ष ने भावुक होते हुए कहा कि जब-जब मैंने समाज को याद किया तो, इस समाज के लोगों ने मुझे सिर पर बिठाया है और अपना आशीर्वाद दिया है और इसके लिए मैं सदैव ही आपका कृतज्ञ रहूंगा । उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश में जातिगत जनगणना करवाई जा रही है और किसी भी समाज का राजनीति के क्षेत्र में वजूद का आकलन उस समाज की जनसंख्या और संगठन के आधार पर ही किया जाता है, जिससे एक समाज की पहचान होती है। वर्तमान में हम शर्मा जागिड, जांगिड ब्राह्मण, सुतार, सुथार, मेवाड़ा सुथार, गुजराती सुथार, मालवीय सुथार, विश्वकर्मा, कारपेन्टर और कुछ जाति या सरनेम और कुछ अपना गोत्र लगाते हैं। इसलिए सरकार की नजरों में इस समाज की कोई गिनती नहीं है। उन्होंने आह्वान कि हम सरनेम कुछ भी लिखे, लेकिन जाति जनगणना में हमें जाति के कालम में जांगिड ही लिखना होगा। इससे हमारे समाज के संख्या बल की पहचान होगी और राजनीतिक पार्टियां, हमारे आगे पीछे घूमेंगी और राजनीति में हमारे समाज के सांसद, विधायक और पार्षद बनेंगे, जिससे हमारे समाज का तीव्र गति से विकास होगा और इस विषय पर सदन में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने हाथ उठाकर इस सुझाव का अनुमोदन किया।

प्रदेश अध्यक्ष ने एक और गंभीर विषय पर समाज के लोगों का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि आजकल समाज के सामने बच्चों के रिश्ते करने में बड़ी समस्या आ रही है, इसके बारे में, भी समाज के अग्रणीय पदाधिकारियों को सोचने और विचार करने की महत्ती आवश्यकता है अगर समय रहते, इस समस्या का

समाधान नहीं निकाला गया तो भविष्य में इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इसके लिए, हमें प्रतिवर्ष परिचय सम्मेलन करने की जरूरत है और इसके साथ ही आपस में रिश्तों को टूटने से बचने के लिए भी, प्रदेश स्तर पर एक समन्वय समिति बनाने का निर्णय लिया गया है, जिसका उपस्थित सभी समाज की लोगों ने हाथ उठाकर समर्थन किया ।

मध्यप्रदेश में समाज को पिछड़ा वर्ग में शामिल करने के लिए शासन और राजनीति में भागीदारी सुनिश्चित करने, इंदौर शहर में चौराहे का नामकरण भगवान श्री विश्वकर्मा के नाम पर करने तथा उनकी मूर्ति स्थापित करने के लिए, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं महापौर पुष्प मित्र भार्गव को ज्ञापन देकर इन मांगों को पूरा करने का निवेदन किया गया है और मंत्री ने सभी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि महासभा की इस त्रैमासिक बैठक को सफल बनाने में, श्री विश्वकर्मा मंदिर तोपखाना के अध्यक्ष अशोक रोडवाल एवं कार्यकारणी तथा श्री विश्वकर्मा मंदिर पटेल नगर के अध्यक्ष रतन लाडवा, प्रदेश मंत्री अनिल शर्मा एवं कार्यकारणी, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा, इन्दौर जिला अध्यक्ष मीना साकरोदा और युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कपिल शर्मा की टीम ने भी बहुत ही बेहतरीन कार्य किया। इसके साथ ही प्रसिद्ध उधोगपति बाबूलाल जी दैमण, समाज सेवी श्री आर. के. शर्मा, सरल स्वभाव के धनी श्री प्रभुदयाल दैमण, सुशील कुमार, युवा नेता चिरंजीलाल जांगिड, रमेश तामलोडिया, शैतानमल शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता महेंद्र पंवार, उधोगपति जयप्रकाश हर्षवाल, नेता जी, सत्यनारायण, रामनिवास जांगिड, रधुनाथ जांगिड, आर्किटेक्ट राजकुमार जांगिड, युवा प्रकोष्ठ इन्दौर के जिलाध्यक्ष धीरज दैमण ने भी महासभा की त्रैमासिक मीटिंग के समारोह में भामाशाह के रूप में आर्थिक सहयोग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया, इसके साथ ही अज्जू शर्मा, अरुण शर्मा, सजय शर्मा, योगेश शर्मा, मुकेश बरनेला, श्याम शर्मा ने भी इसे सफल बनाने में सराहनीय सहयोग किया और सभी का, प्रदेश अध्यक्ष द्वारा दुपट्टा, मोतियों की माला एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा ने कहा कि वर्तमान में समाज में हमारे बच्चों में अराजकता फैली हुई है। देरी से शादी होना और इसके साथ ही संतति पैदा न करना एवं सहनशीलता की कमी की वजह से तलाक के मामलों में निरंतर अभिवृद्धि हो रही है। उन्होंने महिलाओं को जागृति का मूल मंत्र देते हुए कहा कि अपने बच्चों को बेहतर संस्कार एवं सुशिक्षा एक मां और एक स्त्री ही दे सकती है और इसकी शुरुआत महिलाओं को अपने घर से ही करनी होगी। उन्होंने महिलाओं का आह्वान किया कि वह यहां से अपने बच्चों को उदात्त संस्कार देने का एक संकल्प करे और उसे शत प्रतिशत सफल करने का स्तुत्य प्रयास करें।

इसके साथ ही प्रभुदयाल बरनेला ने, जिन जिलो में जिलाध्यक्षों का कार्यकाल पूर्ण हो गया है वहां चुनाव करवाने कि अधिसूचना जारी करने के लिए मुख्य चुनाव प्रभारी प्रधुमन रतावजिया के नाम कि घोषणा की।

महासभा के संरक्षक शिवनारायण शर्मा देवास ने अपने उद्बोधन में कहा कि हम जांगिड है और ब्रह्मऋषि अंगिराजी के ही वंशज हैं। हमें मंदिरों में एवं अपने घरों में ब्रह्म ऋषि अंगिराजी का छायाचित्र लगाना चाहिए उनकी पूजा एवं आराधना करना चाहिए और ब्रह्मऋषि अंगिराजी के प्राकटोत्सव को बड़ी धूमधाम के साथ मनाना चाहिए । उन्होंने सुझाव दिया कि समाज में कई परिवारो में आपस में मनमुटाव के मामले जो में कोर्ट में चल रहे है उनका समाधान से किया जाना चाहिए और इसके लिए, प्रकोष्ठ का गठन किया जाना एक सराहनीय कदम है। उन्होंने सुझाव दिया कि इस प्रकोष्ठ का अध्यक्ष प्रभुदयाल बरनेला को ही बनाया जाना चाहिए और

इसके सदस्यों को शामिल करने का निर्णय भी उनके द्वारा लिया जाना चाहिए और प्रकोष्ठ के सदस्यों का मनोनयन करते समय इस बात का अवश्य ही ध्यान रखा जाए कि इस प्रकोष्ठ में ऐसे सदस्यों को ही शामिल किया जाए जिनकी बात समाज में सब लोग मानते हो और जो मनमुटाव को दूर करने में सक्षम भी हो।

घनश्याम काकाणी ने कहा कि मैं जांगिड समाज के इस मंच से कहना चाहता हूं कि अपने परिवार के बच्चों को अच्छे संस्कार सिखाने में माता ही प्रथम गुरु समान होते है, क्योंकि अगर बच्चें संस्कारी नहीं होगें तो आपका धन, वैभव, व्यवहार, सभ्यता सब खत्म हो जाएगी। इसके साथ साथ ही बेटियों से भी एक बात कहना चाहता हूं कि वह जीवन में ऐसा कोई गलत निर्णय नहीं ले, जिससें समाज के लोग आपके परिवार पर अंगुली उठाएं। आपने मुझे जो मान-सम्मान दिया है, उसके लिए आपका आभार।

इस बैठक में, सभी जिलाध्यक्षों ने अपने जिलों में, जिला सभा द्वारा किए गए कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें भोपाल के जिलाध्यक्ष, महावीर प्रसाद शर्मा, धार के जिलाध्यक्ष मुकेश शर्मा, मन्दसौर के जिलाध्यक्ष सुधीर शर्मा के साथ उपस्थित सभी जिलाध्यक्षों ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए।

इस समारोह की शोभा को भव्यता प्रदान करने वालों में, भामाशाह एवं समाज बंधु, जिनमें, महिला प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती जीवन बाला, बाबूलाल दैमण, अनिल शर्मा, शिव कुमार शर्मा, सत्य नारायण शर्मा मंदसोर, आर के शर्मा, नरेश खंडवा, सीताराम मुडवाड़ा, मीठा लाल शाजापुर, रमेश शर्मा, नेमीचंद शर्मा उज्जैन, रमेश तामलोड़ीया, शैतान मल शर्मा, हेमन्त बिराणीया, त्रिलोक, शान्ति लाल शर्मा, घीसा लाल शर्मा, ललित बिरानिया, श्रीमती छोटी देवी शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ श्रीमती किरण शर्मा, जगदीश शर्मा, मदन लाल देवास, महावीर प्रसाद शर्मा जिलाध्यक्ष भोपाल, प्रेम नारायण शर्मा जिलाध्यक्ष उज्जैन, सुधीर शर्मा जिलाध्यक्ष मन्दसौर, मुकेश शर्मा जिलाध्यक्ष धार, त्रिलोक शर्मा शाजापुर, सुमेर सिंह जांगिड खंडवा, जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ उज्जैन श्रीमती अनिता शर्मा, उमा शर्मा जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ धार श्रीमती मनीषा शर्मा देवास, श्रीमती निर्मला शर्मा जिलाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ बड़वानी । इनके साथ ही, प्रदेश सभा में युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष कपिल शर्मा भी अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे। मातृ शक्ति के रूप में इंदौर से श्रीमती सीमा शर्मा, श्रीमती मनु शर्मा, श्रीमती कीर्ति शर्मा, श्रीमती नंदिता विश्वकर्मा, श्रीमती मंजू शर्मा, श्रीमती सुनीता बडवाल, श्रीमती संतोष शर्मा, श्रीमती मंजू शर्मा भी शामिल रही।

प्रदेश अध्यक्ष ने, इस छोटे से कस्बे में प्रदेश सभा की मीटिंग का आयोजन करने के लिए, महासभा के उप प्रधान विश्वैश्वर शर्मा, जिलाध्यक्ष दिनेश जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी, प्रधुमन रतावजीया, सुव्यवस्थित मंच संचालन के लिए कुशल शर्मा एवं जिला बड़वानी की कार्यकारिणी की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा द्वारा बड़वानी जिले की महिला प्रकोष्ठ को पद और गोपनीयता की शपथ भी दिलवाई गई और महिला प्रकोष्ठ प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यकारिणी के द्वारा बड़वानी जिले के जिला अध्यक्ष शामिल दुर्गा पाठ चालीसा का भी आयोजन किया गया तथा इंदौर की महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना भाकरोदा ने भी महिला सशक्तिकरण के बारे में अपने विचार व्यक्त किए। अंत में, बड़वानी जिले के जिला अध्यक्ष दिनेश जांगिड ने जिला सभा को यह अवसर प्रदान करने के लिए प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला और सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।.....

मध्य प्रदेश अध्यक्ष, प्रभु दयाल बरनेला।

सेवा संगठन संस्कार

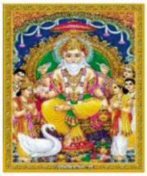

प्रादेशिक सभा मध्यप्रदेश

पंजीकरण संख्या : एस – 27 / 1919

प्रधान कार्यालय-अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, मुंडका, नई दिल्ली

प्रादेशिक कार्यालय :- मैसर्स डेल्टा कोच बिल्डर्स, पाल नगर, देवास - भोपाल बाइपास, आगरा - बोम्बे रोड़, देवास (मध्यप्रदेश) पिन - 455111

प्रभुदयाल जांगिड (बरनेला)
अध्यक्ष (प्रदेश सभा म.प्र.)
9826174822

अनिल शर्मा
महामंत्री
9303109547

श्रीमती माया शर्मा
अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ म.प्र.
9425123058

प्रधुमन कुमार रतावजिया
मुख्य चुनाव प्रभारी
9827814339

रतन लाल जांगिड
कोषाध्यक्ष
9630705878

क्रमांक:-ABJBM/PS/MP/2025/164 दिनांक :- 15/09/2025

जिलाध्यक्ष पद हेतु चुनाव अधिसूचना

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली की प्रदेश सभा मध्यप्रदेश के निम्नलिखित जिलों के सम्मानित सदस्यों को सूचित किया जाता है कि 24 अगस्त 2025 रविवार को सेंधवा जिला बडवानी में सम्पन्न हुई कार्यकारिणी की बैठक में पारित प्रस्ताव का पालन करते हुए प्रदेशसभा मध्यप्रदेश के अंतर्गत इन्दौर, भोपाल, खण्डवा, खरगोन, बड़वानी, जबलपुर, सीहोर, ग्वालियर, बुरहानपुर, टीकमगढ़, सिवनी, बालाघाट, देवास, शाजापुर, हरदा, धार, रतलाम, मन्दसौर, नीमच, कटनी, शहडोल एवं झाबुआ जिलों के "जिला अध्यक्ष पद के निर्वाचन हेतु अधिसूचना जारी की जाती है। जिला अध्यक्ष के चुनाव में महासभा का 15 अक्टूबर 2025 तक बना हुआ किसी भी श्रेणी का सदस्य भाग ले सकता है उम्मीदवार की उम्र दिनांक 15/10/2025 को 30 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। जिला अध्यक्ष पद के चुनाव के सम्बन्ध में समस्त नियम एवं दिशा-निर्देश महासभा द्वारा जारी चुनाव निर्देशिका – 2024 के अनुसार होंगें जिनका सभी को पालन करना अनिवार्य है।

चुनाव कार्यक्रम

क्र.	जिले का नाम	नामांकन दिनांक	नामांकन का स्थान
1.	इन्दौर	26.10.2025	श्री जांगिड ब्राह्मण समाज पंचायत तोपखाना मन्दिर इंदौर
2.	भोपाल	26.10.2025	श्री विश्वकर्मा मंदिर (प्रांगण) औद्योगिक क्षेत्र (भोपाल)
3	खण्डवा एवं	26.10.2025	गुरुकृपा इन्टरप्राइजेज बजरंग चौक (खण्डवा)
4.	खरगोन	26.10.2025	गौरी धाम कालोनी (खरगोन)
5.	बड़वानी	26.10.2025	गुरूकृपा हॉस्पिटल, आशा ग्राम रोड (बड़वानी)
6.	जबलपुर	26.10.2025	श्री जांगिड समाज भवन महिकौशल क्षेत्र संगठन 113 अ. शुक्ला नगर (जबलपुर)
7.	सिहोर	26.10.2025	श्री राममंदिर सुदामा गली वार्ड न.-03,भैरुंडा , जिला (सीहोर)
8.	ग्वालियर	26.10.2025	शब्द प्रताप आश्रम, लश्कर ग्वालियर
9.	शहडोल	26.10.2025	श्री विश्वकर्मा मन्दिर, नर्सरहा वन डिपो के पास, शहडोल
10.	टीकमगढ़	26.10.2025	जांगिड ब्राह्मण मंदिर, नगर भवन के पास (टीकमगढ़)

11.	सिवनी	26.10.2025	साई मंदिर जबलपुर रोड (सिवनी)
12.	बालाघाट	26.10.2025	साई मंदिर जबलपुर रोड (सिवनी)
13	देवास	26.10.2025	श्री विश्वकर्मा मंदिर, महावीर नगर, खरे नर्सिंग होम के पास देवास
14	शाजापुर	26.10.2025	विजय हनुमान मंदिर विजय नगर (शाजापुर)
15	हरदा	26.10.2025	होटल मानसरोवर इन्दौर रोड (हरदा)
16	धार	26.10.2025	श्री विश्वकर्मा जागिड सुधार समाज मंदिर धार
17	रतलाम	26.10.2025	श्री विश्वकर्मा धाम, नेमी नाथनगर, रतलाम
18	मन्दसौर	26.10.2025	श्री जांगिड ब्राह्मण विश्वकर्मा मंदिर नयापुरा पंचायत (मंदसौर)
19	नीमच	26.10.2025	जागिड ब्राह्मण समाज भवन 127 जवाहर नगर (नीमच)
20	कटनी	26.10.2025	बजाज हास्पिटल के पीछे, वीर सावरकर वार्ड , (कटनी)
21	झाबुआ	26.10.2025	47, संजय कॉलोनी, थांदला, जिला-(झाबुआ)
22	बुरहानपुर	26.10.2025	गुरुकृपा इन्टरप्राइजेज बजरंग चौक (खण्डवा)

चुनाव अधिसूचना दिनांक : 15 सितम्बर 2025, सोमवार
सदस्य बनने की अंतिम दिनांक : 15 अक्टूबर, 2025
मतदाता सूचि का प्रकाशन : 18 अक्टूबर, 2025
मतदाता सूचि में संशोधन : 21 अक्टूबर, 2025
संशोषित मतदाता सूचि का प्रकाशन: 24 अक्टूबर, 2025
नामांकन दिनांक : 26 अक्टूबर, 2025, रविवार
नामांकन का समय : प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक
नामांकन पत्रों की जांच : दोपहर 1.0 बजे से 2.0 बजे तक
नाम वापसी : दोपहर 2.0 बजे से 3.0 बजे तक
अंतिम प्रत्याशियों की घोषणा : सांय 4 बजे
चुनाव चिन्ह आवंटन : सांय 4.30 बजे
मतदान दिनांक यदि आवश्यक हो : 09 नवम्बर, 2025, रविवार प्रातः 9 बजे से 5 बजे तक

(नोट :- चुनाव चिन्ह आवंटन के समय चुनाव प्रत्याक्षी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना आवश्यक है, अन्यथा उसका फॉर्म निरस्त करने के उपरांत बाकि प्रत्याक्षियों को ही वैध माना जायेगा ।

(प्रधुमन कुमार रतावजिया)
मुख्य चुनाव प्रभारी, 9827814339
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा,
प्रदेश सभा – मध्यप्रदेश - इंदौर

बानसूर में जिला सभा कोटपूतली -बहरोड़ का शपथग्रहण समारोह आयोजित किया गया।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा की जीवन में शिक्षा ही

बानसूर में, जिला सभा कोट पुतली - बहरोड़ द्वारा शपथ ग्रहण समारोह में, प्रधान रामपाल शर्मा का भव्य स्वागत किया गया

एक ऐसा माध्यम है, जिसके माध्यम से व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास सम्भव है और शिक्षा के माध्यम से ही जीवन में आने वाली चुनौतियों का दक्षतापूर्वक मुकाबला किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि संगठन में बहुत ही ताकत और सभी एकजूट होकर समाज को आगे बढ़ाने के लिए आगे आए क्योंकि एकता और संगठन के बल पर ही समाज की प्रगति संभव हो सकती है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह समाज के विकास में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए आगे आए ताकि यह समाज प्रगति की पथ पर अग्रसर हो सके।

प्रधान रामपाल शर्मा 29 अगस्त को, बानसूर में कोटपूतली रोड स्थित जांगिड कांप्लेक्स में आयोजित अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की जिला सभा ईकाई, कोटपूतली-बहरोड के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक देवी सिंह शेखावत और प्रधान रामपाल शर्मा के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। समारोह का श्रीगणेश करने से पहले भगवान श्री विश्वकर्मा जी की पूजा-अर्चना की गई की गई और अतिथियों को माला साफा पहनाकर और, स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि शिक्षा, वह अचूक मंत्र है, जिसके माध्यम से भविष्य का निर्माण होने के साथ ही समाज का भी विकास संभव है । उन्होंने कहा कि आजकल टैक्नोलॉजी का जमाना है और इस युग में वही समाज आगे बढ़ेगा जो शिक्षित होगा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पारंगत होगा। महासभा भी विशेष कर समाज के गरीब बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास कर रही है ताकि समाज के गरीब बच्चों के उच्च शिक्षित करके उनके भविष्य को उज्जवल बनाया जा सके। शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेरे परिवार की तरफ से महासभा को प्रतिवर्ष आजीवन 2 लाख 51 हजार रुपए शिक्षा के के उत्थान के लिए देने का निर्णय लिया है। इससे समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और होनहार बच्चों का मनोबल बढ़ेगा और वह अपने जीवन में उच्च शिक्षा के सपनों को साकार कर सकेंगे। उन्होंने समाज के युवाओं का आह्वान किया कि, वह आपस में प्रेम सद्भाव और आपसी भाईचारा बनाए रखते हुए समाज के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं तभी यह समाज वास्तविक रूप में प्रगति के पथ पर अग्रसर हो सकता है।

जिला सभा कोटपूतली बहरोड़ शपथग्रहण समारोह की कुछ झलकियां

स्थानीय विधायक देवी सिंह शेखावत ने जांगिड समाज के लोगों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज सेवा और विशेषकर गरीबों की सेवा करना ही मानवता का सबसे बड़ा धर्म है और समाज सेवा के कार्यों से ही एक समाज को मजबूती मिलती है। जांगिड समाज द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर, महासभा के माध्यम से जो समाज सेवा के कार्य किए जा रहे हैं वह अनुकरणीय हैं। उन्होंने जांगिड समाज के संगठन को हर सम्भव सहयोग का आश्वासन देते हुए नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मेरा और जांगिड समाज का चोली-दामन का रिश्ता है और हम भविष्य में भी इसी प्रकार मिलकर काम करेंगे ताकि आपका समाज प्रगति कर सके और इसके साथ ही यह क्षेत्र भी, विकास के रास्ते पर अग्रसर हो सके ।

राजस्थान प्रदेश के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, पंवार ने 2 सितंबर को, जयपुर में होने वाले वाले प्रयास से प्रेरणा और प्रेरणा से सफलता कार्यक्रम में अभिभावकों द्वारा युवाओं को अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसका लाभ उठाने के लिए अभिप्रेरित करना चाहिए ताकि प्रयास से प्रेरणा और प्रेरणा से सफलता हासिल करके समाज के युवा पीढ़ी के बच्चे जीवन में सफलता के नए आयाम स्थापित कर सके।

इस अवसर पर महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष लादूराम जांगिड द्वारा जिला अध्यक्ष नेकी राम जांगिड, मंत्री सत्य प्रकाश जांगिड, कोषाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार जांगिड और कार्यकारी अध्यक्ष मोहनलाल जांगिड सहित अन्य कार्यकारिणी के जिला पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

इस समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम शर्मा, महामंत्री सांवरमल जांगिड, कोषाध्यक्ष अरुण कुमार जांगिड, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश कुमार शर्मा, टाईगर, पूर्व अध्यक्ष पूर्णचंद शर्मा और कैलाश जांगिड, महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सतपाल वत्स, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा, बैंगलुरू से उद्योगपति नरेश शर्मा, महासभा की उच्च स्तरीय समिति के सदस्य जगदीश प्रसाद शर्मा, दिल्ली पहाड़गंज विश्वकर्मा मंदिर के अध्यक्ष गंगादीन जांगिड, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड, दिल्ली प्रदेशसभा के कार्यकारी अध्यक्ष जगदीश खण्डेलवाल और महामंत्री ब्रह्मानंद शर्मा, राजस्थान प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड, विश्वकर्मा छात्रवृति कोष के अध्यक्ष रामेश्वर दास जांगिड, प्रदेशमंत्री कैलाश शर्मा साली वाले, दिल्ली प्रदेश प्रभारी मदन लाल शर्मा, विश्वकर्मा टूडे के सम्पादक नरेश शर्मा, दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड, महासभा के उप प्रधान उजेन्द्र जांगिड, जिला खैरथल के अध्यक्ष नरेश जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश जांगिड, जिला खैरथल की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ममता जांगिड मुण्डावर, जिला अलवर के पूर्व जिला अध्यक्ष रतनलाल, तहसील अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार जांगिड, लटूरमल जांगिड, मास्टर दयानंद जांगिड और राजेंद्र जांगिड, बहरोड़ के श्योराम जांगिड और मदनलाल जांगिड, भारी संख्या में मातृशक्ति तथा युवा शामिल थे।

मंच का संचालन बड़े ही मनोभाव के साथ गजेन्द्र जांगिड ने किया।

जिला सभा, मंत्री, सत्य प्रकाश जांगिड।

महावीर प्रसाद जांगिड ,एच सी एस से पदोन्नति के उपरांत हरियाणा सरकार में आई ए एस अधिकारी बने।

जांगिड समाज के गौरव और असीम प्रतिभा और दृढ़ संकल्प के धनी और काम ही पूजा है, इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही, दादरी के रहने वाले महावीर प्रसाद जांगिड 26 अगस्त 2025 को हरियाणा सिविल सर्विस से पदोन्नति पाकर, अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी बन गए हैं। उल्लेखनीय है कि आई ए एस की प्रतिष्ठित परीक्षा में देश भर से लाखों युवा परीक्षा देते हैं और उनमें से कुछ सौभाग्यशाली युवाओं को ही इस सेवा के माध्यम से देश और प्रदेश की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। पदोन्नति के बाद उनको 6 सितंबर को उनको हरियाणा सरकार द्वारा यमुनानगर जिले का नगर निगम आयुक्त और जिला म्युनिसिपल आयुक्त का दायित्व सौंपा गया है। अगर हरियाणा में जांगिड समाज के आई ए एस अधिकारियों की बात करें तो, हरियाणा में इससे पहले, आर्यनगर निवासी और पूर्व राज्य सभा सांसद पंडित रामजी लाल के भतीजे, चंन्द्र प्रकाश जांगिड पहले आई ए अधिकारी हैं, जो पदोन्नति के माध्यम से ही एक हरियाणा सिविल सेवा के अधिकारी से पदोन्नति पाकर, एक आई ए एस अधिकारी बने थे और सेवा निवृत्त होने के बाद वह आदमपुर से विधायक बन गए हैं। इसके अतिरिक्त जिला दादरी के ही रहने वाले, जयदीप जांगिड भी अगस्त 2025 में ही, एच सी एस अधिकारी से पदोन्नति के बाद एक आई ए एस अधिकारी बने हैं।

विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति, महावीर प्रसाद जांगिड से फोन पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि उनको उच्च अधिकारी और आई ए एस बनने का सपना, उनके पिता रामप्रसाद जांगिड ने दिखलाया था और उनका मानना था कि पुरुषार्थ और संघर्ष के बिना कुछ भी हासिल नहीं होता है। क्योंकि वह खुद भी राजनीति से जुड़े हुए थे और वह हरियाणा पिछड़ा वर्ग निगम के चेयरमैन भी रहे और उनको मालूम था कि देश सेवा और समाज सेवा करने का बेहतर अवसर, एक उच्च अधिकारी बन कर ही प्राप्त किया जा सकता है और मेरी सफलता के पीछे उनकी प्रेरणा रही है। मेरी मां श्रीमती नारायणी देवी जांगिड, जिनका नाम लेने से ही माता लक्ष्मी का सहज ही स्मरण हो आता है। उसने मुझे बेहतर संस्कार दिए, जिन्होंने ने मुझे बेहतर संस्कार देने के साथ ही पढ़ाई करने के लिए भी अभिप्रेरित किया क्योंकि पिता जी तो अक्सर व्यस्त रहते थे। उन्होंने कहा कि 11 वीं तक की शिक्षा उन्होंने, सरकारी हायर सेकंडरी स्कूल दादरी से ही हासिल की और उसके बाद स्नातक की शिक्षा जनता कालेज दादरी और एम एस सी की परीक्षा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से पास की और उसके साथ-साथ एच सी एस और यूपीएससी की तैयारी भी करता रहा और उसी परिश्रम के आधार पर ही सन् 2002 में, एच सी एस अधिकारी के रूप में मुझे हरियाणा सरकार में सेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

महावीर प्रसाद जांगिड ने बताया कि इन 23 वर्षों के दौरान एक एच सी एस अधिकारी के रूप में उनको प्रदेश में, विभिन्न पदों पर रहते हुए, प्रदेश के लोगों की सेवा करने का परम सौभाग्य प्राप्त हुआ है, जिनमें एस डी एम नारनौल, झज्जर और फरीदाबाद तथा अतिरिक्त उपायुक्त नारनौल, फतेहाबाद और कुरुक्षेत्र तथा अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम गुरुग्राम शामिल है और उनको आई ए एस कैडर में 2017 का बैच मिला है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह भविष्य में भी, इसी प्रकार से सत्यनिष्ठा पूर्वक अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए, प्रदेश के लोगों और समाज के लोगों की एक आई ए एस अधिकारी के रूप में सेवा करते रहेंगे।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, महावीर प्रसाद जांगिड की पदोन्नति और पहली नियुक्ति होने पर महासभा रुपी परिवार की तरफ से हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, उन्होंने अपने पुरुषार्थ और संकल्प से यह सिद्ध करके दिखाया है कि सरकारी स्कूल में पढ़ने वाला एक युवा भी ,अगर अपने संकल्प और इच्छा शक्ति के साथ आगे बढ़ने की ठान लें तो, उसके लिए सफलता के सभी द्वार अपने आप ही खुल जाते हैं। मैं उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं और आशा करता हूं कि वह भविष्य में भी, अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए, समाज सेवा के माध्यम से समाज का नाम गौरवान्वित करेगें। विपुल धन्यवाद।

सम्पादक रामभगत शर्मा

जांगिड ब्राह्मण सामुदायिक जन सेवा ट्रस्ट (गुड़गांव) की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न

24 अगस्त सामुदायिक जन सेवा ट्रस्ट की एक ऐतिहासिक बैठक सम्पन्न हुई, जिसकी अध्यक्षता श्री लक्ष्मी नारायण जी (चेयरमैन) ने की। बैठक की शुरुआत भगवान विश्वकर्मा की आरती के साथ हुई तत्पश्चात श्री सत्यनारायण शर्मा ने अतिथियों को मंचासीन करवा कर समाज बंधुओं से सम्मानित करवाया । इस अवसर पर डॉ. शेर सिंह जांगड़ा, जज जयसिंह जांगड़ा, मुख्य अतिथि श्री राजेश जांगिड (Md, जांगिड़ मोटर्स), महावीर जी (चीफ इंजीनियर, NHAI), सत्यनारायण शर्मा (गुड़गांव जिला अध्यक्ष), श्री अनिल एस. जांगिड, श्री जयवीर बेरवाल, श्री परमानंद जांगड़ा, समेत कार्यकारिणी के अन्य सदस्य एवं समाजबंधु उपस्थित रहे। महिला शक्ति का प्रतिनिधित्व डॉ. शील शर्मा एवं श्रीमती बिमला जांगड़ा ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि श्री लक्ष्मी नारायण जी की सेवा समर्पण को देखते हुए उन्हें संस्था का आजीवन चेयरमैन मनोनीत किया जाए जिसका सभी सदस्यों ने समर्थन कर प्रस्ताव पर अपनी सहमति दी और क्रमशः श्री राजेश जांगिड (जांगिड़ मोटर्स) को डिप्टी चेयरमैन नामित किया गया। समाजहित की दिशा में यह निर्णय ऐतिहासिक माना गया। श्री अनिल एस जांगिड ने ट्रस्ट की स्थापना से लेकर आज तक की उपलब्धियों पर विस्तार से जानकारी समाज को दी । संस्था का लेखा जोखा भी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया । बैठक में दान की घोषणाओं का सिलसिला भी ऐतिहासिक रहा। श्री राजेश जांगिड (जांगिड ई रिक्शा) ने संस्था को ब्लैंक चेक भेंट कर सभी का हृदय जीत लिया। चेयरमैन श्री लक्ष्मी नारायण जी ने 31 लाख रुपये, श्री सत्यनारायण शर्मा (जिला अध्यक्ष) ने 11 लाख रुपये, श्री नवीश शर्मा ने 5 लाख रुपये, श्री महावीर जी ने 5 लाख रुपये, श्री इन्द्रपाल जांगिड़ ने 11 लाख रुपये सहयोग राशि की घोषणा की। साथ ही लगभग 15 कमरों (प्रति कमरा 1,51,000) की रूम डोनर योजना में समाजबंधुओं ने भाग लेकर सराहनीय सहयोग दिया। इन सब घोषणाओं के साथ लगभग 'सवा करोड़ रुपये' की राशि का संकल्प समाज के सामने आया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अगले दो वर्षों में समाज का भव्य भवन तैयार किया जाएगा, जिसमें पाथकग, हाल, छात्रावास और गेस्ट हाउस जैसी सभी आधुनिक सुविधाएँ होंगी। भवन निर्माण का अनुमानित खर्च लगभग 7 करोड़ रुपये आंका गया है, जिसके लिए समाज के प्रत्येक बंधु से अधिक से अधिक सहयोग देने का विशेष आग्रह किया गया। ट्रस्ट की सदस्यता राशि को बढ़ाकर पाँच लाख एक हजार रुपये करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इसी क्रम में पहली बार मीटिंग में पधारे हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर श्री मनोज जांगड़ा ने पाँच लाख नई सदस्यता शुल्क सदस्य के रूप सदस्यता गृहण की । युवा आर्किटेक्ट श्री नवीस शर्मा ने निःशुल्क भवन का नक्शा तैयार करने के साथ ही पाँच लाख दान देने की घोषणा भी की । समाज को बेहतरीन प्लॉट उपलब्ध कराने के लिए कार्यकारिणी की भरपूर सराहना हुई और सभी समाजबंधुओं ने एकजुटता के साथ भवन निर्माण पूर्ण करने का संकल्प दोहराया। चेयरमैन श्री लक्ष्मी नारायण शर्मा जी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ यह बैठक समाज की एकता, सहयोग और प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होगी इसी उम्मीद के साथ मीटिंग सम्पन्न हुई । धन्यवाद

गुड़गांव में जांगिड ब्राह्मण सामुदायिक जन सेवा ट्रस्ट द्वारा 24 अगस्त को आयोजित की गई।

सत्यनारायण शर्मा महासचिव

जांगिड ब्राह्मण सामुदायिक जन सेवा ट्रस्ट गुड़गांव

जांगिड ब्राह्मण शाखा सभा व ब्रह्मर्षि अंगिरा सी०सै० स्कूल जवाहर कॉलोनी फरीदाबाद का वार्षिक अंगिरा जयंती समारोह बहुत हर्ष उल्लास से मनाया गया।

जांगिड ब्राह्मण शाखा सभा व ब्रह्मर्षि अंगिरा सी0सै0 स्कूल जवाहर कॉलोनी फरीदाबाद का वार्षिक अंगिरा जयंती समारोह 31–8–2025 दिन रविवार को बहुत हर्ष उल्लास से मनाया गया। समारोह के अध्यक्ष डॉ. मुकेश जांगिड जिला प्रधान नूंह और मुख्य अतिथि श्री विपुल गोयल जी मन्त्री हरियाणा सरकार रहे। श्री सुरेन्द्र शर्मा पूर्व महासचिव भाजपा फरीदाबाद ने धर्म ध्वजा फहरा कर समारोह की शुरुआत की। विशेष रूप से पधारे विशिष्ट अतिथि श्री रतनलाल शर्मा चेयरमैन एस एस आर ग्रुप, श्री महेन्द्र सिंह जांगिड धारुहेड़ा, श्री खुशीराम जांगिड प्रधान प्रदेश सभा हरियाणा, श्री श्यौराज जांगिड पनैहरा कलां, श्री हरीराम जांगिड जे पी डैकोरेटर, चरणपाल जी प्रधान जिला जांगिड ब्राह्मण सभा फरीदाबाद, हनुमान प्रसाद पूर्व प्रधान फरीदाबाद, धनपत सिंह जी, समारोह के विशेष सहयोगी श्रीमती मुन्नी देवी जी पर्वतीय कालोनी, श्री जितेन्द्र शर्मा पूर्व महासचिव शिक्षा समिति, यज्ञ के यजमान रोहित शर्मा सपत्नीक और यज्ञ के ब्रह्मा श्री ईश्वर आर्य रहे।

इस समारोह में समाज के मैरिट में आने वाले छात्रों को भी पुरस्कृत किया गया, प्रतिभाशाली समाजसेवियों को भी सम्मानित किया गया। विशेष रूप से महासभा के पूर्व प्रधान श्री आनंद स्वरूप भारद्वाज जिन्होंने महासभा का साहित्य संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई उनकी पुत्री स्नेहलता जी का शाल व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया, स्कूल के छात्रों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सबका मन मोह लिया। ब्रह्मर्षि अंगिरा जी की महिमा का गुणगान रागिनी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। जांगिड समाज फरीदाबाद के सभी गणमान्य सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी अतिथियों का फूल माला व प्रतीक चिह्न देकर जोरदार स्वागत किया गया।

मंत्री महोदय श्री विपुल गोयल जी के भाई अशोक गोयल जी ने सभा के प्रधान टेक चन्द जांगिड व समिति के चेयरमैन और पदाधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया और समाज को उनके दुःख सुख में हर सम्भव मदद करने का विश्वास दिलाया और शिक्षा समिति को आर्थिक सहयोग करने का वचन दिया। मुख्य अतिथियों ने एक स्वर में कहा कि हमें अपने संस्कारों को नहीं भूलना है, भारतीय संस्कृति विश्व की अग्रणीय संस्कृति है। इसी बीच सांसद राम चंद्र जांगड़ा सरप्राइज़ देते हुए समारोह में शामिल हुए और अपने आशीष वचनों से समाज को संबोधित किया। और 17 सितंबर 2025 को रोहतक में आयोजित राज्य स्तरीय विश्वकर्मा दिवस पर सभी समाज बन्धुओं को आने का निमंत्रण दिया जिसमें मुख्यमंत्री नायब सैनी मुख्य अतिथि के रूप में पधार रहे हैं। मंच संचालन श्री राजेन्द्र जी व अशोक जी ने किया । सभा के प्रधान टेक चन्द जांगिड ने सभी अतिथियों और समाज बन्धुओं को भारी संख्या में पहुंचने पर धन्यवाद् दिया। इस समारोह को सफल बनाने में श्री बलबीर जी कोषाध्यक्ष, सचिव राजेंद्र जी, जय सिंह जी, समिति चेयरमैन रविन्द्र जी, युवा प्रधान अशोक जी, महिला प्रधान बीना शर्मा, सहित अन्य बंधुओं की अहं भूमिका रही । इस अवसर पर पलवल के प्रधान श्री महेन्द्र जी, मोहन जी, ओउम् प्रकाश जी, वाइस चेयरमैन मनोज बंधु जी, जितेन्द्र जी, पूर्व प्रधान ज्ञान चंद जी, पूर्व शाखा प्रधान श्री लालसिंह जी, शिवनारायण शर्मा जी, रण सिंह जी, रामपाल जी, दिनेश जी, प्रतीक जी, नीरज जी, रामकुमार जी, सूबेसिंह जी, उमेश जी सहित सभी फरीदाबाद शाखाओं के अध्यक्ष व वरिष्ठ जन सहित भारी संख्या में मोजूद रहे, अंत में स्वादिष्ट भंडारा लेने और ब्रह्मर्षि अंगिरा जी के जयघोष के साथ अति हर्ष उल्लास के साथ समारोह सम्पन्न हुआ।

सचिव – राजेंद्र जांगिड,

जांगिड ब्राह्मण सभा जवाहर कॉलोनी फरीदाबाद,

विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड राजस्थान
अध्यक्ष (राज्यमंत्री) राम गोपाल सुथार का पाली में जोरदार स्वागत।

विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड राजस्थान के अध्यक्ष माननीय राज्य मंत्री राम गोपाल सुथार के शुक्रवार को पाली पधारने पर जांगिड समाज पाली की ओर से विश्वकर्मा मंदिर वीर दुर्गादास नगर पाली में जोरदार स्वागत कर अभिनंदन किया गया। जिला सभा पाली अध्यक्ष भंवरलाल आसदेव ने बताया कि मंत्री महोदय ने भगवान विश्वकर्मा जी के दर्शन कर पुष्प हार भेंट किया। पश्चात जिला अध्यक्ष भंवरलाल आसदेव, अशोक जांगिड AGS, घीसूलाल लिकड़, शकरलाल छड़ियां, भूराराम छड़ियां, डायाराम सायल द्वारा परम्परागत विश्वकर्मा जी का दुपट्टा पहनाकर माल्यार्पण कर स्वागत किया।

इस अवसर पर मंत्री रामगोपाल ने अपने उद्बोधन में कहां की विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड कुशल एवं अकुशल कामगारों के लिए प्रशिक्षण शिविर की व्यवस्था करता है। जरूरतमंद कामगारों को रोजगार के लिए विभिन्न टूल किट दिये जाते है। स्वरोजगार एवं कार्य नियोजन के लिए समय-समय पर ऋण भी उपलब्ध करवायें जाते हैं। सरकार की इन जनकल्याणकारी योजनाओं से समाज के अधिक से अधिक लोगों को लाभ प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने पाली में विभाग की ओर से कौशल कार्मिको को लाभान्वित करने के लिए जल्दी ही कैंप आयोजित करने और पाली कार्यालय भी खोलने का आश्वासन दिया।

मंत्री का इन्होंने भी किया स्वागत

जिला प्रचार मंत्री घेवरचन्द आर्य ने बताया कि विश्वकर्मा कौशल से संबंधित विभिन्न समितियां के पदाधिकारी के द्वारा मंत्री का स्वागत किया गया इसमें-अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा जिला सभा पाली की ओर से अध्यक्ष भंवरलाल आसदेव, मधुसूदन बुढल, पुखराज फौजी, गोविंद राम पाटवा, घनश्याम राणावास, श्री विश्वकर्मा जांगिड समाज सेवा समिति पाली की ओर से अध्यक्ष रामचंद्र पिड़वा, पारसमल बुढल, अमरचंद बुढ़ल ओमप्रकाश धामू, देव वंश मालवीय लोहार समाज की ओर से अध्यक्ष ताराचंद मालवीय खीमाराम, सुरेश मालवीय, कारपेंटर एसोसिएशन पाली की ओर से अध्यक्ष ढगलाराम ओस्तवाल जब्बरमल जोपिंग, श्री विश्वकर्मा शिक्षा समिति पाली की ओर से दुर्गाराम सायल, मूलचंद दायमा, कांतिलाल मारवाड़ जंक्शन, अखिल राजस्थान जांगिड ब्राह्मण अधिकारी कर्मचारी महासंघ की ओर से डॉक्टर बंशीलाल पाखरवड, अमरचंद रालडिया, प्रवीण रालडिया, प्रेम प्रकाश शर्मा, बंसीलाल उमरानिया। महिला प्रकोष्ठ की ओर से राजरानी डिगोरिया अयोध्या देवी, शांति सायल, नवयुवक मंडल की ओर से सूर्यप्रकाश इंद्रानिया, केवल नागल द्वारा स्वागत किया गया।

मंत्री द्वारा प्रतिभाओं का सम्मान

शिक्षा के क्षेत्र अनुकरणीय कार्य करने पर राज्यमंत्री द्वारा जांगिड समाज के विजयराज ओस्तवाल, मधुसूदन बूढ़ल, अशोक, भावेश, चेतन आदि को स्मृति चिह्न और प्रमाण पत्र भेंट कर सम्मान किया गया। अवसर पर स्वस्तिक आर्ट के तुलसीराम द्वारा मंत्री को आर्ट की कलाकृति स्मृति चिह्न के रूप में भेट की गई । अंत में मंत्री द्वारा जिला सभा पाली के निर्वाचित जिलाध्यक्ष भंवरलाल आसदेव, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष रामचंद्र पिड़वा, महिला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजरानी डिगोरियां को बधाई दी गई। कार्यक्रम का मंच संचालन रामदयाल किंजा ने किया।

घेवरचन्द-आर्य-पाली

बेहतर समाज के लिए सबको सोचना होगा और अपनी सोच को मूर्त रूप भी देना होगा....

****

आधुनिकता के इस युग में सामाजिक परिवेश में भी निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं। परिवेश के परिवर्तन से समाज पर पडने वाले प्रभाव तथा सामाजिक उन्नति एवं विकास के लिए समाज स्तर पर मार्गदर्शन की सतत आवश्यकता है ।

समाज में व्याप्त कुरीतियों और कुप्रथाओं के प्रति जागरूकता एक महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य है। इससे लोगों को समाज में फैली बुराइयों के बारे में पता चलता है। इसके लिए जागरूकता अभियान, शिक्षा, और सामुदायिक चर्चा जैसे तरीकों का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा और जानकारी का प्रसार, सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग, वस्तुस्थिति और समस्याओं की पहचान, साक्षात्कार और सामुदायिक चर्चा, कला और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी समाज को जागरूक करने के लिए हम कर सकते हैं।

शिक्षा व जागरूकता के माध्यम से हम सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान कर सकते हैं। शिक्षा के सुधार से लोगों की सोचने की क्षमता बढ़ती है और वे ज्ञान के माध्यम से समाज को बेहतर दिशा दे पाते हैं। एक बेहतर समाज बनाने के लिए हर व्यक्ति को स्वयं से शुरुआत करते हुए छोटे-छोटे कदम उठाने की आवश्यकता है। समाज सुधार एक ऐसा विचार है जो हमारे समाज के वर्तमान और भविष्य को बेहतर बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

समाज सुधार की प्रक्रिया से हम समाज में संवेदनशीलता और जागरूकता बढ़ा सकते हैं, जिससे सामाजिक समरसता को प्रोत्साहन मिलता है। समाज बदलने के लिए बड़ी बातों की नहीं, बल्कि सच्ची सोच और छोटे-छोटे व्यक्तिगत प्रयासों की आवश्यकता होती है। हर व्यक्ति को खुद से बदलाव की शुरुआत करनी चाहिए। समाज तभी सुधरेगा जब हर व्यक्ति खुद से बदलाव की शुरुआत करेगा। अगर हम सब मिलकर छोटे-छोटे कदम उठाएं, तो बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है।

समाज में अनेक कुरीतियाँ व्याप्त हैं। इनमें दहेज प्रथा, महिलाओं के साथ भेदभाव, मृत्यु भोज, बालक-बालिकाओं का युवावस्था में भटकाव तथा महंगी शादियां, प्री-वेडिंग आदि कुरीतियॉ प्रमुख हैं। इन कुरीतियों से समाज में सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक रूप से कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

भारतीय संस्कृति हजारों सालों के बाद, आज भी जीवित है क्योंकि यह हमारी सोच व विचारों का अभिन्न अंग बन गयी है अत: समाज में फैली कुरीतियों के प्रति जागरूक करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए।

हमारे विचारों का समाज में गहरा प्रभाव होता है। अगर हम सभी लोग समाज सुधार की दिशा में एकजुट होकर काम करें, तो हम एक बेहतर और स्वस्थ समाज बना सकते हैं। परंतु इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को खुद से बदलाव की शुरुआत करनी होगी बेहतर समाज के लिए सबको सोचा होगा और अपनी सोच को मूर्त रूप भी देना होगा। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए शिक्षा, जागरूकता, और सामाजिक सुधार कार्यक्रमों का आयोजन करना जरूरी है। समाज में कुरीतियो एवं सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए समाज में कुछ आवश्यक कार्य हैं जैसे:--

(1) शिक्षा और जागरूकता-

लोगों को सामाजिक कुरीतियों के बारे में शिक्षित करना और जागरूक करना महत्वपूर्ण है। शिक्षा के माध्यम से कुरीतियों के दुष्परिणामों और समाधानों के बारे में जानकारी देना चाहिए। जागरूकता

अभियान चलाकर लोगों को इन कुरीतियों से दूर रहने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

(2) संगठनात्मक प्रयास-

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने और लोगों को शिक्षित करने में मदद करनी चाहिये। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाना और उन्हें रोकने के लिए प्रयास करना चाहिए। सकारात्मक सोच और व्यवहार को बढ़ावा देना चाहिए। उदाहरण के लिए मृत्यु भोज, दहेज प्रथा जैसी कुरीतियों को नहीं करने का संकल्प लेना चाहिए।

(3) सामाजिक मीडिया का सहयोग-

सामाजिक मीडिया को सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। मीडिया के माध्यम से लोगों को जागरूक करना महत्वपूर्ण है। समाज समाज सुधार का प्रयास से बड़ा कार्य है जो सामूहिक प्रयासों से ही संभव है ।

समाज में व्याप्त कुरीतियों व बुराइयों के विरुद्ध जनमानस में जागृति लाने के लिए जीवन समर्पित करने वाले प्रखर विद्वान, महान समाज सुधारक, महान दार्शनिक व चिंतक, ब्रह्म समाज के संस्थापक राजा राम मोहन राय जी से प्रेरणा लेकर हमारे समाज संगठन को भी व्याप्त कुरीतियों एवं बुराइयों के विरुद्ध जन जागरण के सभी आवश्यक प्रयास करने होंगे। क्योंकि अगर समस्याएं हैं तो उनके समाधान भी हैं। बस आवश्यकता है तो एक सार्थक पहल की । यदि हम पहल करेंगे तो निश्चित ही आज नहीं तो कल इसके सार्थक परिणाम आएंगे।

नई पीढ़ी को किसी भी प्रकार के व्यसन से मुक्त करना हमारा प्रमुख ध्येय होना चाहिए। अन्य समाजों की देखादेख हमारे समाज मे भी विवाह आदि पर बेशुमार खर्च हो रहा है। जिस पर रोक लगाने के लिए हमें ध्यान देना होगा और सामूहिक विवाह सम्मेलन तथा युवक-युवती परिचय सम्मेलनों का आयोजन करना होगा। सामूहिक विवाह में अपने बालक बालिकाओं का विवाह करने के लिए समाज के समृद्ध लोगों को भी अब समझना होगा। समाज के ऐसे युवा एवं युवती जिन्होंने अपनी शिक्षा पूर्ण कर ली है समाज के समृद्ध लोग उन्हें अपने संस्थानों के माध्यम से रोजगार प्रदान करें। समाज के उच्च शिक्षित समाज बंधु जो अपने-अपने क्षेत्र के विशेषज्ञ हैं बच्चों को रोजगार प्रदान करने में परामर्श दें।

आजकल देखने में आया है की नई पीढ़ी अपने मार्ग से भटक रही है और युवक एवं युवतियां परिवार एवं समाज की मान मर्यादा को ताक में रखकर अपनी मनमर्जी से किसी भी समाज में विवाह कर रहे हैं। इस पर भी रोक लगाने की सख्त आवश्यकता है । इस ओर भी हमें अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है । जहां तक सवाल है मृत्यु भोज का तो इस पर हमारे समाज में धीरे-धीरे कमी आई है परंतु पूर्ण रूप से मृत्यु भोज बंद करने के लिए हमें और अधिक प्रयास करने की आवश्यकता है। बाल विवाह एवं दहेज प्रथा भी एक बड़ी सामाजिक बुराई है जिनका निदान भी आपसी समझ एवं समाज संगठन की सार्थक पहल पर ही संभव है ।

हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि समाज की उन्नति आत्म-मुग्धता से नहीं वरन आत्म-अवलोकन से होती है।

अत: आत्म-अवलोकन करें। अपने स्व को मिटाए तथा समाज ने हमें क्या दिया के स्थान पर हम समाज के लिए क्या योगदान कर सकते हैं यह विचार हमारे मन मस्तिष्क में हो तो हम समाज की इन समस्त कुरीतियों एवं बुराइयों से उबर कर एक स्वस्थ एवं समृद्ध समाज का निर्माण कर सकेंगे। इसलिए **"जब जागो तब सवेरा"** को ध्यान में रखते हुए हम आज से ही प्रयास शुरू करें ओर स्वस्थ एवं समृद्ध समाज के निर्माण में सहभागी बने।

प्रवीण शर्मा, नीमच

प्रेरणा और प्रयास द्वारा परिणाम तक कैसे पहुंचें?

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा-राजस्थान के तत्वाधान में बिडला सभागार, जयपुर में समाज के युवकों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय **''युवा प्रेरणा सम्मेलन"** जिसका ध्येय वाक्य **''प्रेरणा और प्रयास से परिणाम तक"** था का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सम्मेलन के मुख्य अतिथि समाज के राष्ट्रीय प्रधान श्री रामपाल जी शर्मा और सूरत के व्यवसायी श्री राजील जांगिड, अतिविशिष्ट अतिथि ''श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड" के अध्यक्ष श्री रामगोपाल जी सुथार, अति विशिष्ट अतिथि और प्रमुख वक्ताओं में भारतीय प्रशासनिक अधिकारी डॉ. समित शर्मा, प्रसिद्ध उद्योगपति श्री राधे जी चोयल एवं राजस्थान प्रशासनिक अधिकारी श्री आशीष शर्मा थे। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा पंवार थे।

महासभा के महामंत्री श्री सांवर मल जी, महासभा के मिशन डेढ़ लाख सदस्य प्रभारी श्री रामजी लाल जांगिड, प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री गजानंद जांगिड, मुख्य संरक्षक श्री रामसहाय जी बगवाडा, श्री कैलाश जी लोइवाल, मुख्य सलाहकार श्री सुभाष जांगिड, श्री मूलचंद लोवंडीवाल, प्रदेश महामंत्री श्री कैलाश शर्मा सालीवाले, वरिष्ठ मंत्री श्री हर्ष जिठावा, कोषाध्यक्ष श्री रमेश कुमार शर्मा, सह कोषाध्यक्ष श्री मुकेश कुमार, प्रदेश प्रवक्ता श्री महेश जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी श्री बसंत कुमार गेपाल, कार्यालय मंत्री श्री द्वारिका प्रसाद, छात्रावास प्रभारी श्री रामशरण जांगिड, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. रेणु जांगिड, कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती कंचन जांगिड, प्रदेश समन्वयक श्री राहुल शर्मा, राजनैतिक प्रकोष्ठ के श्री गिरिराज जांगिड, श्री मनरूप जांगिड, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष श्री बी सी शर्मा, श्री भगवान राम फौजी, श्री लखन शर्मा, श्री संजय हर्षवाल, श्री सुशील जी कोलकता, जयपुर जिला अध्यक्ष श्री मुकेश जांगिड, महासभा पूर्व चुनाव प्रभारी श्री नन्दलाल खंडेला, पूर्व जिला अध्यक्ष श्री बाबूलाल शर्मा, जयपुर जिला प्रभारी श्री हनुमान कढवानियाँ, पूर्व जयपुर जिला अध्यक्ष श्री हरिशंकर जांगिड, श्री नवल किशोर जांगिड, आर ए एस अधिकारी श्री देवेन्द्र शर्मा, श्री कैलाश जी दादी का फाटक, बृजकिशोर जी कर्मचारी समिति, श्री मुकेश समलेटी, खैरथल तिजारा, बीकानेर, चुरू, फलौदी, टोंक, भीलवाडा, पाली, ब्यावर, दौसा, नागौर आदि विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्ष एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी, और समाज बंधु और पूरे राज्य के विभिन्न जिलों से बारह सौ से ज्यादा विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से सभागार खचाखच भरा था।

भगवान श्री विश्वकर्मा जी एवं माँ सरस्वती की पूजा के पश्चात्, सम्मानित मंचासीन अतिथियों का सम्मान किया गया। प्रदेश अध्यक्ष श्री घनश्याम शर्मा पंवार ने अपने स्वागत भाषण में कार्यक्रम प्रायोजक श्री राजील जांगिड, राष्ट्रीय प्रधान जी, श्री रामगोपाल जी सुथार, प्रमुख वक्ताओं, जिला अध्यक्षों, कार्यकर्ताओं, छात्रों और अभिभावकों को इस कार्यक्रम में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने उन जिला अध्यक्षों का आभार व्यक्त किया जो छात्रों को अपने जिलों से बसों द्वारा लेकर आये। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रदेश सभा हमेशा छात्रों को प्रोत्साहन के कार्य करती रहेगी। राष्ट्रीय प्रधान श्री रामपाल जी ने अपने उद्‌बोधन में आयोजकों को इस कार्यक्रम के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि महासभा का भी प्रमुख उद्देश्य शिक्षा को बढ़ावा देने का ही है और हम भी शीघ्र ऐसे कार्यक्रम की योजना बनायेंगे। श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री रामगोपाल जी सुथार ने कहा कि शिक्षा और उद्योगों को बढ़ावा देने से ही समाज का विकास होगा।

इसके पश्चात् मोटिवेशनल सेमिनार प्रारंभ हुआ। अजमेर से पधारे उद्योगपति श्री राधे जी चोयल ने अपना उद्बोधन दिया। उन्होंने छात्रों को सपने देखने और फिर उन्हें किस तरह बाधाएं पार करते हुए अंजाम तक पहुंचाने के प्रयास करने चाहिये, इस पर विस्तृत रूप से व्याख्यान दिया, जिसे श्रोताओं द्वारा बहुत सराहा गया।

आई ए एस अधिकारी डॉ. समित शर्मा ने व्यक्तित्व विकास और करियर निर्माण में सहयोगी प्रेरक कहानियां जिसमें प्रतिकूल परिस्थितियों से लड़कर जीवन में सफल होने की बातें हैं और उत्साहवर्धक गीतों के जरिये रोचक शैली द्वारा युवकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने अपने भाषण से सभी का मन मोह लिया।

आर ए एस अधिकारी श्री आशीष शर्मा ने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों की अध्ययन के तरीके और परीक्षा की रणनीति पर विस्तृत मार्गदर्शन किया। तीनों वक्ताओं के उद्बोधन को सभी विद्यार्थियों और समाज बंधुओं ने बहुत उपयोगी बताया।

इस कार्यक्रम के प्रायोजक श्री राजील जांगिड ने शिक्षा के लिए निरंतर सहयोग देने का भरोसा दिया और व्यवस्थित कार्यक्रम की सराहना की। महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रेणु जांगिड ने भी छात्रों को उपयोगी टिप्स बताये। उन्होंने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर चिंता प्रकट की । कार्यक्रम के अंत में लॉटरी द्वारा एक विद्यार्थी को टेबलेट भी उपहार में दिया गया।

कार्यक्रम का लाईव प्रसारण ''विश्वकर्मा टुडे" द्वारा किया, जिसे बहुत संख्या में समाज बंधुओं ने देखा कार्यक्रम का कुशल संचालन प्रदेश महामंत्री श्री कैलाश शर्मा साली वालों द्वारा किया गया।

कैलाश शर्मा सालीवाले, प्रदेश महामंत्री

चुनाव अधिसूचना जिलाध्यक्ष पद - झुन्झुनूं

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, जिला सभा झुन्झुनूं का कार्यकाल पूर्ण हो रहा है। अतः चुनाव करवाए जाने अपेक्षित है। इन जिलें के चुनाव के लिए प्रदेश सभा, राजस्थान के मुख्य चुनाव प्रभारी बसन्त कुमार जांगिड ने झुन्झुनूं जिला अध्यक्ष पद के चुनाव की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए चुनाव अधिसूचना जारी की जा चुकी है। जारी अधिसूचना के अन्तर्गत झुन्झुनूं जिलें का चुनाव कार्यक्रम निम्नानुसार रहेगा :-

क्र.सं.	जिला	सदस्यता मान्य	नामांकन तिथि	नामांकन का स्थान	मतदान तिथि
1	झुन्झुनूं	09 अक्टूबर 2025(गुरूवार)	26 अक्टूबर 2025(रविवार)	श्री विश्वकर्मा मंदिर खातियों की बगीची, झुन्झुनूं	09 नवम्बर 2025 (रविवार)

उक्त चुनाव प्रक्रिया सम्पन्न कराने हेतु कमल किशोर गोठडीवाल मोबाइल नम्बर-9414524982 को चुनाव अधिकारी जिला-झुन्झुनूं हेतु नियुक्त किया जाता है।

बसंत कुमार जांगिड, मुख्य चुनाव प्रभारी, मो0. 9680010591

7 सितम्बर, मुंडका में महासभा भवन के निर्माण की पहली वर्षगांठ की बधाई। इस भवन से समाज के बच्चों के सुखद भविष्य की परिकल्पना साकार होगी।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा।

आप सभी को मालूम है कि हैदर कुली चांदनी चौक में महासभा का भवन, समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप छोटा पड़ गया था और इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ही, इस भव्य भवन के निर्माण की परिकल्पना की गई थी और इस भवन के निर्माण का यज्ञ पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला द्वारा शुरू किया गया था और इसका भूमि पूजन भी उनके कार्यकाल में ही किया गया था और इस कार्य को आगे बढ़ाने में पूर्व प्रधान रविशंकर शर्मा और नेमीचंद शर्मा ने भी इस यज्ञ में आहुतियां डाली और इसके पश्चात इस यज्ञ को पूरा करने का दायित्व, समाज के इस मुख्य सेवक को सौपा गया और समाज के भामाशाहों और दानदाताओं के भरपूर सहयोग स्नेह, प्यार और आशीर्वाद से हमारे समाज के कोहिनूरों और पुरुधाओं के सपने को साकार किया गया है, जिन्होंने आज से लगभग 118 वर्ष पहले इस महासभा की स्थापना करके इस समाज के सभी लोगों को अपनी आहुति डालने के लिए अभी प्रेरित किया था ।

इस लम्बे सफर में, महासभा के मुझसे पहले 33 प्रधान रहें हैं और सभी ने अपने अपने सामर्थ्य और परिस्थितियों के अनुसार काम किया और इस महासभा को इस मुकाम तक पहुंचाया है। मुझे भी महासभा के 34वें प्रधान के रूप में आप लोगों की सेवा करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। मुझे अपने महासभा रुपी परिवार पर गर्व है कि मुझ जैसे व्यक्ति को भी मुख्य सेवक बनने का सुअवसर प्रदान किया और इससे बड़ी उपलब्धि यह है कि महासभा के 30 वर्षों के इतिहास के बाद किसी प्रधान को दोबारा निर्विरोध निर्वाचित किया गया है और इसके लिए मैंने इस चुनाव में सहयोग और समर्थन देने वाले महानुभावों का आभार व्यक्त किया था और मैं पुन: उन सभी का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं कि आपने समाज के मुख्य सेवक के रूप में महासभा रुपी परिवार के लोगों की मुख्य सेवक के रूप में सेवा करने का अवसर प्रदान किया है।

पिछले लगभग पौने चार वर्षो के दौरान, मैंने जो भी अनुभव किया है और जो भी प्यार और सम्मान आप लोगों से मुझे प्राप्त हुआ है, उसके लिए आपके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। सबसे पहले जिस समय में जनवरी 2022 में मुझे समाज के मुख्य सेवक का जो दायित्व सौंपा था, उस समय मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि यह इतनी बड़ी जिम्मेदारी का काम है काम है और इसमें एक छोटी सी गलती भी एक व्यक्ति की छवि खराब कर सकती है। लेकिन मैं परमपिता परमात्मा पर अगाध विश्वास और भरोसा रखता हूं और यही कारण है कि उसी ने मुझे यह शक्ति और सामर्थ्य प्रदान किया है कि मैं आप लोगों की निस्वार्थ भाव से सेवा कर सकूं और इस दौरान मैंने हर

संभव प्रयास किया है, लेकिन इसके बावजूद समाज के कुछ लोगों की प्रवृत्ति नकारात्मक होती है, ऐसे लोगों के बारे में, मैं कुछ भी नहीं कहना चाहता हूं।

मैं अपने महासभा परिवार को बताना चाहता हूं कि जिस समय मुझे महासभा रूपी परिवार के, मुख्य सेवक का दायित्व सौंपा गया उस समय महासभा के सदस्यों की संख्या लगभग 88 हजार थी और आज इन सदस्यों की संख्या बढ़कर 1 लाख 10 हजार से अधिक हो गई है और इसके साथ ही महासभा के प्लेटिनम सदस्यों की संख्या भी बढ़ाकर दो गुना से अधिक की गई। लेकिन मेरे सामने महासभा भवन के निर्माणाधीन कार्य को पूरा करना एक चुनौती भरा कार्य था, लेकिन महासभा परिवार के लोगों और समाज के भामाशाहों और दानदाताओं के भरपूर सहयोग और समर्थन से ही यह असम्भव सा लगने वाला कार्य एक रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया और गणेश चतुर्थी के पुनीत अवसर पर 7 सितम्बर 2024 को समाज के गणमान्य माननीयों की उपस्थिति में पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला द्वारा इसका लोकार्पण किया गया। उन स्मृतियों को तरोताजा करते हुए कहा कि, हालांकि मुझे कई बार ऐसा एहसास भी हुआ कि मैं अपने वचन का पालन नहीं कर पाऊंगा और भवन निर्माण का सपना साकार नहीं हो पाएगा, लेकिन मेरा ऊपर वाले पर विश्वास था और समाज के लोगों का पूर्ण समर्थन और सहयोग मिला, इसीलिए यह असंभव कार्य इतने थोड़े समय में ही संभव हो सका। अब मुण्डका भवन के निर्माण के बाद, इसके संचालन के लिए समाज के प्रति समर्पित और कर्तव्यपरायणता की प्रतिमूर्ति ठेकेदार देवी सिंह जांगिड की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया गया है और इसके साथ ही इस कमेटी में चार सदस्य भी नामित किए गए हैं। अब इस महासभा रूपी भवन के संचालन में, कोई भी कठिनाई नहीं आएगी और मेरा तो यह मानना है कि इस कमेटी का गठन एक तरह से इस पहली वर्षगांठ पर एक उपहार है। इस भवन की संचालन कमेटी के गठन के साथ ही युवाओं का भविष्य उज्जवल बनाने के लिए और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में यह भवन एक वरदान सिद्ध होगा, क्योंकि वह यहां पर रहकर , अपनी प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी करते हुए, आईएएस और आई पी एस बनकर समाज का नाम गौरवान्वित करते हुए समाज और देश का नाम गौरवान्वित कर सकेंगे।

महासभा भवन की पहली वर्षगांठ पर एक वर्ष पूरा होने पर, महासभा कार्यालय में एक अधीक्षक की भी नियुक्ति की गई है और इस कार्यालय अधीक्षक की नियुक्ति के साथ ही महासभा कार्यालय का संचालन सुचारू ढंग से हो सकेगा और लोगों के महासभा के सन्दर्भ में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देने के साथ ही महासभा के कार्य में पारदर्शिता आएगी। इसके साथ ही मैं आप सभी लोगों से पुनः अनुरोध करता हूं कि आप लोग इस महासभा रुपी परिवार को अपना भरपूर सहयोग और समर्थन सदैव ही इसी प्रकार से देते रहेंगे ताकि समाज की प्रगति का नया रास्ता प्रशस्त हो सके और हमारे बच्चे भविष्य में वरिष्ठ अधिकारी बनकर देश का और समाज का नाम रोशन कर सकें।

इसके ही, मेरे परिवार द्वारा महासभा को 2 लाख 51 हजार रुपए की एक छोटी सी भेंट, प्रतिवर्ष देने का फैसला किया है ताकि समाज के प्रतिभावान और गरीब बच्चों की पढ़ाई बाधित ना हो और वह आर्थिक संबल पाकर, उच्च शिक्षा हासिल करते हुए अपने सपनों को उड़ान दे सकें और इस संभल का सहारा लेकर वह अपने जीवन में सफलता का दामन थाम कर अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। इस पहली वर्षगांठ पर मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि जिस प्रकार से आपने मुक्त कंठ और उदात्त भाव से मुझे पिछले पौने चार सालों में सहयोग और समर्थन दिया है, वह सहयोग भविष्य में भी इसी प्रकार से जारी रहे और आपने मुझे दोबारा जो सर्वसम्मति से प्रधान निर्वाचित करके मेरे कन्धों पर जो भारत डाला है, उससे समाज के प्रति मेरी जिम्मेवारी और भी अधिक बढ़ गई है। इसलिए आओ हम सब मिलकर हमारे समाज के पुरोधाओं के सपनों को साकार करने के लिए और समाज की उन्नति और प्रगति के लिए एक नया रास्ता पर प्रशस्त करें ताकि आने वाली पीढ़ियां इन्हीं कदमों पर चलते हुए अपने समाज और देश का नाम और उज्ज्वल कर सके।

मैं आप सभी को आपके सपनों के महासभा भवन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर पुनः हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि आपका और हमारा यह सहचार, प्रेम और स्नेह इसी प्रकार से सदैव ही बना रहेगा ताकि हम सभी मिलकर इस समाज की प्रगति को सुनिश्चित कर सके। इसके साथ ही आप सभी का विपुल धन्यवाद।

....

जीवन में संघर्ष, संकल्प,निष्ठा तथा समर्पण की भावना ही सफलता की कहानी लिखते हैं।

उधोगपति एवं प्रख्यात मोटिवेटर स्पीकर,आर एस चोयल।

प्रसिद्ध उद्योगपति और प्रख्यात मोटिवेटर और अपने परिश्रम और पुरुषार्थ से उधोग क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को हासिल करने वाले, अपने पिता के नक्शे कदम पर चलते हुए, युवाओं और समाज को प्रेरणा देने वाले, अजमेर के रहने वाले राधेचोयल ने 2 सितंबर 2025 को जयपुर में युवाओं के लिए आयोजित प्रेरणा और प्रयास से परिणाम तक नामक एक मोटीवेशन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि, यहां पर सर्वप्रथम मां सरस्वती की पूजा की गई और जहां पर भी मां सरस्वती हो, वहां पर विद्या की कोई कमी नहीं रहती है और जहां पर मां लक्ष्मी की अनुकम्पा हो, वहां पर धन की कमी नहीं रहती है और लक्ष्मी जहां पर निवास करती है, वहां पर धन की कोई भी कमी नहीं रहती और पावर अपने आप ही आ जाती है। मां सरस्वती सबको बुद्धि और बल दे और आपकी मेधा और स्मृति आलोकित करे।

उन्होंने कहा कि हम ब्रह्मा के मानस पुत्र और अथर्ववेद वेद के रचयिता महर्षि अंगिरा ऋषि की संतान हैं और आज सैकड़ो की तादाद में लोग राजनीति में, समाज का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और इस समाज के लोगों ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना परचम लहराया है। आपको मालूम है कि कुलरिया परिवार द्वारा देश में ने बने संसद भवन में आन्तरिक साथ सज्जा और इन्टीरियर डिजाइनिंग की है । उन्होंने कहा कि युवाओं को ध्यान में रखते हुए ही इस सम्मेलन का नाम युवा सम्मेलन रखा गया है ताकि आप अपने जीवन में सफलता के मंत्र सीखकर सफल हो सकें और यहां पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. समित शर्मा और आरएएस अधिकारी आशीष शर्मा भी आपको जीवन में सफलता के गुर बताएंगे। आर एस चोयल को महासभा प्रधान रामपाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष घनश्याम शर्मा द्वारा शाल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। युवाओं को दिए गए अपने प्रेरणादायक भाषण की शुरुआत करते हुए उन्होंने कहा कि ----

प्रसिद्ध उद्योगपति राधे चोयल ने अपने मोटिवेनल भाषण की शुरुआत करते हुए कहा कि आज एक ऐसी यात्रा की शुरुआत हो रही है और हम सभी मिल कर प्रयास करेंगे कि युवाओं के सामने जो चुनौती है उसके बारे में अवगत करवाया जा सके। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सफलता का कोई शॉर्ट कट रास्ता नहीं है और सफलता कोई रातों-रात भी नहीं मिलती है। इसके लिए लगातार परिश्रम, ईमानदारी, धैर्य और समर्पण की आवश्यकता होती है। कोई भी साधारण इंसान, यदि वह लगन और निष्ठा से प्रयास करे, तो असाधारण उपलब्धियाँ भी हासिल कर सकता है। इस जीवन में असफलताएँ और रुकावटें केवल मात्र एक परीक्षा हैं और इनसे हार मान लेना, कोई विकल्प नहीं है। व्यक्तिगत संघर्ष ही जीवन को दृढ़ और मजबूत बनाता है।

1- स्वरोजगार और उद्यमिता की प्रेरणा आर एस चोयल ने कहा कि अधिकतर युवा पढ़ाई के बाद नौकरी पाने का सपना देखते हैं। लेकिन इस मामले में एक अलग दृष्टिकोण भी है, क्योंकि केवल नौकरी पर निर्भर रहने से युवाओं की सोच सीमित हो जाती है। इसलिए उन्होंने युवाओं को स्वरोजगार और उद्यमिता अपनाने के लिए प्रेरित किया और

यदि कोई युवा अपना व्यवसाय शुरू करता है तो, वह न केवल खुद के लिए बल्कि दूसरों के लिए भी रोजगार के अनेक अवसर पैदा करता है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए जोखिम लेने से कभी भी नहीं डरना चाहिए और इसके साथ ही नई सोच और नए विचारों को वास्तविकता में बदलने का साहस भी रखना चाहिए। जहां पर उद्योग और व्यवसाय से समाज और राष्ट्र की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, वहीं इसके साथ ही इससे युवाओं में, आत्मनिर्भर बनने की अभिलाषा बलवती होगी और उनमें नवाचार करने की प्रेरणा भी पल्लवित और पुष्पित होगी।

2- **असफलता को सफलता का हिस्सा मानना** इस जीवन में असफलताएं ही सफलता का मार्ग प्रशस्त करती हैं। युवा, असफलता से कई बार निराश हो जाते हैं। लेकिन जीवन में सफल होने के लिए असफलताओं को भी सीखने के एक स्वर्णिम अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जीवन में असफलता ही, सफलता की पहली सीढ़ी है। उन्होंने थॉमस एडिसन का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने एक हजार बार असफलताओं के बावजूद बल्ब का आविष्कार किया और इसका उद्देश्य यही है कि उनको लक्ष्य हासिल किए बिना कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। अगर युवाओं में दृढ़ निश्चय और आत्मविश्वास होगा तो जीवन में सफलता उनका अवश्य ही वरण करेगी। इसलिए आपको सफलता का यह मूल मंत्र आत्मसात कर लेना चाहिए कि जो भी असफल होते हैं, लेकिन फिर भी उनको अपने आप पर पूर्ण विश्वास है तो, अंततः वह लक्ष्य तक पहुंच ही जाते हैं। इसलिए असफलताएं निराशा का कारण नहीं हैं, बल्कि सफलता की एक तैयारी हैं।

3- **उच्च लक्ष्यों की ओर प्रेरित करना** आर एस चोयल ने युवाओं का आह्वान किया कि जीवन में बड़े सपने देखने चाहिए तभी आपका दृष्टिकोण विस्तृत होगा, छोटे सपने देखना कुंए के मेंढक के समान है। इसलिए अपने सपनों को रस्सी से बांध कर उनको कैद नहीं करना चाहिए और इसके साथ ही युवाओं को अपने जीवन में उच्च लक्ष्य भी तय करने चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से, आईएएस, आरएएस जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि युवा कठोर परिश्रम और धैर्य रखेंगे तो वह निश्चित रूप से इन उच्च पदों तक पहुँच सकते हैं। मेरा मानना है कि सफलता का एक पैमाना होता है और वह तुरंत नहीं मिलती है, बल्कि लगातार प्रयास और धैर्य से ही सफलता की मंजिल हासिल की जा सकती है। जैसा कि मैंने पहले भी बताया कि असफलता भी सीखने का एक सुनहरी अवसर प्रदान करती है, इसलिए निरन्तर प्रयास करते रहने चाहिए, जो सफलता की वास्तविक बुनियाद हैं।

4- **बड़े सपने देखने से ही बड़ा करने की ऊर्जा आती है** राधे चोयल ने कहा कि उच्च विचार बच्चों और युवाओं में उम्मीद के दामन से बांधकर, उनमें अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए धैर्य और निरंतर मेहनत की भावना जगाने वाला होता है और उनमें एक नई ऊर्जा का समावेश करता है। इसलिए कहा गया है कि सपने वह नहीं होते हैं, जो सोते हुए देखे जाते हैं, अपितु सपने वह होते हैं, जो सोने ही न दें। आप जिस चीज की कल्पना अपने हृदय पटल पर अंकित करते हैं और फिर उसको पूरा करने का प्रयास करते हैं और सपनों के बिना ने आयाम और परिकल्पनाओं को मूर्त रूप नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चीज आपके दिमाग में रिजाईड करती है और आप जीवन में कुछ भी हासिल कर सकते हैं। कभी कभी नहाते समय आपको कोई विचार आता है और उसको आप अपने मस्तिष्क पटल पर लिख लेते हो तो, वह आइडिया 80 प्रतिशत सफल होता है। जिस समय यह धारणा बन जाती है कि यह तो मैं करुंगा ही करुंगा और मुझे आई ए एस बनना है, मुझे सेना में अधिकारी बनना है और वह सपने अपने मस्तिष्क पटल पर लिख लें तभी आपका विजन विकसित होगा।

5- **व्यावहारिक सुझाव और दिनचर्या** अपने विस्तृत अनुभव को युवाओं के साथ सांझा करते हुए, वह उनके दिलों की गहराइयों तक उतर गए और उन्होंने केवल आदर्श बातें ही नहीं कहीं, बल्कि जीवन में आशातीत सफलता हासिल करने के लिए गुरुमंत्र देने के साथ ही व्यावहारिक सुझाव भी दिए। उन्होंने बच्चों को समझाया कि- पढ़ाई और कोचिंग को कैसे संतुलित करना चाहिए। इसी प्रकार प्रतिदिन समय का व्यवस्थित प्रबंधन करना, सुबह जल्दी उठने के साथ ही, नियमित पढ़ाई करना और उचित विश्राम लेना भी सफलता की कुंजी है, जो सफलता का मार्ग प्रशस्त करती

है और सफलता हासिल करने के लिए अनुशासन सबसे बड़ा मूलमंत्र है और यदि दिनचर्या सुव्यवस्थित होगी, तो लक्ष्य हासिल करना अधिक आसान हो जाएगा।

6- स्वावलंबन की महत्ता मोटिवेशनल वक्ता के रूप में, उन्होंने इस बात पर सर्वाधिक जोर दिया कि स्वरोजगार ही युवा शक्ति का सच्चा स्रोत है। युवाओं को नौकरी के पीछे भागने की बजाय खुद, अपना व्यवसाय शुरू करने और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के इस डिजिटलाइजेशन के युग में, केवल पढ़ाई ही सफलता की गारंटी नहीं है, बल्कि हुनर और व्यावहारिक कौशल के सामंजस्य के बिना आशातीत सफलता हासिल करना मुश्किल है। इसलिए युवाओं को चाहिए कि वह अपने हुनर को निखारें और उद्योग-धंधे के क्षेत्र में आगे बढ़ें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत फर्स्ट विजन को हृदय से स्वीकार करते हुए कहा कि देश में स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देना, युवाओं की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। इससे भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

7- युवाओं को जीवन में कभी भी, हार नहीं माननी चाहिए उन्होंने अपने उत्प्रेरक भाषण में युवाओं को एक सकारात्मक संदेश देते हुए कहा कि यह जीवन परमात्मा की थी हुई अनमोल धरोहर है इसलिए इस जीवन को परमात्मा का प्रसाद समझ कर में कभी हार नहीं माननी चाहिए, ईश्वर आपकी परीक्षा लेता रहता है। उन्होंने सुझाव दिया है अपने सपनों को सच्चा मानकर और उन्हें हासिल करने के लिए समर्पित भाव से काम करें, और इसके साथ ही हमेशा ही समाज के लिए कुछ अच्छा करने का लक्ष्य भी अपने सामने रखें। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह केवल नौकरियों के पीछे न भागे, अपनी दक्षता और प्रतिभा का उपयोग करते हुए, स्वरोजगार को अपनाएं, जिससे न केवल आप आत्मनिर्भर बनोगे अपितु समाज के युवाओं को रोजगार देने के लिए रोजगारदाता भी बन सकेंगे।

इस प्रकार से एक प्रबुद्ध मोटिवेशनल स्पीकर के रूप में आर एस चोयल ने अनेक प्रसिद्ध उद्धरणों का उल्लेख करने के साथ ही, अपने व्यक्तिगत अनुभवों को हासिल साझा करते हुए, युवाओं के मन में एक नया संकल्प, नई ऊर्जा और आत्मविश्वास भर दिया, जिसको आत्मसात करते हुए युवा न केवल स्वयंसिद्ध बनेंगे, बल्कि अपने समाज के साथ-साथ राष्ट्र का नाम भी गौरवान्वित करेंगे।

युवाओं के मन में उनका उद्बोधन एक अमिट छाप छोड़ने में कामयाब रहा और युवाओं ने इसे, केवल एक भाषण ही नहीं बल्कि प्रेरणादायक जीवन पाठ के रूप में महसूस किया। जिससे युवाओं के मनोबल में वृद्धि होने के साथ ही उनमें आत्मविश्वास की भावना भी पैदा हुई है और इससे, उनमें जीवन में कुछ कर दिखाने की हिम्मत पैदा हुई है।

निष्कर्ष इस प्रकार से हम कह सकते हैं कि आर.एस. चोयल ने यह सिद्ध करके दिखलाया है कि यदि अपने जीवन के अनुभव और विचारों को सहज भाषा और आत्मीयता से साझा किया जाए तो, वह सीधे बच्चों और युवाओं के दिल तक पहुँच कर उनके जीवन का आधार बनते हैं। अपने अनुभव के आधार पर उन्होंने उल्लेख किया कि जीवन में आने वाली कठिनाइयाँ केवल रास्ते की चुनौतियाँ हैं और उनको अपने विवेक और बुद्धि से पार करना ही जीवन है। उनका मानना है कि शिक्षा, कौशल और अनुशासन के साथ यदि आत्मविश्वास और सहयोग जुड़ जाए तो जीवन में कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। इसके साथ जीवन में नैतिक मूल्यों को बनाए रखने की वकालत करते हुए, उन्होंने कहा कि परंपरा, संस्कृति और आधुनिकता के संतुलन से ही वास्तविक सफलता मिल सकती है।

उन्होंने युवाओं को सुझाव देते हुए कहा कि सफलता का मूल मंत्र है, जीवन में बड़े-बड़े सपने देखना, कड़ी मेहनत करना, असफलताओं से घबराकर लक्ष्य विमुख नहीं होना। उनके व्यक्तिगत अनुभव, सामाजिक प्रतिबद्धता, और आध्यात्मिक दृष्टिकोण ने इस कार्यक्रम में उपस्थित प्रत्येक युवा के दिलों को गहराई से छू लिया और उन्हें अपने जीवन के लक्ष्यों के प्रति समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह उद्बोधन युवाओं के जीवन के लिए एक मिल का पत्थर सिद्ध होगा और वह अपने लक्ष्य के प्रति, प्रतिबद्धता दिखाते हुए हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के साथ ही समाज एवं देश की प्रगति में अमूल्य योगदान देंगे।

....

करौली जिला की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान और समारोह के मुख्य अतिथि, सदाशयता और विनम्रता के द्योतक, रामपाल शर्मा ने कहा कि आज के इस आधुनिक युग में, शिक्षा का सर्वाधिक महत्व है और कोई भी समाज की प्रगति इस बात पर निर्भर करती है कि उस समाज का युवा कितना शिक्षित और सजग है। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा के आशीर्वाद से इस समाज में जन्मजात इंजीनियर पैदा होते हैं, लेकिन अनेकों युवाओं को आर्थिक तंगी के कारण अपने सपनों का गला घोटना पड़ता है। उन्होंने समाज के भामाशाहों से आग्रह किया कि वह समाज के गरीब बच्चों को संबल प्रदान करें ताकि समाज आगे बढ़ सके।

प्रधान रामपाल शर्मा, जिला सभा करौली की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह का आयोजन सोमवार को, कुड़गांव के कन्या महाविद्यालय में किया गया था। इस कार्यक्रम की शुरूआत भगवान विश्वकर्मा के चित्रपट पर दीप प्रदीप प्रज्वलित करके पूजा अर्चना के साथ की गई। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष जगदीश प्रसाद जांगिड और उसकी कार्यकारिणी को भी पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

प्रधान रामपाल शर्मा ने, समाज की एकजुटता पर बल देते हुए कहा कि किसी भी समाज और संगठन की ताकत उसकी एकता के बल पर आधारित है और जो संगठन जितना मजबूत होगा, राजनीति में उसकी भागीदारी उतनी ही अधिक होगी। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वह उच्च शिक्षा के अपने अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए, जीवन में कठोर परिश्रम, साधना और लगन के साथ पुरुषार्थ करते हुए आगे बढ़े ताकि समाज का उत्थान और विकास संभव हो सके। उन्होंने कहा कि महासभा द्वारा उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं और इसके साथ ही उन्होंने समाज के भामाशाहों से भी अपील है कि, वह समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभावान गरीब बच्चों को को गोद ले, ताकि उन का भविष्य उज्जवल हो सके और वह पैसे के अभाव में अपने सपनों को तिलांजलि न दें सकें।

श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष, रामगोपाल सुथार ने मुख्य अतिथि के रूप में, अपने संबोधन में कहा कि जांगिड और सुथार समाज को मिलकर, आपस में राजनीति में भागीदारी बढ़ानी चाहिए, क्योंकि राजनीति में भागीदारी से ही एक समाज को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि राजनीति एक ऐसा माध्यम है, जिसके द्वारा सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का और अपने अधिकारों का पूरा लाभ उठाया जा सकता है। इस समाज का विकास और कल्याण सुनिश्चित हो सकता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के स्तर को बढ़ावा देने के लिए अपने बच्चों को शिक्षित बनाना चाहिए क्योंकि शिक्षित युवा ही नए युग का सूत्रपात कर सकते हैं। उन्होंने समाज के लोगों का आह्वान किया कि वह सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ उठाने का प्रयास करें ताकि अन्तिम छोर पर बैठे समाज के गरीब व्यक्ति को भी इन योजनाओं का लाभ मिल सके।

महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड ने कहा कि शिक्षित समाज से ही एक नए युग का निर्माण होता है और शिक्षा में एक ऐसी असीम ताकत है जो मन के अंधेरे को प्रकाशित करने के साथ ही जीवन में सही निर्णय लेने के लिए सकारात्मकता दृष्टिकोण विकसित करती है। इस समारोह की अध्यक्षता राजस्थान प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड ने की।

इस अवसर पर राजस्थान के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हरिशंकर जांगिड, राजस्थान प्रदेश के, मुख्य चुनाव अधिकारी बसंत कुमार गेपाल, विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट दिल्ली के अध्यक्ष सुरेश चंद्र टाइगर, गिर्राज प्रसाद जांगिड, युवा जिला अध्यक्ष रितेश जांगिड, संभाग प्रभारी वेदप्रकाश टोडाभीम और मीडिया प्रभारी विनोद जांगिड ने, समारोह की शोभा को द्विगुणित किया।

इस नवगठित कार्यकारिणी में, अध्यक्ष पद पर जगदीश प्रसाद जांगिड, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राधेश्याम जांगिड, महामंत्री मुकेश जांगिड, कोषाध्यक्ष हरिओम जांगिड, मंत्री अशोक जांगिड, युवा जिलाध्यक्ष रितेश जागिड, सलाहकार मंत्री गजानन्द जांगिड और मदनमोहन एडवोकेट को शपथ दिलवाई गई।

मीडिया प्रभारी विनोद जांगिड ने, बताया कि कार्यक्रम का बेहतरीन ढंग से संचालन महामंत्री मुकेश जांगिड टोडाभीम द्वारा गया किया। कार्यक्रम में जागिड समाज के पदाधिकारियों ने उपस्थित लोगों कर स्वागत किया। मीडिया प्रभारी विनोद जांगिड ने बताया कि इस मौके पर समाज के काफी लोग मौजूद रहे।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

बांदीकुई तहसील के अध्यक्ष श्रीमान रमेश चंद्र त्रिपाठी जी एवं उनकी कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह

बांदीकुई तहसील अध्यक्ष, रमेश चंद्र त्रिपाठी की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 5 सितंबर को आयोजित किया गया

5 सितंबर 2025 शुक्रवार को बांदीकुई के कृष्णा रिसोर्ट में भव्य शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया स इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक श्रीमान भागचंद टाकड़ा जी एवं अति विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश सभा अध्यक्ष श्रीमान घनश्याम पंवार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महासभा दौसा जिला अध्यक्ष श्रीमान चेतन प्रकाश शर्मा जी ने भाग लिया। भव्य स्वागत सत्कार के बाद निर्विरोध बांदीकुई नवनिर्वाचित तहसील अध्यक्ष श्रीमान रमेश चंद्र त्रिपाठी जी ने अपनी नवनिर्मित कार्यकारिणी के साथ अपने पद व गोपनीयता की शपथ ग्रहण की एवं शपथ दिलाने का कार्य प्रदेश अध्यक्ष श्रीमान घनश्याम पंवार ने किया युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेश जांगिड एवं उनकी संपूर्ण कार्यकारिणी ने भी गोपनीयता की शपथ लीस कार्यक्रम में पधारे हुए मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक ने राजनीति स्तर पर समाज की संगठन का महत्व बताया उन्होंने कहा कि जब तक हम संगठित होकर अपना वोट जता कर नहीं देंगे तब तक राजनीतिक स्तर पर समाज की बात को नहीं सुना जाएगा विधायक महोदय ने समाज को छात्रावास हेतु भूमि दिलवाने का एवं पंचायत व नगर पालिका चुनाव में समाज को प्रतिनिधित्व दिलाने का आश्वासन दिया।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष श्रीमान घनश्याम पंवार ने सामाजिक मंचों पर साफा प्रथा को बंद करने का आह्वान किया और राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली जाति जनगणना में अपने नाम के साथ केवल जांगिड शब्द को जोड़ने पर बल दिया आपने कहा कि नाम के साथ गोत्र गांव का नाम या शर्मा नहीं लगना चाहिए कार्यक्रम में मंच संचालन बाँदीकुई बसवा के पूर्व तहसील मंत्री दिनेश चंद्र गुरूजी द्वारा किया गया एवं संपूर्ण बांदीकुई तहसील की तरफ से प्रदेश अध्यक्ष जी से निवेदन किया गया कि राष्ट्रीय स्तर पर संगठन को मजबूत करने हेतु तहसील इकाइयों को महत्व दिया जाए एवं तहसील अध्यक्ष की अनुशंसा पर किसी व्यक्ति को राष्ट्रीय स्तर या प्रदेश स्तर या जिला स्तर पर संगठन का कोई पद दिया जाए ऐसा नहीं करने पर प्रत्येक स्तर पर सामाजिक गुटबाजी को बढ़ावा मिलता है जिसके कारण समाज में संगठन के स्थान पर विघटन को बढ़ावा मिलता है।

कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लखन जी, पूर्व जयपुर अध्यक्ष नवल जी, जयपुर अध्यक्ष मुकेश जी, नंदलाल जी खंडेला एवं पूर्व दौसा जिला अध्यक्ष घनश्याम जी हरिपुरा एवं कैलाश जी रामगढ़ हित अनेको तहसील अध्यक्षों, सहित समाज के सैकड़ो समाज बंधु उपस्थित थे।

सम्पादक, राम भगत शर्मा।

ब्रह्मर्षि अंगिरा की जयंती राष्ट्रीय अंगिराधाम अंगारी में 28 अगस्त को श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि ब्रह्मा जी के मानस पुत्र महर्षि अंगिरा दिव्य और अध्यात्मिक गुणों से परिपूर्ण हैं। वह तपोबल और योगबल तथा मंत्रों की अद्वितीय शक्ति के स्त्रोत तथा भारतीय सनातन और वैदिक परम्परा के संवाहक और अग्रज ऋषि के रूप में पूजनीय हैं । उन्होंने ही सबसे पहले वेदों का सृजन किया और वेदों के ज्ञान को प्रचारित और प्रसारित किया तथा इसके साथ ही, महर्षि अंगिरा को वैदिक काल में आदि ऋषियो को, वेद ज्ञान सुनाने, समझाने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ है। ऐसे महान और दिव्य गुणों से परिपूर्ण महर्षि अंगिरा की जयंती पर महासभा रुपी परिवार को हार्दिक शुभ मंगल कामनाएं देता हूं।

प्रधान रामपाल शर्मा, 28 अगस्त, माघ मास की शुक्ल पंचमी को, राष्ट्रीय अंगिरा धाम अंगारी में आयोजित, ऋषि पंचमी के पावन अवसर पर महर्षि अंगिरा की जयंती मनाए जाने वाले, समारोह में ,मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस समारोह की अध्यक्षता अंगिरा धाम के संस्थापक पूर्ण चन्द जांगिड, दिल्ली ने की और सभी अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर तथा स्मृति चिह्न तथा प्रतिष्ठित महानुभावों को अंगिरा रत्न देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर झण्डारोहण मदनलाल कानपुरा वाले ने किया तथा और सूर्या इंजीनियरिंग के, मामराज चिचावां, कलश यात्रा की मुख्य अतिथि श्रीमती ललिता देवी हिंडोन के मार्गदर्शन में निकाली गई। दीप प्रज्वलित कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल शर्मा और खैरथल जिला अध्यक्ष नरेश कुमार जांगिड ने किया और नंदबई टेगोर ग्रुप डायरेक्टर अंगिरा जयंती समारोह के अध्यक्ष थे।

रामपाल शर्मा ने कहा कि महर्षि अंगिरा को ब्रह्मा जी के मानस पुत्र के रूप में जाना जाता है और वह विशिष्ट गुणों से परिपूर्ण होने के कारण ही अपने पिता ब्रह्मा के समान हैं। महर्षि अंगिरा ने ही वेदों (अथर्ववेद) का सर्जन किया और अपनी शक्ति से अग्नि की उत्पत्ति की। उनको सप्तर्षि ऋषियो में भी सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है और इनके बड़े पुत्र बृहस्पति थे, जो कि देवताओ के प्रथम गुरू माने गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि इनकी श्रेष्ठ कन्याओ में से एक कन्या का नाम भुवना था, जिसको ब्रह्मवादिनी भी कहा गया और उसका विवाह अष्टम वसु प्रभास से हुआ था, जिससे देव शिल्पी भगवान विश्वकर्मा का जन्म हुआ। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सभी मिलकर महर्षि अंगिरा के गुणों को आत्मसात करते हुए अपने समाज और कुल का नाम गौरवान्वित करें।

महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष और श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष तथा हवन पूजन के मुख्य अतिथि विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति, सत्यपाल वत्स ने कहा कि इस अंगिरा धाम की स्थापना सन 1999 में हुई थी और यहां पर बैठे हुए पूर्ण चन्द जांगिड इसके संस्थापक हैं और मुझे याद है की पहली बार, महासभा का कोई प्रधान, अंगिरा धाम के इस समारोह में शामिल हुआ है और यह रामपाल शर्मा की, उदारता और सबको साथ लेकर चलने की उत्कट जिजीविषा का द्योतक है। प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि महर्षि अंगिरा के इस स्थान को बहुत उत्तम से उत्तम एक राष्ट्रीय धरोहर और एक तीर्थ स्थल के रूप एक भव्य स्मारक सहित आप सभी के सहयोग से बनाया जाएगा।

इस समारोह को द्विगुणित करने वालों में, श्री विश्वकर्मा एजुकेशन ट्रस्ट दिल्ली के अध्यक्ष सुरेश शर्मा टाईगर, उत्तर प्रदेश सभा के अध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा, विश्वकर्मा ऐजुकेशन ट्रस्ट दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष, कैलाश जांगिड, महासभा के उपप्रधान उजेन्द जांगिड और चेतन शर्मा, दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरि राम जांगिड,

जिलाध्यक्ष कोटपुतली बहरोड़ और करोली नेकीराम जांगिड और जगदीश जांगिड, अलवर के पूर्व जिला अध्यक्ष खेमचंद जांगिड, रतनलाल जांगिड और हनुमान प्रसाद जांगिड, जिलाध्यक्ष दौसा, प्रभारी भरतपुर वेदप्रकाश जांगिड, कोटपुतली -बहरोड़ के पूर्व जिला अध्यक्ष अजय कुमार जांगिड, मुकेश समलैटी, पूर्व जिलाध्यक्ष दौसा कैलाश जांगिड, जांगिड धर्मशाला अलवर के अध्यक्ष, सुरेश चन्द, अलवर जिला के महामंत्री सोहन लाल जांगिड, रामकिशोर रावत, अंगिरा आश्रम छात्रावास कोटपुतली के अध्यक्ष छितरमल, अशोक ठेकेदार, रमेश हिंडोन, तहसील अध्यक्ष तिजारा, थानागाजी और बांसुर हुकम चंद, ओमप्रकाश और सुरेंद्र शामिल हैं। अंगिरा धाम के अध्यक्ष भगवान सहाय कटारिया और पूर्व अध्यक्ष अंगिरा धाम विजेन्द्र विष्णु और महामंत्री धर्मराज, कार्यकारी अध्यक्ष मदनलाल, कोषाध्यक्ष रवि कुमार, कार्यालय मंत्री अशोक, उपाध्यक्ष जगदीश और बोदनलाल, पूर्व तहसील अध्यक्ष रामप्रताप, पूर्व महामंत्री राजेन्द्र और रामकिशोर ने जी अथक मेहनत की और इस समारोह को सफल बनाया। मंच का बेहतरीन तरीके से संचालन अलवर के महादेव प्रसाद, हिंडोन के धर्मराज और श्रवण कुमार जांगिड ने किया और कार्यक्रम के समापन पर अंगिरा धाम के अध्यक्ष, भगवान सहाय कटारिया ने सभी का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया।

महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, सत्य पाल वत्स।

महासभा भवन के संचालन के लिए प्रबंधकीय संचालन कमेटी का गठन।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि समाज के भामाशाहों और दानदाताओं के सहयोग से, महासभा के भव्य और ऐतिहासिक भवन का निर्माण किया गया है और इससे समाज के उन कोहिनूर पुरोधाओं की परिकल्पना को मूर्त रूप दिया गया है, जिन्होंने महासभा की स्थापना करते समय यह स्वप्न देखा था। इसके निर्माण के बाद इसकी समुचित ढंग से व्यवस्था करने और इसके संचालन और रखरखाव के लिए एक संचालन कमेटी के गठन की महत्ती आवश्यकता महसूस की गई।

प्रधान रामपाल शर्मा ने कहा कि महासभा के कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड और समाज के अन्य महानुभावों से गहन विचार-विमर्श करने के बाद, विनम्रता और सरल स्वभाव के व्यक्तित्व के धनी, ठेकेदार देवी सिंह जांगिड की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। यह कमेटी अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के नवनिर्मित मुंडका भवन के संचालन एवं रख रखाव के दायित्व का निर्वहन करेगी।

ठेकेदार देवी सिंह जांगिड की अध्यक्षता गठित की गई इस कमेटी के अन्य सदस्यों में, रमेश प्रकाश, जगदीश राय जांगड़ा, बंकट लाल शर्मा और दामोदर जांगिड शामिल हैं और यह सभी मिलकर इस दायित्व का जिम्मा सम्भालेंगे। इस अनुकरणीय फैसले के लिए प्रधान जी और उसकी कर्मठ टीम का हृदय से आभार।

इसके साथ ही, प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा, इस टीम की सहायता करने के लिए महासभा के इस भवन में ऋषि प्रकाश जांगिड को, कार्यालय अधीक्षक मनोनीत किया गया है ताकि महासभा कार्यालय का कुशल प्रबंधकीय संचालन करने के साथ साथ ही, महासभा भवन में आने -जाने वाले पदाधिकारियों और अन्य महानुभावों को वह अपने उत्तम आचरण एवं व्यवहार एवं दक्षता पूर्वक कुशलता से संतुष्ट करते हुए उनकी समस्याओं का निराकरण कर सकें।.......

महामंत्री महासभा, सांवरमल जांगिड

पुणे में राजस्थान फाउंडेशन चैप्टर की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

राजस्थान फाउंडेशन पुणे चैप्टर की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज बड़े उत्साह और गरिमामय माहौल में सम्पन्न हुआ।

राजस्थान के शहरी विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने कहा कि भगवान श्री विश्वकर्मा सृष्टि के निर्माता है और जांगिड और सुथार समाज का, न देश-विदेश में निर्माण कार्यो अहम योगदान रहा है। उन्होंने आह्वान किया कि जांगिड-सुथार समाज के लोगों को अपनी मातृभूमि राजस्थान में भी निवेश करके, विकास में भागीदारी सुनिश्चित करने का बेहतर अवसर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा प्रवासी राजस्थानियों के लिए निवेश को बढ़ावा देने के लिए हर प्रकार विशेष सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं ताकि देश और विदेश में, राजस्थान प्रदेश के मेहनतकश लोगों की विशेष पहचान हो सके।

मंत्री खर्रा पुणे में, राजस्थान फाऊंडेशन की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में बोल रहे थे। इस समारोह का आयोजन राजस्थान फाऊंडेशन चैप्टर पुणे की ओर से अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण और सुथार समाज पुणे, की तरफ से श्री विश्वकर्मा मंदिर मंदिर पुणे में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया था और इस समारोह में मंत्री झाबर सिंह खर्रा तथा दुबई चैप्टर के अध्यक्ष, अमराराम जांगिड का भव्य स्वागत करते हुए उनको सम्मानित किया गया।

दुबई चैप्टर के अध्यक्ष और विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति अमरा राम जांगिड ने कहा कि वह विगत 40 वर्षों से में रहकर समाज सेवा के साथ ही, राजस्थान प्रदेश से आए हुए लोगों की समस्यायों का तत्परता से समाधान निकलवाने का हमेशा ही स्तुत्य प्रयास करते हैं और इसी उदात्त भावना को ध्यान में रखते हुए ही, राजस्थान सरकार ने उनको, दुबई चैप्टर का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उन्होंने दुबई चैप्टर की गतिविधियों का विस्तारपूर्वक उल्लेख करते हुए, सभी प्रवासी राजस्थानियों से एकजुट होकर राजस्थान में निवेश करने एवं एक-दूसरे की सहायता करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा प्रवासी राजस्थानियों के लिए विशेष पैकेज की घोषणा से, पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिलेगी इसके साथ ही उन्होंने 10 दिसम्बर 2025 को जयपुर में आयोजित होने वाले प्रवासी दिवस के अवसर पर अधिकाधिक प्रवासी राजस्थानियों की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि आने वाली समय में देश सहित राजस्थान में भी पर्यटन और उद्योग क्षेत्र में निवेश की असीम और अपार संभावनाएं हैं, जिनका लाभ बढ़ाने के लिए राजस्थान के लोगों को आगे आना चाहिए।

राजस्थान फाउंडेशन की कमिश्नर मनीषा अरोड़ा ने, राजस्थान सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए, प्रवासी राजस्थानियों का आह्वान किया कि वह राजस्थान में निवेश करने के लिए आगे आए, सरकार प्रवासियों को हर प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कृत संकल्प है। प्रवासियों द्वारा इन सुविधाओं का लाभ उठाकर, राजस्थान प्रदेश के विकास में अपना अमूल्य योगदान देना चाहिए।

दुबई चैप्टर के मीडिया प्रभारी पेम्पाराम सुथार ने, इस समारोह की जानकारी देते हुए कहा कि इस समारोह में आपसी एकता, सहयोग तथा निवेश को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर विशेष बल देते हुए एक सामूहिक संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि इस समारोह में बड़ी संख्या में प्रवासी राजस्थानी तथा जांगिड सुथार समाज के लोग भी शामिल हुए जिन्होंने इसकी शोभा को द्विगुणित किया।

राजस्थान फाउंडेशन के दुबई चैप्टर के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड।

वर चाहिए

1. Wanted a suitable match for healthy & pleasant personality J.B. girl, D.O.B.- 06/03/1996, Birth Time: 01:15 PM, Ht.- 5'1", Birth Place: Bikaner, residence in Jodhpur Rajasthan, Education- B.Tech(Electronics & Communication) **Shasan: Motiyar, Kalunia, Mandan, Jadwal**, **Contact-** Mr. Naresh Motiyar,(Xen RRVPNL)- 9214406908

2. Wanted a suitable match for Jangid Brahmin girl in Delhi D.O.B 18/05/1996, Birth time 10:55 PM, Ht-5'1", Birth Place- Village Hassangarh, Rohtak, Haryana. Education Bsc, B.Ed, MSc Chemistry,C.T.E.T.. Teacher by profession in private school Delhi. Gotra **Self**-Kalonia, **Mother**-Baiday, **Grandmother**-Khandelwal, **Maternal Grandmother**- Kagtaan. Contact:- Mr. Parshant - 9728008171.

वधु चाहिए

1. Wanted a suitable match for a Jangid Brahmin boy, D.O.B. 05.11.1992, Height 5'9", Birth place- Meerut (UP), Education- B.Tech, MBA,Job-Private, Gotra : Kaloniya, Ransiwal, Vashisth, Present Address- Lucknow, (UP), Contact- 6394740576, 9454969269

☆☆☆

गुजरात प्रदेश के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष

शांति लाल सुथार
जिलाध्यक्ष-थराद

अशोक कुमार जांगिड
जिलाध्यक्ष-वलसाड

सांवरमल जांगिड
जिलाध्यक्ष-पंचमहल

नेमीचन्द सुथार
जिलाध्यक्ष-खेडा

चुन्नी लाल सुथार
जिलाध्यक्ष-नवसारी

धमेन्द्र शर्मा
जिलाध्यक्ष-मेहसाणा

दिनांक 24 अगस्त 2025 रविवार को प्रदेश सभा राजस्थान द्वारा घोषित जिलाध्यक्ष कोटा पद हेतु मतदान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें श्री रितेश कुमार जांगिड सुपुत्र श्री नाथूलाल जी जांगिड निवासी विवेकानन्द नगर, कोटा 56 मतों से विजयी घोषित हुए।

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष कोटा श्री रितेश कुमार जांगिड को चुनाव अधिकारी श्री कमल किशोर गोठडीवाल ब्यावर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। हार्दिक बधाई शुभकामनाएं।

बसन्त कुमार जांगिड
मुख्य चुनाव प्रभारी
प्रदेश सभा राजस्थान

सह सम्पादक की नियुक्ति

श्रीमान प्रहलाद राय शर्मा,
आणंद, गुजरात मोबाइल-8140229679

महोदय,

मैं, रामपाल शर्मा, प्रधान महासभा, आपको अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली में **जांगिड ब्राह्मण मासिक पत्रिका के सह संपादक** के पद पर मनोनीत करता हूँ ।

आशा करता हूँ की आप **सह संपादक** के पद पर कार्य के दौरान महासभा संविधान का पालन करते हुये अपनी पूर्ण निष्ठा, लगन, ईमानदारी, सकारात्मक सोच के साथ महासभा हित में कार्य करते हुए महासभा की सम्पूर्ण गतिविधियों / भावी योजनाओं एवं संपादकीय सामग्री का सम्पादन और प्रूफरीडिंग, लेखकों के साथ समन्वय और संवाद, प्रकाशन की गुणवत्ता और समयबद्धता को सुनिश्चित करते हुए आप अपनी सम्पादकीय कलम से समाज की गतिविधियों को निष्पक्षता, सत्यता और प्रमाणिकता के साथ महासभा की जांगिड ब्राह्मण मासिक पत्रिका की प्रतिष्ठा को उच्च शिखर पर पहुचाने का निरंतर सार्थक प्रयास करेंगे ।

शुभकामनाओं सहित

प्रधान, महासभा दिल्ली

शोक संदेश

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि महासभा के सरंक्षक सदस्य-SS-21034 **श्री ओम प्रकाश जी जांगिड**, (सेवा निवृत आर.ए.एस), व महासभा कार्यकारिणी के अनुशासनात्मक कमेटी के सदस्य का स्वर्गवास दिनांक 16.09.2025 को हो गया है। इनकी तीये की बैठक 18 सितम्बर 2025 को खंडेलवाल गर्ल्स कॉलेज वैशाली नगर जयपुर में रखी गई। इस अवसर परिवारजनों, सगे सम्बधियों सहित जांगिड ब्राह्मण समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर दिवंगत पुण्यात्मा को भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की।

श्री ओम प्रकाश जी जांगिड एक सरल स्वभाव, मिलनसार, हंसमुख व्यक्तित्व के धनी थे तथा आपके द्वारा की गई समाज सेवा एवं समाज उत्थान के प्रति समर्पण की भावना को सदैव ही याद रखा जायेगा, अपने पीछे धर्मपत्नी स्मिता देवी, भ्राता- विश्वेश्वर शर्मा, गिरधारीलाल शर्मा, पुत्र-चिन्मय शर्मा पुत्रवधु-नेहा शर्मा, दो पुत्रियों सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर गये है।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा कार्यकारिणी के सभी सदस्यों व पदाधिकारीगण परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि **स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश जी जांगिड** की पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान दे और शोकाकुल परिवार को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम सभी आपके समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन और भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं।

।।ॐशान्ति, शान्ति, शान्ति।।

महामंत्री, महासभा

शोक संदेश

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि महासभा के प्लेटिनम सदस्यता संख्या-104 सोमदत्त शर्मा सुपुत्र स्वर्गीय श्री रतन लाल शर्मा की पूज्यनीय माताजी **श्रीमती तारा देवी**, निवास स्थान:-59-बी, हिमसिटी पार्ट-1, देवा रोड़, चिनहट, लखनऊ का स्वर्गवास दिनांक 11.08.2025 को हो गया है।

श्रीमती तारा देवी एक सरल स्वभाव मिलनसार, हंसमुख एवं धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। आप अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गई है। परिवारजनों, सगे संबंधियों व उपस्थित समाज बंधुओं ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत पुण्यात्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर परिवार की तरफ से अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली को दानस्वरूप 1501 रूपये की राशि प्रदान की गई।

हम सभी महासभा की ओर से परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि **स्वर्गीय श्रीमति तारा देवी** की पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान दे और शोकाकुल परिवार को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम सभी आपके समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

।।ॐशान्ति, शान्ति, शान्ति।।

महामंत्री, महासभा

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित किया जाता है कि महासभा के प्लेटिनम सदस्यता संख्या-11 श्री रमेश कुमार शर्मा (पूर्व सरपंच कासन) एवं प्लेटिनम-12 श्री सुरेन्द्र शर्मा के पूज्यनीय पिताजी **श्री मोहर सिंह शर्मा**, का स्वर्गवास सोमवार सुबह दिनांक 01.09.2025 को हो गया है। इनकी शोकसभा 12 सितम्बर 2025 को कम्यूनिटी सेन्टर, सेक्टर-1, आई एम टी मानेसर में रखी गई। इस अवसर परिवारजनों, सगे सम्बधियों सहित जांगिड ब्राह्मण समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर दिवंगत पुण्यात्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री मोहर सिंह शर्मा जी एक सरल स्वभाव, मिलनसार, हंसमुख व्यक्तित्व के धनी थे । आप अपने पीछे पुत्र-पुत्रियों, दामाद, पौत्र, प्रपौत्र-प्रपौत्री सहित भरा पूरा परिवार छोड़कर गये है।

हम सभी महासभा की ओर से परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि **स्वर्गीय श्री मोहर सिंह शर्मा जी** की पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान दे और शोकाकुल परिवार को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम सभी आपके समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

।।ॐशान्ति, शान्ति, शान्ति।।

महामंत्री, महासभा

जिला सभा कोटपूतली - बहरोड़ का शपथ ग्रहण समारोह 29 अगस्त को आयोजित किया गया। इस विहंगम दृश्य को कैमरे ने कैद किया है।

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

HYUNDAI
25
YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL
SHARMA
(CHOYAL)

FOUNDER

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA
HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road
Call : 9099978327

Satellite
Call : 9099978334

Parimal Garden
Call : 9099978328

Naroda
Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : NARMADA TOYOTA
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Posted at:L.P.C. DELHI
R.M.S., Delhi-06

Total Page-64

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26 of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 September 2025
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)